news@group5.in group5news group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || शुक्रवार || 25 अप्रैल , 2025 वर्षः 17 || अंकः 125 || पृष्ठः 12 || मूल्यः 2/-

अंदर पढ़ें
» 07 उत्पाद पोर्टफोलियो में 4 नए ड्रोन लांच किए
» 08 चेन्नई और हैदराबाद के बीच होगी प्लेऑफ की...
» 11 मैं पाकिस्तानी नहीं हूं...इमान इस्माइल

अब आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है

● मधुबनी से पीएम मोदी ने दिया आतंकियों को कड़ा संदेश

कहा-आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी

मधुबनी (एजेंसी)। पहलगाम अटैक के बाद गुरुवार को बिहार के मधुबनी पहुंचे पीएम मोदी ने कहा- पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी। आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई, किसी ने जीवन साथी खोया। इनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़, कोई गुजराती था, कोई बिहार का लाल था। आज सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक हमारा आक्रोश एक जैसा है। पहलगाम आतंकी हमले पर पीएम मोदी ने दुनिया को मैसेज देने के लिए मंच से अंग्रेजी में कहा,हम उन्हें धरती के अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे। आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी। आतंकवाद को सजा मिलेगी।

नीतिश बोले- आतंक के खिलाफ देश एकजुट

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने कहा- 2 दिन पहले आतंकी हमले में कई लोगों की मौत हुई है। ये घटना निंदनीय है। हमारे परिवार से साथ खड़े हैं। पूरा देश आतंक के खिलाफ एकजुट है। नीतिश कुमार ने मंच से लोगों को कहा- प्रधानमंत्री जी ने इतना काम किया है। इनके लिए जोरदार तालियां बजाइए। 2005 में हमारी सरकार बनी। ये हमारे 20वां साल है। पहले पंचायतों का बुरा हाल था। कोई काम नहीं होता था। जब एनडीए की सरकार बनी तो साल 2006 में हम लोगों ने पंचायती राज और नगर निकाय के कानून में संशोधन किया। हमने महिलाओं को आगे बढ़ाया, 50 फीसदी आरक्षण दिया। इन लोगों ने किसी के लिए कोई काम नहीं किया। केंद्र और राज्य की सरकार साथ में काम कर रही है। हमने पानी बिजली सड़क हर क्षेत्र के लिए काम किया है।

गांव के विकास से ही देश का विकास होगा

पंचायती राज कार्यक्रम में शामिल हुए पीएम मोदी ने कहा कि, आज पंचायती राज दिवस के मौके पर पूरा देश मिथिला से जुड़ा है, बिहार से जुड़ा है। आज यहां देश के बिहार के विकास से जुड़े हजारों करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। आज राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर सिंह की पुण्यतिथि भी है। मैं उन्हें नमन कहता हूं। बिहार वो धरती है जहां से बापू ने अपने सत्याग्रह की शुरुआत की थी। उनकी सोच थी कि जब तक गांव का विकास नहीं होगा, तब तक भारत का विकास नहीं हो जाएगा। बीते दिनों में पंचायतों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए। 2 लाख से ज्यादा पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा गया है। साढ़े 5 लाख से ज्यादा कॉमन सर्विस सेंटर गांवों में बने। इससे कई दस्तावेज अब आसानी से मिल रहे हैं। गांव-पंचायतों में बड़ी समस्या जमीन विवाद की रही है। इसके समाधान के लिए जमीनों के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर

● हेलीकॉप्टर से सुरक्षाबलों को पहुंचाया गया राशन

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्य की सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में करीब 6 नक्सलियों के मारे जाने और 2 जवान के जख्मी होने की

खबर है। तेलंगाना, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ इन तीनों राज्यों के हजारों की संख्या में जवान ऑपरेशन पर हैं। जवानों ने कर्रेगट्टा, नडपल्ली, पुजारी कांकेर की पहाड़ी पर हिड़मा, दामोदर, देवा समेत कई बड़े लीडर और उनकी बटालियन को घेरा है। इसमें करीब 300 से ज्यादा नक्सलियों के होने की सूचना है। ऑपरेशन 3 दिनों से ज्यादा समय से चल रहा है। फोर्स अंदर है।

भारत ने सिंधु जल रोका तो यह जंग जैसा होगा

● बोला पाकिस्तान,द्विपक्षीय समझौते भी स्थगित होंगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत के कड़े फैसलों के जवाब में पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच सभी द्विपक्षीय समझौते स्थगित करने की बात कही है। इसमें 1972 का शिमला समझौता भी शामिल है। पाकिस्तान की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी में

गुरुवार को ये फैसले लिए गए। इसकी अध्यक्षता पीएम शहबाज शरीफ ने की। एक दिन पहले भारत ने भी सिंधु जल समझौता स्थगित करने समेत 5 बड़े फैसले लिए थे। पाकिस्तान ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल समझौते को रोकता है तो इसे एक्ट ऑफ वॉर यानी जंग की तरह माना जाएगा। पाकिस्तान ने कहा, पाकिस्तान की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे का सभी क्षेत्रों में मजबूती से जवाब दिया जाएगा।

खालिस्तानी आतंकी मंगत सिंह अमृतसर से गिरफ्तार

● 30 साल से फरार था,25 हजार का इनाम घोषित

अमृतसर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और साहिबाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने अमृतसर में छापेमारी कर एक खालिस्तानी आतंकवादी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह आतंकवादी पिछले 30 वर्षों से फरार चल रहा था। सूचना मिलने के बाद यूपी एटीएस की टीम ने अमृतसर ग्रामीण पुलिस से संपर्क किया। जिसके बाद टिम्मेवाला गांव में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आतंकवादी की पहचान मंगत सिंह के रूप में हुई है, जो अमृतसर ग्रामीण में छिपा हुआ था।

पाकिस्तानी रेंजर्स ने पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ जवान पकड़ा

● एके-47 भी छीनी, आंखों में पट्टी बांधकर फोटो जारी की, फ्लैग मीटिंग से भी इनकार

अमृतसर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इसी बीच पाकिस्तानी रेंजर्स ने पंजाब के इंडो-पाक बॉर्डर पर बीएसएफ के जवान को हिरासत में लिया है। जिस दौरान उसके हाथ से एके-47 भी छीन ली गई। हिरासत में लेने के बाद वे जवान को अपने साथ ले गए। इसके बाद पाकिस्तानी मीडिया में जवान की 2 फोटो जारी की गईं। एक फोटो में आंख पर पट्टी बांधी गई है तो दूसरी में बीएसएफ जवान एके-47 और पानी की बोतल के साथ खड़ा है। पकड़ा गया बीएसएफ जवान पीके सिंह मूल रूप से कोलकाता के जिला हुगली का रहने वाला है। अभी तक उसे छोड़ा नहीं गया है। बीएसएफ के अधिकारी लगातार पाक रेंजर्स के संपर्क में हैं। हालांकि, सूत्रों से पता चला है कि पाक रेंजर्स फिरोजपुर के हुसैनीवाला में फ्लैग मीटिंग के लिए नहीं आ रहे हैं। जिसके चलते बात सिरे नहीं चढ़ पाई है। उधर, अभी तक बीएसएफ की तरफ से कोई बयान भी नहीं आया है। दरअसल श्रीनगर से बीएसएफ की बटालियन-24 ममदोट में आई है। बुधवार की सुबह किसान अपनी कंबाइन मशीन लेकर खेत में गेहूं काटने गए थे। यह खेत फेंसिंग पर लगे गेट नंबर-208/1 के पास था। किसानों की निगरानी के लिए दो बीएसएफ जवान भी उनके साथ थे।

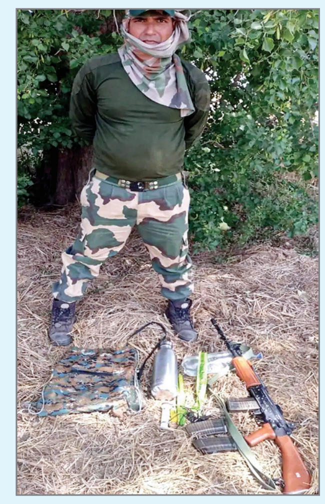

हॉर्स राइडिंग के मोलभाव में बच गई मराठी पर्यटकों की जान

कहा-घोड़े पर होते तो मौत पक्की थी,बताया कैसे रहे खुशकिस्मत

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले से पहले मिनी स्विटजरलैंड माने जाने बैसरन में हॉर्स राइडिंग रेट काफी महंगा था। इसके बाद भी पर्यटक भी मोलभाव के बाद ही इसका लुत्फ लेते रहे। ऐसे ही मोलभाव के चक्कर में महाराष्ट्र के 28 और केरल के 23 लोग आतंकी हमले की चपेट में आने से बच गए। महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली, पुणे और रत्नागिरी से आए 28 पर्यटकों के ग्रुप ने तो हॉर्स राइडिंग के लिए हामी भी भर दी थी, मगर इतने सारे लोगों के लिए घोड़े जुटाने में काफी टाइम लग गया। इसी बीच गोलियों की आवाज आने लगी और वे वापस लौट आए। घोड़ों की वजह से उनकी जान बच गई।

मुंहमांगी कीमत मांग रहे ऑपरेटरों के कारण केरल के पर्यटकों ने हॉर्स राइडिंग का ख्याल ही छोड़ दिया था। रिपोर्ट में बताया है कि कोल्हापुर, सांगली, पुणे और रत्नागिरी जिलों के 28 पर्यटकों का एक ग्रुप 17 अप्रैल को कश्मीर घूमने पहुंचा था।

22 अप्रैल को वह बैसरन घाटी पहुंच गए थे। कोल्हापुर के कागल तहसील के कपशी गांव के रहने वाले अनिल कुरणे ने बताया कि वहां घोड़े वालों ने पहले प्रति व्यक्ति 3,200 रुपये की डिमांड की थी। उन्होंने लगभग 15 मिनट तक घोड़े वालों से

मोलभाव किया। जब किराया फिक्स हुआ तो 28 घोड़ों को इकट्ठा करने में 15 मिनट और लग गए।

जब वे घोड़ों पर बैठकर मुश्किल से 500 मीटर आगे बढ़े तभी उनके ग्रुप का ड्राइवर ड्राइवर भागता हुआ आया। वह चिल्ला रहा था 'रुको! उधर फायरिंग शुरू है, आगे मत जाओ। चेतावनी सुनते ही सभी लोग तुरंत अपनी गाड़ी की ओर लौट गए। रत्नागिरी के दापोली के शिवप्रकाश चौगुले ने बताया कि उन्होंने मंगलवार रात को पहलगाम के एक होटल में रहने के लिए बुकिंग की थी। होटल एक जंगली इलाके में था, इसलिए वह सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे। आतंकी हमले के बाद उन्होंने श्रीनगर जाने का फैसला किया।

कोल्हापुर के अभय टूर्स के मालिक गजानन पाटिल ने बताया कि तनाव के माहौल में उन्होंने अपने टूरिस्ट ग्रुप के लिए दोगुना भुगतान कर श्रीनगर में सात कमरे बुक किए। केरल के 23 मेंबर टूरिस्ट ग्रुप ने दिल्ली के केरल हाउस में आतंकी हमले की जानकारी दी। ग्रुप की एक महिला ने बताया कि बैसरन में घुड़सवारी का किराया हमारे लिए बहुत अधिक था इसलिए हम टैक्सी लेकर दूसरी जगह चले गए।

पाकिस्तान से तनातनी के बीच भारत ने किया मिसाइल टेस्ट

● भारतीय नौसेना ने कहा-आत्मनिर्भर भारत के लिए गर्व का क्षण

अरब सागर में नौसेना ने आईएनएस सूरत से दागी है मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बीच भारत ने मिसाइल परीक्षण किया है। भारतीय नौसेना के डिस्ट्रॉयर आईएनएस सूरत ने अरब सागर में समुद्र की सतह के पास टारगेट को निशाना बनाया। भारतीय नौसेना ने मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल दागी। भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में लक्ष्य को सफलतापूर्वक टारगेट किया। भारतीय नौसेना ने एक्स पोस्ट में इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि ये हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर साबित हुआ। आत्मनिर्भर भारत के लिए गर्व का क्षण है। पाकिस्तान की ओर से मिसाइल टेस्ट की जल्दबाजी के बीच भारतीय ने ये कार्रवाई की है। ऐसी खबरें थी कि पाकिस्तान कोई मिसाइल परीक्षण कर सकता है। इससे ठीक पहले भारत ने सख्त मैसेज देने की कोशिश की है। उधर, पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के पास 500 से अधिक लोगों ने प्रदर्शन किया। इस हमले में 28 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर सैलानी थे। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाते हुए और तख्तियां लेकर पड़ोसी देश के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की और पाकिस्तान पर भारत में आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में बीजेपी कार्यकर्ता भी शामिल थे। साथ ही 'एंटी-टेरर एक्शन फोरम' जैसे कई सामाजिक संगठनों ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

पाकिस्तानी नागरिकों को 72 घंटे में छोड़ना होगा इंडिया

आतंकवाद के खिलाफ आर-पार की लड़ाई के मूड में भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकियों और आतंक को पालने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाने का मन बना लिया है। पीएम मोदी ने साफ कहा है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उधर भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए हैं। भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल से पहले भारत छोड़ना होगा, उनका वीजा रद्द कर दिया गया है। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल 2025 तक वैध रहेगा। भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अटारी-वाघा बॉर्डर को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला लिया है। इस निर्णय के तहत पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। इस बीच, भोपाल के एक परिवार को, जो अपने रिश्तेदारों से मिलने पाकिस्तान जाने के लिए अटारी-वाघा बॉर्डर पहुंचा था, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने वापस लौटा दिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने कई कड़े कदम उठाए हैं, जिनमें अटारी-वाघा बॉर्डर बंद करना है।

जंग हुई तो पाकिस्तानी सेना को मटियामेट कर देगी अपनी आर्मी

● गुप्त दस्तावेज में अमेरिका का बड़ा दावा,सीआईए की रिपोर्ट में खुलासा ● भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा, सैन्य कार्रवाई की है आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गए हैं। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कूटनीतिक कदम उठाए हैं। यह भी आशंका है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अगर दोनों देशों के बीच जंग जैसी स्थिति बनी तो क्या होगा पाकिस्तान आर्मी मानती है कि भारतीय सेना कम से कम पाकिस्तान सेना का मटियामेट कर सकती है। पाकिस्तान आर्मी के टॉप अफसर मानते हैं कि भारत के साथ एक और जंग हुई तो अगर पूरा देश नहीं तो, पाकिस्तानी सेना का खात्मा हो सकता है। यह बात अमेरिका की सेंट्रल इंटेलीजेंस एजेंसी द्वारा 1993 में लिखी एक गुप्त रिपोर्ट में कही गई थी, जो हाल ही में सार्वजनिक की गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संतुलन, आर्थिक विकास और राजनीतिक माहौल का विस्तृत मूल्यांकन करते हुए अमेरिका ने अनुमान लगाया कि पूर्ण युद्ध की संभावना केवल 20 फीसदी है, लेकिन यह संभावना किसी बड़े आतंकवादी हमले से बदल सकती है।

शुभम की पत्नी योगी से बोली-कड़ा बदला चाहिए

● दो दिन से पति की शर्ट पहनी,फिर उसी से लिपट गई ● सीएम योगी बोले-ताबूत में यह आखिरी कील बनेगी

लखनऊ (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। चाचा नरेंद्र ने मुखाग्नि दी। पिता बगल में खड़े होकर रोते रहे। गुरुवार सुबह 11 बजे जब घर से ड्योढ़ी घाट के लिए शव यात्रा निकली तो पत्नी ऐशन्या चीख पड़ीं। पत्नी ने दो दिन से अपने पति की शर्ट पहन रखी थी। उन्होंने वह शर्ट उतारी, उसे सीने से लगाया, फिर फूट-फूटकर रोने लगीं। यह देखकर वहां मौजूद लोगों की

आंखें भर आईं। इससे पहले, सीएम योगी ने शुभम को श्रद्धांजलि दी और घरवालों से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान शुभम की पत्नी ने मुख्यमंत्री से कहा- आतंकियों ने मेरे सामने ही मेरे पति को गोली मारी। योगी जी, हमें कड़ा बदला चाहिए। आप इसका बदला लो। यह कहते हुए वह रोने लगीं। सीएम योगी ने कहा- यह हमला आतंकवाद के ताबूत पर आखिरी कील होगा। आतंकवादियों और उनके आकाओं को उसकी सजा जरूर मिलेगी।

● एकटक पति की तस्वीर देखती रहीं पत्नी ऐशन्या- सुबह जब पार्थिव शरीर घर लाया गया, तो बगल में शुभम की तस्वीर रखी गई। इस दौरान पत्नी ऐशन्या पति की फोटो को एकटक देखती रहीं। वह बार-बार तस्वीर पर हाथ फेरती रहीं। वह कहती रहीं- मुझे गोली क्यों नहीं मारी। अब मैं किसके लिए जिंदा रहूं। मां शव के बगल में बैठी थीं। वह बीच-बीच में चीख पड़ती थीं।

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने बच्चे को कनाडाई मां को लौटाया

● कहा-विदेशी नागरिक भारत की अदालतों का गलत इस्तेमाल न करें, 'फोरम शॉपिंग' करार दिया

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने विदेशी नागरिकों को चेतावनी देते हुए अपने देश की अदालती प्रक्रिया से बचने के लिए भारतीय अदालतों का इस्तेमाल ना करने की बात कही है। यह टिप्पणी कोर्ट ने एक चार वर्षीय बच्चे की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद की सुनवाई के दौरान दी। यह याचिका एक कनाडाई महिला ने दाखिल की थी, जिसने अपने बेटे को भारत से वापस लाने की मांग की थी। न्यायमूर्ति मंजरी नेहरू कौल ने इस मामले की सुनवाई करते हुए यह अहम टिप्पणी की। दरअसल, इस बच्चे को बीते साल कनाडाई नागरिक पिता अपने साथ भारत ले आया था।

कैबिनेट ने दी मंजूरी

परिवहन निगम में 1165 मृतक आश्रितों को नौकरी मिलने का रास्ता साफ

यूनियन नेताओं ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया

मृतक आश्रितों को नौकरी मिलने का रास्ता साफ होने पर उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रांतीय महामंत्री गिरीश मिश्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर का आभार व्यक्त किया। उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ के मीडिया प्रभारी रजनीश मिश्रा ने कहा कि हमारे संगठन ने लगातार मृतक आश्रितों की नौकरी के लिए संघर्ष किया। बार-बार मुख्यालय स्तर से लेकर शासन स्तर तक वार्ता की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मृतक आश्रितों को समायोजित करने का अनुरोध किया। इसी का नतीजा है कि आज मृतक आश्रितों को नौकरी मिलने का फैसला हो गया। यह हमारे लिए बड़ी ही खुशी की बात है। सेंट्रल रीजनल वर्कशॉप कर्मचारी संघ के महामंत्री जसवंत सिंह ने भी प्रदेश सरकार के इस कदम की सराहना की और कहा कि निश्चित तौर पर इससे मृतक आश्रितों को अब संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की नौकरी के दौरान जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया। उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और घर चलाना भी मुश्किल हो गया। नौकरी के लिए बार-बार धरना प्रदर्शन करना पड़ा। आमरण अनशन करना पड़ा। आंसू बहाने पड़े। नौकरी के लिए आश्रितों ने जो उम्मीद लगाई थी उसे उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने पूरा कर दिया है। बात हो रही है रोडवेज में मृतक आश्रितों की। गुरुवार शाम परिवहन निगम के ऐसे 1165 मृतक आश्रितों के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी आई, जब सरकार ने आश्रितों को नौकरी देने का फैसला ले लिया। अब उन घरों के भी चूल्हे जल सकेंगे जहां पर पिछले कई सालों से रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया था। उत्तर प्रदेश में लंबे समय से परिवहन निगम में मृतक आश्रित कोटे के तहत होने वाली भर्तियों को माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। परिवहन मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के इस फैसले से 1165 मृतक आश्रितों को सीधा लाभ मिलेगा। 2016 में मृतक आश्रित कोटे के तहत नियुक्ति हुई थी, लेकिन 2020 में कोरोना जैसी महामारी के आ जाने से मृतक आश्रित कोटे के तहत नियुक्ति नहीं हो पाई थी। उन्होंने बताया कि परिवहन निगम जैसे ही लाभ की स्थिति में आया वैसे ही विभागीय प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए नियुक्ति के लिए शासन को पत्र भेजा गया। परिवहन मंत्री ने बताया कि मृतक आश्रित कोटे के तहत नियुक्ति होने से परिवहन निगम में कर्मियों की कमी पूरी होगी. जनशक्ति में वृद्धि होगी जिसका सीधा लाभ परिवहन निगम की आय पर पड़ेगा। परिवहन निगम की बसों का संचालन बेहतर होने से प्रदेश के लोगों को भी बेहतर परिवहन सुविधाएं मुहैया होंगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही मृतक आश्रित कोटे के तहत उनके आश्रितों को नियुक्ति प्रदान कर दी जाएगी।

पेड़ से टकराया कटेंनर, उड़े परखच्चे केबिन में फंसे ड्राइवर को फायर बिग्रेड ने निकाला

» ट्रक से टकराने के बाद हुआ था बेकाबू
» बंथरा इलाके की घटना

ग्रुप 5 संवाददाता

कंटेनर चालक को आ गई थी नींद

कंटेनर चालक को वाहन चलाते समय अचानक नींद आ जाने से उसने ट्रक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कंटेनर सीधा एक पेड़ से जा टकराया। जिसमें चालक केबिन में बुरी तरीके से फस गया। कानपुर के रमईपुर निवासी 40वर्षीय शमीम मोहम्मद गुरुवार की भोर बंथरा थाना क्षेत्र के जुनाबगंज मोड़ से होते हुए मोहनलालगंज की तरफ जा रहा था। तभी अचानक धावापुर के पास अचानक चालक मोहम्मद शमी को नींद आ गई। नींद की पलक झपकते ही कंटेनर आगे खड़े ट्रक में जा घुसा। घुसते चालक की आंख खुली और बचने की कोशिश की। मगर इसी दौरान कंटेनर सीधा एक पेड़ से जा टकराया। जिससे चालक केबिन में फंस गया।

लखनऊ। गुरुवार सुबह बंथरा थाना अंतर्गत एक कंटेनर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कन्टेंनर बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गया जिससे कंटेनर के परख्च्चे उड़ गए केबिन में फंसे चालक को फायर ब्रिगेड ने आकर बाहर निकाला चालक को गंभीर हालत में लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहां उनका इलाज जारी है। कानपुर के रमईपुर निवासी शमीम मोहम्मद (42) सुबह करीब 5 बजे कंटेनर लेकर जुनाब गंज तिराहे से मोहनलालगंज की ओर जा रहे थे। धावापुर के पास उन्हें झपकी आ गई। इस दौरान कंटेनर पहले एक ट्रक से टकराया, फिर सड़क किनारे पेड़ में जा घुसा। हादसे में शमीम केबिन में फंस गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर विभाग को सूचना दी। सरोजनीनगर फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से शमीम को केबिन से बाहर निकाल अस्पताल भेज दिया है।

उत्तर प्रदेश में अब मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को भी मिला सड़क पर चेकिंग का अधिकार

परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों की तरह ही अब मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को भी वाहनों के चेकिंग का अधिकार दे दिया गया है। इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है।

- एल. वेंकटेश्वर लू
तत्कालीन प्रमुख सचिव
परिवहन विभाग

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। उत्तर प्रदेश में अब यात्री कर अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, संभागीय परिवहन अधिकारी, उप परिवहन आयुक्त, अपर परिवहन आयुक्त और इससे ऊपर श्रेणी के अधिकारियों की तरह ही अब मोटर यान निरीक्षकों (एमवीआई) को भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की चेकिंग करने और जुर्माना लगाने का अधिकार मिल गया है। ऐसा पहली बार होगा जब आरआई से एमवीआई का पद परिवर्तन होने के बाद कई अन्य राज्यों की तरह यूपी में भी मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को वाहनों की चेकिंग का अधिकार दिया गया है। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के तत्कालीन प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वर लू तबादले से पहले मोटरयान निरीक्षकों को चेकिंग का अधिकार सौंप गए। इससे संबंधित अधिसूचना जारी हो गई है। परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों की तरह ही अब मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की जांच कर सकेंगे और उन पर कार्रवाई भी कर सकेंगे। पहली बार उत्तर प्रदेश में इस पद को भी चेकिंग की अनुमति दी गई है 22 अप्रैल को जारी अधिसूचना में तत्कालीन प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वर लू ने ये पावर एमवीआई को दी है। मोटर यान निरीक्षक अब वाहन स्वामी से रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र, परमिट स्वस्थता प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र की चेकिंग कर सकेंगे। पहली बार के अपराध की दशा में रु500 और दूसरे या इससे अधिक अपराध की दशा में रु1500 जुर्माना लगा सकेंगे। इसके अलावा वाहन स्वामी अपने वाहन में किसी तरह का चेंज करता है जो करने की अनुमति नहीं है, ऐसे वाहन स्वामी पर गाड़ी में किसी तरह के बदलाव पर प्रति परिवर्तन रु5000 जुर्माना लगा सकेंगे। स्पीड लिमिट का उल्लंघन करने वाले वाहन चालक पर हल्के मोटरयान की दशा में रुपए 2000 और मध्यम/भारी/यात्री मालयान की दशा में 4000 रुपए का जुर्माना लगा सकेंगे। वाहन में रिफ्लेक्टर न लगे होने मानक के अनुसार रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप के न लगे होने, कॉमर्शियल वाहनों में मानकों के अनुसार स्पीड लिमिट डिवाइस न लगे होने, वायु प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करने, ध्वनि प्रदूषण के मांगों का उल्लंघन करने पर भी रु10000 का जुर्माना लगा सकेंगे। बिना रजिस्ट्रेशन के सस्पेंड या निरस्त किए गए रजिस्ट्रेशन के बाद भी गाड़ी संचालित किए जाने पर जुर्माना लगा सकेंगे। वाहन में नंबर प्लेट न लगे होने पर भी कार्रवाई का अधिकार मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर का होगा। किसी अन्य वाहन की नंबर प्लेट दूसरे वाहन पर लगे होने पर भी वाहन स्वामी पर मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर जुर्माना लगा सकेंगे। ऐसे वाहन जो नियमों के तहत पिछले भाग के तरफ ज्यादा निकले होंगे और बॉडी में परिवर्तन करके ऊंचाई ज्यादा पाए जाने वाले वाहन पर भी कार्रवाई कर सकेंगे। वाहन में किसी तरह की छेड़छाड़ करने पर भी मोटरयान निरीक्षक जुर्माना लगाने में सक्षम होंगे। मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर्स को वाहनों के चेकिंग का अधिकार मिलने पर अब सड़क पर अनफिट चल रहे वाहनों पर कार्रवाई और तेज हो सकेगी। अब यह टेक्निकल अधिकारी कागजों पर फिट और वास्तविकता में अनफिट वाहनों को पहचान सकेंगे और इन पर कड़ी कार्रवाई कर सकेंगे। इसका फायदा ये होगा कि अनफिट वाहन सड़क पर नहीं दौड़ने पाएंगे जिससे यह दुर्घटना का सबब नहीं बनेंगे।

बच्चों को पीट रही महिला को मना करने पर दी जान

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के कल्लीपूरब मजरा घाघ गांव में महिला सालिया बानो उर्फ सोनी (30) अपने बच्चो आलिया, आविन व अरमान के साथ रहती थी। उसके पति मोहम्मद आजाद की चार पहले बीमारी से मौत हो गयी थी। गुरूवार की सुबह सालिया बानो सब्जी काटने के लिये चाकू ना मिलने पर अपने बच्चो की पिटाई कर रही थी, तभी जेठ शमशेर आलम ने उसे डांट दिया था जिसके बाद नाराज सालिया ने घर के कमरे की छत में लगे पंखे में रूपट्टे का फंदा डालकर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घर के बाहर खेल रहे बच्चो ने अंदर आकर मां का शव फंदे से लटकाता देखा तो बाहर निकलकर चिखाने चिल्लाने लगे। जिसके बाद मौके पर ग्रामीणो की भीड़ इक्कठा हो गयी। प्रधान की सूचना के बाद हरकंशगढी चौकी इंचार्ज गुड्डू प्रसाद ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर मृतक महिला के शव को कब्जे में लेकर पचंनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

पिता की डांट से क्षुब्ध होकर घर से भागी थी किशोरियां, सकुशल बरामद

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। सौतेले पिता की रोज-रोज की डांट-फाटकार से नाराज किशोरी अपने मामा की बेटी के घर से भागी थी। पुलिस ने गुरूवार को दोनो किशोरियो को चारबाग रेलवे स्टेशन से बरामद कर परिजनो के सुपुर्द किया। प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह ने बताया नगराम के गढी निवासी अमित सिंह ने पुलिस को तहरीर देते हुये बताया था उसकी बेटी कल्पना सिंह (17वर्ष) मोहनलालगंज के काशीश्वर इंटर कालेज में अपनी ममेरी बहन मुस्कान का एडमिशन कराने की बता कहकर बीते मगंलवार को घर से निकली थी लेकिन वापस नही लौटी थी। परिजनो के काफी तलाशने के बाद भी लापता किशोरियो का कुछ भी पता नही चल सका था। पीड़ित पिता के द्वारा गुमशुदगी दर्ज कर दोनो लापता किशोरियो की तलाश के लिये चौकी इंचार्ज दुर्गेश सिंह व उपनिरीक्षक चन्द्र बहादुर यादव समेत पुलिस टीमो को लगाया गया था। जिसके बाद पुलिस टीम ने कनकहा स्टैंड से गायब किशोरी की साइकिल बरामद करने के साथ ही कनकहा से मोहनलालगंज जाने वाले रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज खगांली तो मोहनलालगंज कस्बे में दोनो किशोरियो बैग टांगे हुये एक सीएनजी टैम्पो में बैठती थी,चालक से पुछताछ में पता चला दोनो चारबाग रेलवे स्टेशन पर उतरी थी.गुरूवार को पुलिस ने दोनो किशोरियो को चारबाग स्टेशन से सकुशल बरामद कर थाने लाकर पुछताछ की तो उन्होने बताया उसके पिता सौतेले है जो कि अक्सर उसे डांटते व फटकारते थे जिससे नाराज होकर अपनी ममेरी बहन को साथ लेकर बहाने से घर से निकलकर चारबाग रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर दिल्ली चली गयी थी,जहां मिले एक व्यक्ति के समझाने पर ट्रेन से वापस लखनऊ पहुंची। पुलिस ने पिता समेत परिजनो को बुलाकर हिदायत देते हुये किशोरियो को उनके सुपुर्द किया। जिसके बाद परिजन पुलिस को धन्यवाद कहकर किशोरियो को साथ लेकर घर गये।

श्रीनगर से लखनऊ की सस्ती हुई फ्लाइटें हुईं, 9980 में मिल रही

जम्मू की ट्रेनों में वेटिंग घटी

दूसरी ओर लखनऊ से जम्मू जाने वाली ट्रेनों में भी वेटिंग कम हो गई है। हफ्तेभर पहले वेटिंग डेढ़ सौ तक पहुंच गई थी, जो अब मामूली रह गई है। कोलकाता जम्मूतवी की स्लीपर में 25, 26, 27 अप्रैल को 29, 51, 49 व थर्ड एसी में 30, 23, 20 वेटिंग है। अमरनाथ एक्सप्रेस कैंसिल है। बेगमपुरा में अगले तीन दिन स्लीपर व थर्ड एसी में 30 तक वेटिंग है। तथा हिमगिरी एक्सप्रेस की स्लीपर में वेटिंग का आंकड़ा 50 के नीचे चल रहा है।

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पर्यटक वापस अपने घरों को लौट रहे हैं। ट्रेनों में लंबी वेटिंग के बाद हवाई जहाजों से वापसी शुरू हो गई है। विमानों का किराया 15 हजार रुपये तक सस्ता हो गया है। लखनऊ की उड़ान 9980 रुपये में मिल रही है। बता दे कि, बीते मंगलवार को पुलवामा में आतंकियों ने पर्यटकों पर गोलीबारी कर दी थी। 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर गए पर्यटकों ने प्लान कैंसिल कर वापसी शुरू कर दी। आतंकी हमले के बाद वापस लौटने वालों के लिए महंगी उड़ानें मिल रही थीं। श्रीनगर से लखनऊ आने वाली उड़ानों का किराया 25000 रुपये तक पहुंच गया था। इसके बाद जब केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप किया तो विमानन कंपनियों ने किराए में रियायत बरती। डायनेमिक फेयर को नियंत्रित रखा। इससे श्रीनगर से आने वाली उड़ानों का किराया पंद्रह हजार रुपये तक सस्ता हो गया। शुक्रवार को श्रीनगर से लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-2197 का टिकट 18349 रुपये में बिक रहा है। वहीं शनिवार को लखनऊ आने वाली उड़ान 6ई-6524 का किराया 9980 रुपये है। यह सीधी उड़ान हैं। शनिवार को ही इंडिगो की एक अन्य उड़ान 6ई-5088 का किराया 12045 रुपये है। वहीं रविवार को इंडिगो की उड़ानों का किराया 10435 रुपये पहुंच गया है। इससे पर्यटकों के लिए वापसी की राह आसान हो गई है।

लखनऊ-बनारस स्पेशल ट्रेन के फेरों में बढ़ोतरी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। यात्रियों की मांग पर लखनऊ से बनारस तक चलने वाली 04217/04218 लखनऊ-बनारस स्पेशल ट्रेन का संचालन 61 फेरों के लिए बढ़ा दिया गया है। इस ट्रेन का संचालन 30 अप्रैल तक किया जाना था, लेकिन यात्रियों की मांग को देखते हुए इसको बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। सप्ताह में सभी दिन चलने वाली यह ट्रेन लखनऊ से चलकर बाराबंकी, दरियाबाद, रूदौली, अयोध्या धाम, अकबरपुर, शाहगंज, जौनपुर, बाबतपुर होकर वाराणसी पहुंचती है। लखनऊ से यह ट्रेन शाम 04:30 बजे और वाराणसी से सुबह 06:25 बजे चलती है।

अगले माह से बिजली दरों में होगी दो फ़ीसद की कमी, उपभोक्ताओं को मिलेगी बिल में बड़ी राहत

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार गर्मी में प्रदेशवासियों को बड़ी राहत देने जा रही है। करीब एक दशक बाद ऐसा पहली बार हो रहा है जब बिजली की कीमतें बढ़ाने के बजाय घट रही हैं। मई माह से प्रदेश के उपभोक्ताओं को बिजली का बिल कम जमा करना होगा। इससे उनकी जेब पर पड़ने वाला भर कम हो जाएगा। मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2025 तृतीय संशोधन के आधार पर फरवरी माह के मद में प्रदेश के सभी लगभग तीन करोड़ 45 लाख विद्युत उपभोक्ताओं के लिए ये बड़ी खुशखबरी है। फ्यूल एंड पावर परचेस्ड एडजस्टमेंट सरचार्ज (ईंधन अधिभार शुल्क) मई 2025 के महीने में प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को कुल जमा बिजली बिल पर दो प्रतिशत की कमी का लाभ मिलेगा। इस संबंध में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने आदेश जारी कर दिया है। इस आदेश पर गौर करें तो फरवरी माह में प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का ईंधन अधिभार शुल्क के रूप में लगभग 170 करोड़ का लाभ होगा जिसकी अदायगी पावर कॉरपोरेशन मई 2025 के महीने में उपभोक्ताओं को करेगा। यानी मई 2025 में पहली बार काफी लंबे समय के बाद प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली दरों में कमी देखने को मिलेगी। यह बात अलग है कि आगे के महीनो में पावर कॉरपोरेशन फिर बिजली दरें बढ़ाने का प्लान बना सकता है। राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पावर कारपोरेशन ने मई के महीने में दो फीसद बिजली दरों में कमी लागू करने के लिए बिलिंग सॉफ्टवेयर को आदेश निर्गत कर दिया है। निदेशक आईटी को पूरा मसौदा भेजा है। उपभोक्ता परिषद की इस पर नजर रहेगी कि आगे वाले आने वाले महीनो में पावर कॉरपोरेशन आंकड़ों का कैलकुलेशन सही करेगा या नहीं। उपभोक्ता परिषद ने इस दो फीसद की कमी के आंकड़े का खुलासा विद्युत नियामक आयोग के सामने तीन दिन पहले ही कर दिया था। कहा था कि उपभोक्ता परिषद हर महीने बहुत ही बारीकी से मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन के तहत ईंधन अधिभार शुल्क की गणना स्वतः करेगा जिससे पावर कॉरपोरेशन किसी भी स्तर पर चालबाजी न कर पाए। उनका कहना है कि वर्तमान में जिस प्रकार से पावर कॉरपोरेशन गुपचुप कार्रवाई करता है उसको देखते हुए उपभोक्ता परिषद मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन के तहत ईंधन अधिभार शुल्क की गणना सही हो इसके लिए एक नई रणनीति बनाई है।

फिर तेजस एक्सप्रेस में यात्रियों को परोसा बासी खाना, यात्रियों ने किया हंगामा

तेजस में जूस पार्ले ब्रांड का दिया जाता है। खानपान की शिकायतों के निस्तारण के लिए कैटरिंग ठेकेदार को ताकीद किया गया है। साथ ही गुणवत्ता की भी जांच की जाएगी।

-अजीत कुमार सिन्हा
मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक,
आईआरसीटीसी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। देश की पहली कारपोरेट तेजस एक्सप्रेस में यात्रियों को खराब खाना परोसा गया। नाराज यात्रियों ने रेलवे से शिकायत की। खास बात यह है कि चार दिन पहले भी तेजस में यात्रियों को बासी समोसा परोस दिया गया था। अब खराब आलू-पराठे परोसे गए। सेब का जूस व कटलेट खाने को दिया गया। बता दे कि तेजस एक्सप्रेस वर्ष 2019 में पटरी पर उतरी थी। लखनऊ जंक्शन से नई दिल्ली के बीच चलने वाली यह ट्रेन यात्रियों की पसंदीदा ट्रेनों में शुमार है। ट्रेन का संचालन आईआरसीटीसी द्वारा किया जाता है। खानपान को लेकर ट्रेन में शिकायतों का अंबार लग रहा है। आए दिन खाने को लेकर यात्री शिकायत कर रहे हैं।लेकिन आईआरसीटीसी अधिकारी मामले को लेकर संजीदगी का परिचय नहीं दे रहे हैं। हालिया मामला गुरुवार का है। यात्री मोहित अपने परिजनों व दोस्तों के साथ ट्रेन की चेयरकार बोगी सी-5 में सफर कर रहे थे। उन्होंने बताया कि लखनऊ जंक्शन से नई दिल्ली जाने वाली गाड़ी संख्या 82501 तेजस एक्सप्रेस की चेयरकार बोगी में वह सवार हुए। रास्ते में जब उन्हें नाश्ता परोसा गया तो वह खाने लायक नहीं था। उन्होंने रेलवे से सोशल मीडिया पर शिकायत दर्ज कराई कि आलू पराठा खराब था। कटलेट बासी था, ब्रेड सूखी व कड़ी थी तथा सेब का जूस भी अच्छा नहीं था। मोहित ने कहा कि ट्रेन में नाश्ते व खाने का झंझट ही खत्म कर दिया जाए और टिकट को कुछ सस्ता कर राहत दी जाए।

ट्रांसफार्मर में लगी आग ने लिया विकराल रूप

» दमकल विभाग की तीन गाड़ियां पहुंची
» अगल बगल की झाड़ियों को भी लिया चपेट में

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। सरोजनीनगर स्थित नादरगंज पावर हाउस में गुरुवार को विद्युत ट्रांसफार्मर की सीटी अचानक फटने से ट्रॉंसफार्मर में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर कई अन्य विद्युत ट्रांसफार्मरों के साथ ही अगल-बगल खड़ी झाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की तेज लपटें उठती देख पावर हाउस कर्मियों ने फायर कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद सरोजनीनगर फायर स्टेशन से पहुंची तीन दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब 1 घंटे में आग पर काबू पाया। बताते हैं कि सरोजनी नगर के नादरगंज पावर हाउस में गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे अचानक 10 एमवीए इनकमिंग विद्युत ट्रांसफार्मर की सीटी अचानक फट गई और ट्रांसफार्मर का तेल बहने लगा। सीटी फटने से निकली चिंगारियां फैले तेल में गिरी तो आग की लपटें उठने लगी। कुछ देर में ही अगल-बगल अन्य ट्रांसफार्मर भी चपेट में आ गए। साथ ही उनके बगल झाड़ियों को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। तेज धुएं और आग की लपटें उठती देख पावर हाउस कर्मियों ने फायर कंट्रोल रूम का सूचना दी। सूचना पाकर सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ सुमित प्रताप सिंह के नेतृत्व में पहुंची तीन दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर करीब 1 घंटे में आग पर काबू पा लिया। घटना के दौरान पावर हाउस से सप्लाई होने वाले सभी फीडरों की विद्युत सप्लाई रोक दी गई। जिससे पूरे 1 घंटे तक आसपास क्षेत्र की विद्युत सप्लाई पूरी तरह ठप रही। बाद में आग बुझने पर ही सप्लाई चालू की जा सकी। वहीं बिजनौर के मखदूमपुर कैथी स्थिति विमला इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के पीछे दोपहर करीब 11 बजे सरैयां निवासी कल्लू के खेत में खड़ी पराली में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग की तेज लपटें उठती देख लोगों ने इसकी सूचना फायर कंट्रोल रूम को दी। सूचना के बाद सरोजनी नगर फायर स्टेशन से पहुंची एक दमकल गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। फिलहाल इन घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग से गेंहू की फसल जलकर राख

लखनऊ। बंथरा क्षेत्र में गुरुवार संदिग्ध परिस्थितियों में गेहूं के खेतों में आग लगने से 100 बीघा से अधिक पराली और कई किसानों के खेतों में खड़ी करीब 10 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। हालाकि सूचना के बाद सरोजनीनगर, पीजीआई और चौक फायर स्टेशन से पहुंची 5 दमकल गाड़ियों ने करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताते हैं कि ऐन, मवई पड़ियाना और अमावा गांव के बीच खेतों में गुरुवार दोपहर बाद करीब 2:30 बजे अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। तेज धुएं और आग की लपटें उठती देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना फायर कंट्रोल रूम को दी। सूचना के बाद सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ सुमित प्रताप सिंह के नेतृत्व में पहुंची दो दमकल गाड़ियों ने आग बुझाने की काफी कोशिश की। लेकिन आग बुझने के बजाय तेज हवा से उसकी लपटें बढ़ते हुए कई खेतों को अपनी चपेट में ले लिया। बाद में पीजीआई और चौक से एक-एक दमकल गाड़ी बुलाई गई। पांच दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब 5 घंटे में आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक तीनों गांव के कई किसानों की करीब 100 बीघा से अधिक खेतों में खड़ी पराली जल गई। वहीं अमावॉ के हीरालाल और गुग्गल के अलावा मवई पड़ियाना के कई किसानों के कुछ खेतों में गेहूं फसल के पडे बोझ और कुछ में खड़ी फसल जल गई। जबकि कुछ किसानों के खेतों में पड़ा भूसा भी जलकर राख हो गया। करीब डेढ़ किलोमीटर के दायरे में लगी आग से आसपास गांवों के लोग भी दहशत में आ गए और फायर टीम के साथ वह भी आग बुझाने के लिए उनकी मदद में जुटे रहे।

लावारिश खड़ी कार में लापता ओला ड्राइवर का मिला शव

- मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की
- 21 अप्रैल को दोपहर बाद इंदिरानगर में मिली थी लोकेशन
- गुरुवार को ही गोमतीनगर विस्तार थाने में लिखाई थी गुमशुदगी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। विभूतिखंड में कई दिनों से लापता ओला ड्राइवर का शव विक्रांत खंड स्थित विजईपुर चौराहा के पास उसी की कार में मिला। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कार चार दिन से सड़क किनारे खड़ी थी। उसके संदिग्ध होने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार का दरवाजा खोला तो उसका का शव मिला। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने तफ्तीश शुरू की, साथ ही फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर सैंपल इकट्ठा किया है। मृतक की पहचान अमेठी के अरुण दुबे के रूप में हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कार्यवाही की जा रही है। मृतक के जीजा संतोष ने बताया, मृतक अरुण के पिता रमाशंकर गृह जनपद अमेठी में रहते हैं। अरुण अपने घर का इकलौता कमाने वाला व्यक्ति था। उनके पीछे पत्नी पूजा, दो बेटियां और एक 6 साल का बेटा है। मृतक का एक भाई भी है जो मंदबुद्धि है। अरुण गाड़ी चलाकर घर चलाते थे। संतोष पाठक ने बताया-अरुण दुबे मेरे साले हैं। 21 अप्रैल से वह घर नहीं लौटे थे। आज (गुरुवार सुबह उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट गोमती नगर विस्तार थाने में दर्ज कराई थी।21 अप्रैल को सुबह 6 बजे वह घर से निकले थे। दोपहर 2 बजे इंदिरानगर लोकेशन थी। उसके बाद से लोकेशन नहीं मिली। आज पुलिस का फोन आया कि ऐसी-ऐसी घटना हो गई है। सूचना पाकर अब हम लोग यहां आए हैं।

एसएचओ विभूतिखण्ड ने दी जानकारी

एसएचओ विभूतिखंड ने बताया- मृतक अरुण कुमार दुबे निवासी अमेठी, गाड़ी चलाने का काम करता था। स्विफ्ट डिजायर जो मृतक के नाम पर रजिस्टर्ड थी। इसी में इनका शव मिला है। फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर सैंपल इकट्ठा किया। उन्होंने बताया कि गुरुवार 24 अप्रैल को दोपहर 3बजे सूचना मिली कि पुष्पलता फार्मेसी के सामने विशेष खंड के सामने सड़क किनारे गाड़ी नम्बर यूपी 32 एसएन 8033 स्विफ्ट डिजायर सफेद रंग कार के अन्दर ड्राइवर सीट पर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। मृतक की पहचान वाहन चालक-अरुण दुबे पुत्र रमाशंकर दुबे निवासी ग्राम भगीरथपुर मुंशीगंज अमेठी उम्र 45वर्ष के रूप में हुयी। पुलिस टीम के साथ फॉरेंसिक टीम मौके पर घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन और तहकीकात करने में लगी हुई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता

- बंथरा इलाके की घटना
- मुकदमा दर्ज, खोजबीन शुरू

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। बंथरा इलाके में 3 दिन पहले घर से दवा लेने निकली किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने बंथरा थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। बंथरा के लतीफनगर निवासी स्व.संजीव कुमार कश्यप की पत्नी विजय लक्ष्मी के मुताबिक उनकी 17वर्षीय बेटी कोमल कश्यप मंगलवार को सुबह करीब 9:30 बजे दवा लेने जाने की बात कह कर घर से निकली थी। लेकिन 11बजे तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद विजय लक्ष्मी ने चौराहे पर पहुंचकर हॉस्पिटल में जानकारी की, लेकिन वहां कुछ पता नहीं चल सका। विजय लक्ष्मी का कहना है कि कोमल के पास मोबाइल भी नहीं है। जिससे कि उससे संपर्क किया जा सके। काफी परेशान होकर विजयलक्ष्मी ने बंथरा थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

धमाके के साथ फटे सिलेंडर 18 झोपड़ियां जलकर राख

- झोपड़ी में रखी मजदूरों की गृहस्थी स्वाहा
- दमकल की पांच गाड़ियों ने आग पर पाया काबू
- सआदतगंज इलाके की घटना

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। गुरुवार दोपहर सआदतगंज के एलडीए कालोनी भवानी गंज स्थित झोपड़ियों में आग लग गई। झोपड़ी में रखे सिलेंडर फटने से आग तेजी से फैल गई। तीन प्लाट में बनी करीब 18 झोपड़ियां जल गई। इन झोपड़ी में करीब दर्जन भर दिहाड़ी मजदूर परिवार के साथ रहते थे। आग के बाद लोग डर के मारे घर छोड़कर भाग गए। वही सिलेंडर फटने से हुए धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए। दमकल की पांच गाड़ियों ने करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि इस आग की चपेट में आने से पास के दो मकान भी आ गए। पुलिस ने कहा है कि आग से कोई जनहानि नही हुई है। पुलिस के मुताबिक, यहां पर राजेश, रानी और चंदिका केप्लाट में छत्तीसगढ़, बिलासपुर के दिहाड़ी मजदूर रहते थे। ज्यादातर झोपड़ी खाली होने से बड़ा हादसा होने से बच गया। आग से झोपड़ी में रखे छोटे-बड़े सिलेंडर फटने से आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि अचानक धमाकों की गूंज से घर की दीवारें हिल गई। बाहर आकर देखा तो झोपड़ी जल रही थीं दमकल की पांच गाड़ियों ने करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया जब तकझोपड़ी में रखी मजदूरों की गृहस्थी जलकर राख हो चुकी थी।

परीक्षा देकर गांव से लौटी 9वीं की छात्रा ने लगाया फंदा, मौत

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। चिनहट इलाके में गुरुवार को गांव से परीक्षा देकर लौटी 9वीं की छात्रा ने आत्महत्या कर लिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सुसाइड नोट न मिलने से आत्महत्या के कारणों की जानकारी नहीं हुई है पुलिस परिजनों के मुताबिक, शगुन ने बाल्टी पर चढ़कर चुन्नी से छत के पंखे के सहारे फांसी लगाई। चिनहट कमता निवासी राकेश सिंह प्राइवेट गाड़ी चलाते हैं। उनकी पत्नी अंशिका विराज टावर स्थित प्राइवेट कंपनी में सुपरवाइजर हैं। उनकी 15 साल की बेटी शगुन सिंह बाल विकास विद्या मंदिर, तरबगंज गोंडा में 9वीं की छात्रा थी। राकेश सिंह ने बताया कि बुधवार को शगुन परीक्षा देकर लखनऊ लौटी थी।गुरुवार को राकेश और अंशिका अपने-अपने काम पर चले गए। दोपहर 2:45 बजे अंशिका लौटी, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा, तो शगुन फंदे से लटक रही थी। उन्होंने मकान मालिक पवन दुबे की मदद से दरवाजा खोलकर उसे नीचे उतारा। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्यवाही को करने में लगी हुई है।

लापता ट्रक मालिक का हाइवे किनारे पड़ा मिला शव

- वाहन की चपेट में आकर मौत होने की आंशका
- जेब में मिले 13 हजार रूपये, मोबाइल फोन गायब
- ग्रामीणों में हत्या की चर्चा, पुलिस ने किया इनकार
- शरीर पर चोटों के निशान देखे गए

ग्रुप 5 संवाददाता

फाइल फोटो

लखनऊ। झारखंड प्रदेश के धनबाद थाना क्षेत्र के गोविंदपुर निवासी रियाज ने बताया वो ट्रक में खलासी है। उसके मालिक एहसान असांरी (55वर्ष) निवासी न्यू आजादनगर ईदगाह मोहल्ला भूली झारखंड अपना ट्रक खुद चलाते है। बीते मगंलवार की दोपहर ट्रक लेकर झारखंड से मोहनलालगंज के यूपीएएल फैक्ट्री में सीमेंट की चादरे लोड करने के लिये मालिक एहसान अंसारी के साथ आया था। बुधवार की सुबह छःबजे के करीब मालिक टहलने की बात कहकर फैक्ट्री से पैदल निकले थे, लेकिन काफी देर तक वापस नही लौटे, जिसके बाद उनके मोबाइल पर करीब 20बार फोन किया लेकिन नही उठा, जिसके बाद ट्रांसपोर्टेर समेत गायब मालिक के परिजनो को फोन कर सूचना दी। गुरूवार की सुबह झारखंड से मोहनलालगंज स्थित फैक्ट्री पहुंचे मालिक के भाई सब्बू अंसारी ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुये तलाशने की गुहार लगायी, पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर लापता ट्रक मालिक की तलाश शुरू की तो फैक्ट्री के बाहर बाउड्री के पास उगी झाड़ियो में लापता एहसान का शव पड़ा मिला। उसके सिर व कमर में चोट के निशान थे। पुलिस ने मृतक ट्रक मालिक के शव को कब्जे में लेकर जामा तलाश ली एक पैंट की जेब से 13हजार रूपये व दूसरी जेब से सौ रूपये बरामद हुये।पुलिस को शव मिलने वाले स्थान से कुछ दूरी पर एक कार के टूटे शीशे समेत पार्ट पड़े मिले है,वही मृतक की टोपी नाले में पड़ी मिली है, हालाकि पुलिस मृतक का मोबाइल फोन बरामद नही कर सकी है। पुलिस ने मृतक ट्रक मालिक के शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिये भेजा। सूचना के बाद एसीपी रजनीश वर्मा व प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। मृतक एहसान के परिवार में पत्नी रूबी खातून व एक बेटा आसिफ व बेटी गुनगुन है। प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह ने बताया फैक्ट्री से सुबह निकलकर हाइवे पर टहलने के दौरान किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रक मालिक की मौत की बात जांच में निकलकर सामने आयी है,मृतक मालिक के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेजा गया है,पोस्टमार्टम रिपोट में मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद कार्यवाही की जायेगी।

30 घंटे हाइवे किनारे झाड़ियों में पड़ा रहा ट्रक मालिक का शव

फैक्ट्री में सीमेंट की चादरे लोड करने के लिये ट्रक लेकर आये मालिक व चालक एहसान बुधवार की सुबह टहलने की बातकहर निकलता है और लापता हो जाता है। लापता होने के 30घंटे बाद गुरूवार की दोपहर एक बजे के करीब पुलिस को लापता मालिक एहसान अंसारी का शव हाइवे किनारे फैक्ट्री की बाउड्री के पास झाड़ियो में पड़ा मिलता है जबकि जहां शव मिला है फैक्ट्री के शोरुम से लेकर मुख्य गेट तक गार्ड से लेकर चहल पहल रहती है। उसके बाद भी किसी ने ध्यान नही दिया ओर पुलिस भी हाइवे पर पेट्रोलिंग करती है उसे भी हाइवे किनारे शव पड़ा होने की भनक नही लगी। ग्रामीणों ने कहा कि झारखंड से मोहनलालगंज के यूपीएएल फैक्ट्री में सीमेंट की चादरे लोड करने आये ट्रक मालिक का लापता होने के 30घंटे बाद फैक्ट्री के बाहर हाइवे किनारे झाड़ियो में पड़ा मिला शव, जो अनहोनी की ओर इशारा करती है।

खलासी ने मालिक के मोबाइल फोन पर 20 बार फोन मिलाया

टहलने की बात कहकर फैक्ट्री से निकले ट्रक मालिक एहसान अंसारी के काफी देर तक वापस ना लौटने पर खलासी रियाज ने मालिक के मोबाइल फोन पर 20बार काल की घंटी गयी लेकिन फोन नही उठा तो उसने ट्रांसपोर्टेर समेत परिजनो को सूचना दी,हालाकि जब उसने डेढ बजे के करीब दोबारा फोन मिलाया तो मालिक का फोन स्वीच ऑफ बताने लगा।

कार-ट्रैक्टर में भीषण टक्कर से दर्शन करने जा रहे पिता-पुत्र की मौत, तीन गंभीर घायल

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। कार-ट्रैक्टर में भीषण टक्कर से दर्शन करने जा रहे पिता-पुत्र की मौत हो गई। जबकि 3 गंभीर घायल हो गए। मामला लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह का है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्यवाही को करने में लगी हुई है। लखनऊ-सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवरी रुखारा गांव की रेलवे क्रॉसिंग के पास एक तेज रफ्तार अर्टिगा कार सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में कार सवार 5 लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई मृतकों में बरेली के पार्क लाइट थाना सुभाष नगर निवासी विकास चंद्र हजेला और उनके बेटे गौरव हजेला शामिल हैं। दुर्घटना में गौरव की पत्नी प्राची और उनका बेटा अयान गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को बीकेटी स्थित रामसागर मिश्र शैय्या संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि कार अयोध्या की तरफ जा रही थी। चालक अर्पित दीक्षित को नींद आने की वजह से कार बेकाबू होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। कार चालक को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है।

पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज, मारपीट

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। सरोजनीनगर के पिपरसंड स्थित रूपखेड़ा निवासी नंदकिशोर ने राजू, गुड्डू और गुड्डू की पत्नी व दो अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। नंदकिशोर का कहना है कि बुधवार रात करीब 9 बजे उसके 68वर्षीय बुजुर्ग पिता दयाशंकर घर के बाहर बैठे थे। तभी पड़ोस में रहने वाले राजू और गुड्डू पुरानी रंजिश को लेकर उनसे गाली-गलौज करने लगे। जब दयाशंकर ने विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। घटना होते देख चचेरा भाई गोलू बचाने गया तो राजू, गुडडू और गुडडू की पत्नी व दो अन्य अज्ञात आरोपियों ने गोलू और दयाशंकर दोनों लोगों की लाठी डंडों से जमकर पिटाई कर दी। जिससे वह चोटिल हो गए। बाद में मोहल्ले के लोग इकट्ठा होते देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।

रेलवे ट्रैक पर लोहे का दरवाजा रखने वाले तीन गिरफ्तार

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में रेलवे ट्रैक पर लोहे का गेट रखने वाले तीन गिरफ्तार। चोरी कर नीले रंग की गेट ले जा रहे थे। इसी बीच अचानक ट्रेन आने की आहट सुनाई देने पर रेलवे ट्रैक पर ही गेट छोड़कर भाग गए थे। पूछताछ में हुआ खुलासा। रेलवे विभाग के सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने ट्रेन पलटाने की साजिश का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर चौधरी खेड़ा रेलवे फाटक के पास रेलवे के ट्रैक पर लोहे का गेट छोड़कर भागने वाले चेतराम रावत उर्फ छोटू पुत्र बजरंग, निवासी चौधरी खेड़ा, सुशांत गोल्फ सिटी, गुलाब चन्द्र यादव उर्फ नक्का पुत्र राम देव, निवासी चौधरी खेड़ा, सुशांत गोल्फ सिटी और लवकुश रावत पुत्र मंशा राम, निवासी चौधरी खेड़ा, सुशांत गोल्फ सिटी को गिरफ्तार किया गया है। पूछतांछ की गयी तो आरोपियों ने बताया कि तुल्सीयानी के पीछे सेक्टर-आई में एक प्लाट में बने बाउण्ड्री वाल में लगे नये गेट को देखा था, उसी रात हम तीनों मिल कर उस गेट को निकाल कर बेचने के फिराक में लेकर जाते समय रेलवे का ट्रैक पार करते समय अचानक ट्रेन आने की आहट मिलने पर पटरी पर ही छोड़ कर भाग गये थे।

बाघ के बाद पकड़ा गया तेंदुआ, वन विभाग के पिंजरे में हुआ कैद

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी व आस-पास के गांवों में आतंक का पर्याय बना तेंदुआ गुरुवार वन विभाग के पिंजड़े में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है लखनऊ के देवा रोड पर पिछले कई दिनों से टेल्को परिसर के पास मूवमेंट कर रहा था इससे स्थानीय लोगों में दहशत थी। वन विभाग की टीम ने पिंजरा लगाया था, जिसमें गुरुवार सुबह तेंदुआ कैद हो गया।डीएफओ ने बताया कि तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। वन्यजीव पूरी तरह स्वस्थ है। तेंदुआ का कतर्नियाघाट वन्य जीव अभयारण्य में प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा। बाघ के बाद तेंदुए का आतंक लोगों को चैन की नींद सोने नहीं दे रहा था लखनऊ के रहमान खेड़ा में करीब 90 दिनों बाद बाघ पिजंडे में कैद हुआ था। बाघ के होने से दर्जनों गांवों में दहशत कायम थी 2 दर्जन के करीब मवेशियों का शिकार किया था। बाघ की चहलक़दमी से किसानों की खेती पर बुरा असर पड़ा था बच्चो ने स्कूल जाना छोड़ दिया था बाग़ पकड़े जाने के बाद ग्रामीणो ने पटाखे जलाकर खुशिया मनाई थी। गुरुवार को इलाके में दहशत फैलाने वाला तेंदुआ पिंजड़े में कैद हो गया वन विभाग की टीम उसकी कई दिनों से निगरानी कर रही थी। वन विभाग की टीम पिछली कई रातों से तलाशी अभियान भी चला रही थी, लेकिन तेंदुए का कुछ पता नहीं चल पा रहा था जंगल में तेंदुआ होने के स्थानीय लोगों के दावे के बाद वन विभाग की टीम ने लखनऊ के देवा रोड टेलको परिसर के पास पिंजरा रखकर उसमें बकरा बांधा था गुरुवार को सुबह जब देखा गया तो तेंदुआ उसमें फंस चुका था।

तीन पिंजरे और पांच फोटो ट्रैप कैमरे लगाए

टीम में शामिल हरी लाल, कमलेश कुमार, अतिजित जोशी, अनीश चंद्र और माली वंशीधर श्रीवास्तव ने मिलकर 3 पिंजरे और 5 कैमरा ट्रैप ईस्टर्न कॉरिडोर के हॉट स्पॉट्स पर लगाए थे। कुछ घंटों की कोशिशों के बाद आखिरकार तेंदुआ सुरक्षित पकड़ा गया। डीएफओ सितांशु पांडेय ने बताया कि स्थानीय लोगों ने तेंदुआ के मूवमेंट की सूचना दी थी। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. रेणु सिंह की निगरानी में टेल्को परिसर के पास पिंजरा लगाया गया था। स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। तेंदुआ का कतर्नियाघाट वन्य जीव अभयारण्य में प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	Pnu-LKO-BSB-Toi-47-24-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	08.05.2025 समय 12:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	08.05.2025 समय 12:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

1216/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता/थर्मिट पोर्शन प्लांट उ.रे. चारबाग, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई.–निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	निविदा सं0	कार्य का नाम
1	10/टी.पी.पी./चारबाग/लखनऊ/2025-26	टी.पी.पी./एन. आर./एल.के.ओ. के अनुमोदित डिजाइन और विनिर्देश के अनुसार, स्टेनलेस स्टील शीट की कटिंग, रोलिंग, वेल्डिंग, बफिंग आदि द्वारा पूर्ण कार्य के रूप में स्टेनलेस स्टील शैल का निर्माण और आपूर्ति।
2	अनुमानित लागत	रू0 15,27,31,575.00 मात्र।
3	धरोहर राशि	रू0 913700.00 मात्र।
4	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह।
5	निविदा डालने की प्रारम्भिक तिथि	02.05.2025
6	निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि तथा समय	निविदा 16.05.2025 को 15:00 बजे तक जमा किए जा सकेंगे एवं निविदा उसी दिन समय 15:30 बजे खोली जायेगी।
7		न्यूनतम पात्रता की शर्तें:
अ	तकनीकी	(ए) निविदाकार ने पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा या प्रर्याप्त रूप से पूरा किया हो, जिस महीने में निविदा आमंत्रित की गयी थी, उससे पहले के महीने के अन्तिम दिन को समाप्त करना होगा। तीन समान कार्य जिनकी लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 30 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। या दो समान कार्य जिनका लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 40 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। या एक समान कार्य की लागत, निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60 प्रतिशत के बराबर राशि से कम नहीं होनी चाहिए।
ब	वित्तीय	निविदाकर्ता का न्यूनतम औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार V/N (वी/एन) या 'V' (वी) जो भी कम हो; जहाँ V (वी) = निविदा की विज्ञापित मूल्य करोड़ रूपये में। N (एन) = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गयी है। औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल संविदात्मक भुगतान के औसत के रूप में की जायेगी, लेखा परीक्षित बैलेन्स शीट के अनुसार। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन–पत्र अभी तक तैयार/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष की लेखा परीक्षित तुलन–पत्र पर विचार किया जाएगा।
8	एक समान कार्य	सिंगल यूज़ क्रूसिबल के लिए शेल का फब्रिकेशन या स्टील कास्टिंग/फैब्रिकेशन का कार्य
9	वेबसाइट का विवरण एवं कार्यालय का नाम जहाँ निविदा का विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in, कार्यालय उप मुख्य अभियन्ता/थर्मिट पोर्शन प्लान्ट उ.रे. चारबाग, लखनऊ

नोट :- 1. कोई भी निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए ठेकेदारों द्वारा भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। 2. समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। 3. मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। 4. निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी। निविदा सू0सं0–01/टी.पी.पी./चारबाग/लखनऊ/2025–26 दिनांक 22.04.2025 1211/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत् हैः– **ई–निविदा सं.: NER-LJN-2025-33; कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडलः– सहायक मंडल इंजी०/उत्तर/गोण्डा के कार्यक्षेत्र में लिमिटेड हाइट सबवे पर 5 एच.पी. के. पम्प से जल निष्कासन का कार्य।; **अनुमानित लागत (₹):** ₹77,67,841/-; **अग्रिम धन (₹):** ₹1,55,400/-; **समापन अवधिः** 12 माह। **1.** उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2025-33** के लिए ई–निविदा दिनांक 16.05.2025 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। **2.** उपरोक्त ई–निविदा से संबंधित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्ल्यू–31 **लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास करे पूरा देश पहलगाम के गुनहगारों को जरूर मिलेगी सजा : योगी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूरे भारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास करना चाहिए और पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादियों को सजा जरूर मिलेगी। पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कानपुर के युवक शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम हमला एक क्रूर और कायराना हरकत है तथा कोई भी सभ्य समाज इसे स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर पूरे भारत को विश्वास करना चाहिए। सरकार की आतंकवाद के प्रति नीति कतई बर्दाश्त नहीं करने की है और वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूद करेगी। आतंकवाद अपनी आखिरी सांस ले रहा है। आदित्यनाथ ने कहा आपने देखा होगा, कल इसके ताबूत पर अंतिम कील ठोंकने की शुरुआत हो चुकी है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक में जो निर्णय लिए गए हैं...। गृहमंत्री ने स्वयं उन क्षेत्रों का दौरा किया और आगे की रणनीति के साथ ही आतंकवाद के उग्रवाद के खात्मे की नई पहल के लिए अब पूरा भारत आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, डबल इंजन की भाजपा सरकार आतंकवादियों पर दायर मुकदमे वापस नहीं लेती और न ही वहां अपना वोट बैंक देखती है। सरकार पूरी सख्ती से आतंकवादियों को कुचलेगी और हर व्यक्ति इसे देखेगा। इसके पूर्व, आदित्यनाथ ने पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कानपुर निवासी शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात की। उन्होंने कहा,मैंने अभी शुभम द्विवेदी के परिवार के सभी सदस्यों से मुलाकात की है। उनके पूज्य पिता से मेरी कल भी बात हुई थी और रात्रि में ही उनका पार्थिव शरीर यहां आया। परिवार दुखी है। शुभम द्विवेदी परिवार के एकमात्र पुत्र थे और दो महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी। मैं दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करता हूं। परिवार के लोगों के प्रति हमारी पूरी संवेदना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवादियों ने मां-बहनों के साथ जिस तरह से बर्बरता करते हुए उनके सामने ही उनके सिंदूर उजाड़ दिए, इसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को भी सजा जरूर मिलेगी। उसमें कोई संदेह किसी को नहीं होना चाहिए। हमारी डबल इंजन की सरकार पूरे परिवारों के साथ खड़ी है। **(भाषा)**

पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए व्यवसाई का हुआ अंतिम संस्कार

कानपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में मारे गए कानपुर निवासी व्यवसायी शुभम द्विवेदी का बृहस्पतिवार सुबह अंतिम संस्कार कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि द्विवेदी का शव बुधवार देर रात कानपुर लाया गया और आज सुबह करीब 8.45 बजे उनका अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले उन्हें सलामी गारद भी दी गई। इस दौरान, कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और राकेश सचान, कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय तथा कई वरिष्ठ पदाधिकारी समेत हजारों लोग मौजूद थे। शुभम के पार्थिव शरीर को एंबुलेंस से ग्रीन कॉरिडोर के जरिए उनके पैतृक गांव हाथीपुर ले जाया गया। मीडियाकर्मियों के सामने शुभम की पत्नी आशन्या ने दुखद घटना का जिक्र किया और कहा कि आतंकवादियों ने पूछा था कि वे हिंदू हैं या मुसलमान और अगर वे मुस्लिम हैं तो कलमा पढ़ें। जैसे ही उन्होंने बताया कि वह हिंदू हैं, उन्होंने शुभम को गोली मार दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज पीड़ित परिवार मुलाकात करने का कार्यक्रम है। इस दौरान वह उनके आवास पर शुभम को श्रद्धांजलि देंगे। द्विवेदी की शादी दो महीने पहले ही 12 फरवरी को हुई थी। एक ट्रेडिंग कंपनी चलाने वाले शुभम 16 अप्रैल को अपनी पत्नी और परिवार के नौ अन्य सदस्यों के साथ एक सप्ताह की छुट्टी पर कश्मीर गए थे।**(भाषा)**

सबसे दुखद तो यह है कि आतंकवादियों ने नाम और धर्म पूछ कर गोली मारी : कलराज मिश्र

नोएडा। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में बीते मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री कलराज मिश्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि सबसे दुखद तो यह है कि आतंकवादियों ने नाम और धर्म पूछ कर पर्यटकों को गोली मारी। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों को गोलियां मारी गई और मजहबी आधार पर गोली मारी गई। मिश्र ने कहा, एक व्यक्ति की पत्नी से कहा गया कि जाकर (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी को बता दो। इसका मतलब है कि निश्चित रूप से इसके पीछे जो ताकतें लगी हैं वो हिंदुस्तान को अस्थिर करना चाहती है। उन्होंने कहा, मैं सीधे कह सकता हूं कि आतंकवादी पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई द्वारा प्रेरित थे। उन्हें इसका उचित जवाब भी मिलना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि जिस तरह से भारत सरकार ने गंभीरता पूर्वक इसे चुनौती के रूप में लिया है, और जिस ढंग से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान आया है, उससे जाहिर होता है कि भारत सरकार इस बात का करारा जवाब देगी। रक्षा मंत्री सिंह ने बुधवार को कहा कि पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को उनके नापाक कृत्यों का कड़ा जवाब दिया जाएगा। मिश्र ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा है कि आतंकवादियों को जड़ से नष्ट कर देंगे और उनके पीछे जो भी उनके आका हैं, उन्हें भी नेस्तनाबूद करेंगे। राजस्थान के पूर्व राज्यपाल ने केंद्र सरकार द्वारा बुधवार रात सिंधु जल संधि को निलंबित करने और अन्य कड़े फैसले लेने का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने नफरत पैदा करने के लिए एक बयान दिया था और यह हमला उसी का परिणाम है। मिश्र गौतम बुद्ध नगर के यमुना एक्सप्रेस वे क्षेत्र में सेक्टर 33 स्थित एक कंपनी के भूमि पूजन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लेने आए थे।**(भाषा)**

दुष्कर्म के आरोपी ने की पुलिस की रायफल छीनकर हमले की कोशिश, जवाबी कार्रवाई में लगी गोली

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के पिपरी क्षेत्र में अनुसूचित जाति की एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के एक आरोपी ने बृहस्पतिवार को पुलिस की रायफल छीनकर हमले की कोशिश की। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में चलाई गई गोली लगने से घायल अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अमित कुमार ने बताया कि एक महिला ने बुधवार की शाम पिपरी थाने में लिखित शिकायत दी थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उसकी 11 वर्षीय नातिन बुधवार को लापता हो गई थी और खोजने पर एक घर में से उसके रोने की आवाज आई। शिकायत के मुताबिक, जब दरवाजा खुलवाया गया तो मंजर खान नामक आरोपी दरवाज़ा खोलकर भागा। कुमार ने बताया कि शिकायत में महिला ने कहा है कि वह जब घर के अंदर पहुंची तो उसकी नातिन निर्वस्त्र हालत में पड़ी रो रही थी। शिकायत के अनुसार, पीड़िता ने अपने परिजनों को बताया कि मंजर खान ने उससे दुष्कर्म किया है। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पुलिस ने इस सिलसिले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस बच्ची के कपड़े बरामद करने के लिए खान को उसकी बताई हुई जगह खाड़पाथर के जंगल में लेकर गई थी। कुमार ने बताया कि कपड़े बरामद होने के बाद लौटते समय खान ने एक कांस्टेबल की रायफल छीन कर पुलिस पर गोली चलाने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्वाई में खान के पैर में गोली लग गई। उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए म्योरपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। **(भाषा)**

आग लगने से किसानों की तेईस बीघा गेहूं की फसल जल कर खाक

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। तहसील सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के दो गांव मे अज्ञात कारणों से गेहू के खेतों में लगी आग की जद में आने से करीब 23 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय किसानों की मदद से आग पर काबू पाया। गुरुवार की दोपहर सिरौलीगुंग और गिदरापुर गांव में अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते सिरौलीगुंग में इकबाल सिंह, अंश सिंह, गुलाब सिंह, जंग बहादुर सिंह, त्रिलोकी सिंह, हंसराज सिंह, शिव शंकर सिंह, बच्ची देवी और अमर सिंह आदि की करीब 20 बीघा फसल जलकर खाक हो गई। इसी प्रकार से गिदरापुर में दो किसानों की तीन बीघा गेहू की फसल राख के ढेर में तब्दील हो गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय किसानों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उपजिलाधिकारी सिरौलीगौसपुर प्रीति सिंह के निर्देश पर लेखपाल अमरेश शुक्ला के नेतृत्व में राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित किसानों के नुकसान का आकलन करके रिपोर्ट प्रेषित किए जाने की बात कही।

फांसी के फंदे से झूलता मिला युवक का शव

रामनगर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियो मे मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचित किये बगैर ही मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक कस्बा रामनगर के मोहल्ला कादिराबाद के केसरीपुर निवासी 34 वर्षीय प्रमोद राठौर पुत्र सुंदर का शव बृहस्पतिवार की सुबह मकान में संदिग्ध परिस्थितियो मे फाँसी के फंदे से झूलता पाया गया जिससे हड़कंप मच गया। आसपास लोगों की जानकारी के बाद भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने पुलिस को बिना सूचना दिये आनन-फानन में मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। गांव में चर्चा है कि जमीनी विवाद को लेकर घर पर दोनों भाईयों के मध्य आये दिन लड़ाई झगड़ा होता था। जिससे परेशान होकर प्रमोद ने आत्महत्या की है। इस संबंध में कोतवाल अनिल कुमार पांडेय का कहना था कि अभी तक ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है।

संक्षिप्त समाचार

दबंगों ने घर में घुसकर माँ-बेटी और बेटे को मारपीट कर किया लहूलुहान

रामनगर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। थाना रामनगर से करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर अर्ध रात्रि को आधा दर्जन से अधिक लोगों ने घर मे घुसकर माँ बेटी और बेटे को मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। शोरगुल सुनकर आसपास के लोगों को आता देख हमलावर भाग निकले। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया जहाँ पर गंभीर रूप से घायल महिला का इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर पाँच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घायल महिला सुमन के पुत्र ओमकार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते मंगलवार की देर रात विनोद देवानंद शिवानंद अपने परिवार वालो के साथ प्रार्थी के घर मे घुसकर तोड़फोड़ करने लगे मना करने पर मुझे मारने पीटने लगे उसी बीच बचाव करने आई मां सुनीता और भाई निरंकार व बहन अनुष्का बचाने के लिए दौड़ी तो उक्त लोगो ने उन पर भी लाठी डंडा ईट गुम्मा धारदार हथियार से हमला कर दिया।जिसमें सभी लोग घायल हो गए। प्रार्थी की मां वैष्णो बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े जिन्हें आता देख सभी लोग भाग निकले। पीड़ित का यह भी कहना था कि पहले भी कई बार मारपीट दबंगों ने की है मगर हल्के की पुलिस ने हमारी सुनवाई नहीं की। इस सम्बंध में थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया दोषियों के खिलाफ अभियुक्त पंजीकृत किया गया है उचित कार्रवाई की जा रही है।

थाने में युवक की बर्बरतापूर्ण तरीके से पिटाई : प्रभारी निरीक्षक लाइन हाजिर

जौनपुर। जिले के मुंगराबादशाहपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक को थाने में एक युवक की बर्बरतापूर्ण तरीके से बेल्ट से पीटने के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्र का एक युवक को बेल्ट से बुरी तरह पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद यह कार्वाई की गई है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें मुंगराबादशाहपुर थाने का प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्र किसी युवक को खम्बे से सटाकर बेल्ट से पीटता हुआ दिखाई दे रहा है। इस वीडियो को गम्भीरता से लेते हुए मिश्र को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी प्रभारी निरीक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। आरोप है कि पीड़ित युवक ने किसी काम को करवाने के लिए थाना प्रभारी को धन दिया था। काम न होने पर जब उसने वह रकम वापस मांगी तो प्रभारी निरीक्षक ने कथित रूप से उसे बेरहमी से पीटा। **(भाषा)**

रामलला के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर के पास ही मिलेगी पार्किंग की सुविधा

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अयोध्या में एक पार्किंग के निर्माण का निर्णय लिया है। पार्किंग निर्माण की योजना पर काम शुरु हो गया है। यह पार्किंग मांझा जमथरा के समीप 35 एकड़ क्षेत्र में बनाई जाएगी। निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग की सीडी-2 इकाई करेगी। पार्किंग स्थल पर एक साथ 475 वाहन खड़े हो सकेंगे। इस सुविधा से न केवल श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी, बल्कि अयोध्या में यातायात प्रबंधन भी सुगम बनाया जा सकेगा। परियोजना में पांच मंजिला इमारत का निर्माण शामिल है, जिसमें दो डॉरमेट्री और 13 दुकानें भी होंगी। एक बयान के मुताबिक श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है और हर दिन लाखों लोग मंदिर दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जिसके कारण पार्किंग व यातायात व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बन गई है। पार्किंग के निर्माण से न केवल मंदिर के आसपास की अव्यवस्था कम होगी, बल्कि श्रद्धालुओं को अपने वाहन सुरक्षित व व्यवस्थित रूप से पार्क करने की सुविधा मिलेगी।**(भाषा)**

पुजारी के बेटे की गोली मारकर हत्या

बलरामपुर। जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में एक मंदिर के पुजारी के बेटे की गोली मार कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी की कोशिश शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि नगर के खलवा मोहल्ले के निवासी 25 वर्षीय शत्रोहन द्विवेदी को बुधवार की रात कुछ लोग घर से मोटरसाइकिल पर बिठाकर लेकर गए थे और बृहस्पतिवार को उसका शव नगर के सुनसान इलाके दीपवा बाग बांध के पास पड़ा मिला।उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह शव पड़े होने की सूचना मिलने के बाद वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया, शव पर गोली मारे जाने के निशान पाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। उन्होड्डने बताया कि परिजन की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों को गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीम बनाई गई हैं। **(भाषा)**

खाना खाकर टहलने निकले युवक को अज्ञात वाहन ने कुचला,मौत

मसौली बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ग्राम उधौली चौराहे पर रात्रि में खाना खाकर टहलने निकले 25 वर्षीय युवक को एक अज्ञात वाहन ने बुरी तरह से कुचल दिया जिसकी मौक़े पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार बुधवार की रात्रि करीब 11 बजे सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम उधौली निवासी 25 वर्षीय हर्ष गुप्ता पुत्र कमलेश गुप्ता उर्फ़ मुन्ना खाना खाने के बाद लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर टहल रहे थे। तभी लखनऊ से अयोध्या की ओर जा रहे अज्ञात वाहन ने बुरी तरह से कुचल दिया जिसकी मौक़े पर ही मौत हो गयी।दुर्घटना की सूचना मिलते ही घर परिवार में कोहराम मच गया।पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विद्युत संविदा कर्मचारियों ने वेतन न मिलने के विरोध में किया प्रदर्शन

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। सिरौलीगौसपुर विद्युत उपकेंद्र पर गुरुवार को संविदा कर्मचारियों ने वेतन न मिलने के विरोध मे प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश बिजली मजदूर संगठन संविदा के बैनर तले कर्मचारियों ने दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक कार्य बहिष्कार किया। पिछ्ले करीब दो महीने से संविदा कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों ने बताया कि उच्च अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इस विरोध प्रदर्शन में दीपक, अंकित, रोहित, हरिराम, जगन्नाथ, पप्पू, लालजी, लवलेश, सुनील,धीरेंद्र सिंह, अमरेश और पिंटू समेत कई कर्मचारी शामिल रहे। कर्मचारियों ने सांकेतिक धरना देकर अपनी मांगों को प्रशासन तक पहुंचाया। उनकी मुख्य मांग बकाया वेतन का भुगतान है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

एएमयू के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर चिकित्सकों की हड़ताल, चिकित्सा सेवाएं प्रभावित

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा मंगलवार रात से शुरू की गई हड़ताल के कारण चिकित्सा सेवाएं व्यापक रूप से प्रभावित हुई हैं। हड़ताल का आह्वान मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अंदर दो छात्र गुटों के बीच झड़प और गोलीबारी की घटना के बाद किया गया था। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों पर काम का बोझ बढ़ने की वजह से पिछ्ले दो दिन से बड़ी संख्या में मरीजों को बिना इलाज के लौटना पड़ रहा है। जूनियर डॉक्टरों के हड़ताल पर चले जाने के बाद आपातकालीन सेवाएं बंद कर दी गई हैं।अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अमजद रिजवी ने बृहस्पतिवार को बताया, हम गंभीर मरीजों के इलाज के लिए सीमित तरीके से ओपीडी सेवाएं दे रहे हैं। हालांकि हम आपातकालीन सेवाओं के लिए ट्रॉमा सेंटर के संचालन की स्थिति में नहीं हैं। हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों के साथ हो रही बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, बातचीत जारी है लेकिन हम हड़ताल खत्म होने की संभावनाओं के बारे में पक्के तौर पर अभी कुछ नहीं कह सकते। उल्लेखनीय है कि मंगलवार की शाम एएमयू एथलेटिक्स ग्राउंड में वार्षिक हॉर्स शो के दौरान बैठने की जगह को लेकर उठे विवाद के बाद छात्रों के दो समूहों में झड़प हो गई। इस झड़प में मोहम्मद आदी नामक एक छात्र घायल हो गया। बाद में जब घायल छात्र का जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के आपातकालीन केंद्र में उपचार किया जा रहा था, तभी छात्रों का दूसरा गुट वहां पहुंच गया और अस्पताल के अंदर फिर से झड़प हो गई, इस दौरान कथित तौर पर गोलियां चलाई गई। पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं को बताया, डॉक्टर कानून व्यवस्था की स्थिति और खराब सुरक्षा व्यवस्था के कारण असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसी घटनाएं अब बहुत आम हो गई हैं और इस बार हम दीर्घकालिक समाधान चाहते हैं। उन्होंने कहा, अब हम प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मचारियों और आधुनिक सुरक्षा बुनियादी ढांचे की तत्काल व्यवस्था चाहते हैं। **(भाषा)**

जिलाधिकारी ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक किया

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। नवागत जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त चिकित्सकों, सदस्यों से परिचय प्राप्त करते हुये उनके कार्य एवं दायित्वों से अवगत हुये। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत बनने वाले आयुष्मान कार्ड की समीक्षा के दौरान कार्यकम के नोडल अधिकारी को निर्देशित किया कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत आने वाले समस्त पात्र परिवारों, लाभार्थियों को योजना से शीघ्र आच्छादित किया जाए। उन्होंने प्रतिरक्षण अधिकारी को समस्त बच्चों को समय पर टीकाकरण से आच्छादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए की कोई भी बच्चा टीकाकरण से ड्रॉप आउट ना रहे। जनपद के तीन आकांक्षी ब्लाकों टाण्डा, भीटी एवं भियांव में समस्त स्वास्थ्य इण्डिकेटर को बेहतर बनाने का निर्देश दिया। जनपद में क्षयरोग नियन्त्रण कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने आशा बहुओं को होने वाले भुगतान की समीक्षा की गई और किसी भी तरह से कोई भी वांछित अवशेष न होने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में समस्त अधीक्षक सामुदायिक, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि किसी भी आशा का भुगतान अवशेष नहीं है। एफआरयू की समीक्षा में एफआरयू केन्द्रों पर सी सेक्शन बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त चिकित्सालय में मरीज को बेहतर से बेहतर चिकित्सीय सुविधा सुगमता से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए । साथ ही साथ यह भी निर्देशित किया गया कि चिकित्सक मरीजों तथा उनके परिवारजन के प्रति अच्छा व्यवहार करें।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लाने का कार्य पूरी निष्ठा से संपादित होगा : जिलाधिकारी

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। नवागत जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला द्वारा अपर जिलाधिकारी डॉ. सदानंद गुप्ता की उपस्थित में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित पत्रकार बंधुओं के साथ प्रेस वार्ता किया। उन्होंने पत्रकारों से एक एक करके परिचय प्राप्त करते हुए जनपद की समस्याओं से अवगत हुए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा अनुसार शासन की प्रथम प्राथमिकता वाली योजनाओं को आम जनमानस तक शत प्रतिशत पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोक कल्याण ,जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लाने का कार्य पूरी निष्ठा के साथ संपादित किया जाएगा।शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास रहेगा। जनता की समस्याओं का त्वरित समयबद्ध गुणवत्तापरक निस्तारण विकास परियोजनाओं का समयपूर्ण ढंग से आगे बढ़ाना, विभिन्न न्यायालयों में लंबित राजस्व वादों का समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता पर है। 2047 तक एक विकसित भारत बनाना है। उसमें जनपद अंबेडकर नगर का भी योगदान रहेगा। उन्होंने कहा कि जनपद की इकोनॉमी को ग्रो कराना है। जनपद को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी बनाने का संकल्प लिया गया है। इसके लिए जनपद की इकोनॉमी को ग्रो करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनपद वासियों की स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग भी बढ़े और प्रति व्यक्ति आय भी लोगों की बढ़े इस पर प्रयास रहेगा।

अज्ञात कारणों से घर में लगी आग, सारी गृहस्थी जलकर खाक

ग्रुप 5 संवाददाता

जैदपुर बाराबंकी। थाना क्षेत्र के गढ़ी राख़मऊ गाँव में रामसजीवन रावत के घर में अज्ञात कारणों के चलते अचानक आग लग गई देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और घर मे रखा गैस सिलेंडर फट गया। जिससे आग और बेकाबू हो गई। उठ रही ऊँची ऊँची लपटे पड़ोस के घर को अपनी आगोश में ले लिया औऱ घर मे रखी सारी गृहस्थी जलकर खाक हो गई।ग्रामीणो ने इसकी सूचना जैदपुर पुलिस और दमकल विभाग को दिया। वही ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं आग बुझाने के दौरान चार लोग झुलस गए। स्थानीय लोगो ने आनन-फानन में एम्बुलेंस के जरिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैदपुर भेजा जहा घायलों का इलाज जारी है। वहीं तहसीलदार, क़ानूनगो, लेखपाल भी मौके पर पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

बदरी-केदार धाम के लिए मई के ऑनलाइन पंजीकरण स्लॉट फुल, अब आगे के लिए है ये विकल्प

देहरादून, एजेंसी। चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की संख्या को 10 प्रतिशत बढ़ाया गया है। केदारनाथ के लिए 6.82 लाख, बदरीनाथ के लिए 6.01 लाख, गंगोत्री के लिए 3.55 लाख, यमुनोत्री के लिए 3.24 लाख, हेमकुंड साहिब के 34633 तीर्थयात्री पंजीकरण कर चुके हैं। चारधाम यात्रा में केदारनाथ व बदरीनाथ धाम के लिए मई माह में ऑनलाइन पंजीकरण के स्लॉट फुल हो गए हैं। जबकि गंगोत्री व यमुनोत्री धाम की यात्रा के लिए पंजीकरण उपलब्ध हैं। इस बार ऑनलाइन से आधार आधारित 60 प्रतिशत पंजीकरण किए जा रहे हैं। लेकिन स्लॉट उपलब्ध न होने से प्रदेश सरकार ने ऑनलाइन पंजीकरण में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। जिन तीर्थयात्रियों को मई में ऑनलाइन पंजीकरण उपलब्ध नहीं हो रहे हैं, उनके पास ऑफलाइन पंजीकरण का विकल्प है। इसके लिए 28 अप्रैल को सुबह सात बजे से पंजीकरण काउंटर खुलेंगे। चारधाम यात्रा के लिए अब तक पंजीकरण का आंकड़ा 20 लाख पार कर हो गया है। इसमें केदारनाथ के लिए 6.82 लाख, बदरीनाथ के लिए 6.01 लाख, गंगोत्री के लिए 3.55 लाख, यमुनोत्री के लिए 3.24 लाख, हेमकुंड साहिब के 34633 तीर्थयात्री पंजीकरण कर चुके हैं। केदारनाथ व बदरीनाथ धाम की यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों में सबसे ज्यादा उत्साह है। केदारनाथ धाम के कपाट दो मई और बदरीनाथ धाम के कपाट चार मई को खुल रहे हैं। दोनों धामों की मई माह में यात्रा करने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण स्लॉट फुल हो चुके हैं। हालांकि प्रदेश सरकार ने देश दुनिया से आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

डेंगू का मास्टर प्लान तैयार, एक मई से होगा मच्छर पर वार

देहरादून, एजेंसी। जिले में डेंगू से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। एक मई से प्लान को जमीन पर उतारने की तैयारी की जा रही है। इसमें आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की टीम, डेंगू वॉलंटियर और मॉनिटरिंग टीम को शामिल किया गया है। इसमें कुल 850 स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। टीम देहरादून शहर के 100 और ऋषिकेश के 40 वार्डों में पहुंचकर लार्वा नष्ट करेगी। घरों में लार्वा और गंदगी मिलने पर सेनेटरी विभाग की टीम चालानी कार्रवाई भी करेगी। एक अप्रैल से अब तक जिले भर में डेंगू के 29 मामले सामने आ चुके हैं। आने वाले दिनों में डेंगू के आउटब्रेक को रोकने के लिए विभाग ने एक मास्टर प्लान भी तैयार किया है। इसके तहत 10 अलग-अलग कैडरों के कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जानकारी के मुताबिक दून के शहरी क्षेत्रों के 100 वार्डों और ऋषिकेश के 40 वार्डों से संबंधित क्षेत्र की आशाएं हर राज 50 घरों का सर्वे करेंगी। इन आशाओं की निगरानी के लिए आंगनबाड़ी, और आरबीएसके की टीम को लगाया जाएगा। इसमें एक डॉक्टर और एक नर्स भी शामिल रहेगी। जानकारी के अनुसार आपदा प्रबंधन, खाद्य, जिला परियोजना, शिक्षा, आयुर्वेद और होम्योपैथी विभाग से जुड़े अधिकारी भी क्षेत्रों का औचक दौरा करेंगे। इस दौरान वे डेंगू नियंत्रण टीम और क्षेत्र के लोगों से एक-दूसरे के संबंध में फीडबैक लेंगे। इस दौरान जो भी खामियां सामने आएंगी, उनके निस्तारण के लिए संबंधित लोगों को आदेश दिए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग घर-घर जाकर लार्वा की जांच करेगी। इस दौरान लार्वा मिलने पर लोगों पर चालानी कार्रवाई भी की जाएगी। इसके लिए भी टीम को निर्देश दिए गए हैं। टीम की ओर से इसकी जानकारी शहरी स्वास्थ्य अधिकारी को भी देनी होगी।

आईएएस, आईपीएस और आउटसोर्स कर्मी भी लगाएंगे बायोमीट्रिक हाजिरी

देहरादून, एजेंसी। सचिवालय में बायोमीट्रिक हाजिरी का आदेश मई 2017 में जारी हुआ था। शुरू में तो इसका अनुपालन हुआ लेकिन धीरे-धीरे इसे लेकर ढीला रवैया बढ़ता चला गया। उत्तराखंड सचिवालय में सेवाएं देने वाले आईएएस, आईपीएस से लेकर आउटसोर्स के कर्मचारी भी एक मई से बायोमीट्रिक हाजिरी लगाएंगे। दरअसल, सचिवालय में बायोमीट्रिक हाजिरी का आदेश मई 2017 में जारी हुआ था। शुरू में तो इसका अनुपालन हुआ लेकिन धीरे-धीरे इसे लेकर ढीला रवैया बढ़ता चला गया। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि एक मई से सचिवालय में सभी सेवाओं के अधिकारी, कर्मचारियों के लिए बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य होगी।

देहरादून में बहुत आसान है सेना जैसी ड्रेस खरीदना, बिना रिकॉर्ड के बिक रही वर्दी और साजो सामान!

देहरादून, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है. 26 बेगुनाह पर्यटकों को इस हिंसा का शिकार बनाया गया, जिससे पूरा देश आक्रोशित है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहलगाम में आतंकी सुरक्षाबलों की यूनिफॉर्म में आए थे. जिसे देख पर्यटक उन्हें पहचान नहीं पाए. इस हमले के बाद कुछ सवाल उठ रहे हैं. दरअसल, कई दफा आतंकी पुलिस या आर्मी जवानों की यूनिफॉर्म का सहारा लेकर ऐसे घृणित कार्य को अंजाम देते रहे हैं. कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जहां आतंकियों ने आर्मी ड्रेस की आड़ में अपने मंजूबों को अंजाम देने की कोशिश की.

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिरकार इन लोगों के पास सेना की वर्दी या हूबहू वैसी दिखने वाली ड्रेस कहां से आती है इस तरह के कपड़े या अन्य सामान कहां मिलते हैं क्या बाजार में मिल जाते हैं क्या इतना आसान है बाजार में सेना जैसे कपड़े मिलना इस तरह के कई सवाल हैं,

सैनिक बाहुल्य क्षेत्र है उत्तराखंड- राजधानी में भारतीय सैन्य अकादमी की वजह से देहरादून का एक बड़ा इलाका सैन्य बाहुल्य है. हालांकि, पूरे उत्तराखंड प्रदेश को ही सैन्य प्रदेश कहा जाता है. क्योंकि, यहां हर गांव, कस्बे से कोई न कोई जवान देश की रक्षा के लिए बॉर्डर पर खड़ा मिलता है. उत्तराखंड देश को दो-दो रेजीमेंट देता है, जिसमें गढ़वाल रायफल्स और कुमाऊं रेजीमेंट शामिल हैं. इसके अलावा तमाम सुरक्षा बल में भी सेवाएं देते हैं. यही वजह है कि यहां के युवाओं में सेना में जाने का जुनून रहता है. सेना की वर्दी देखते ही उनमें देश की सेवा करने का जुनून भर जाता है.

दून के डाकरा बाजार में मिलता है हर सामान- देहरादून का डाकरा बाजार में सेना से जुड़ा लगभग हर सामान मिल जाता है. जिन्हें देख युवा मोटिवेट होते हैं. यह बाजार खुखरी के लिए फेमस है. इसके अलावा कुछ दुकानों में सेना जैसे जूते, नेम प्लेट, टोपी से लेकर पेंट-शर्ट के साथ वो हर चीज जो एक सेना के जवान या एक अधिकारी जैसी होती है, वो आसानी से मिल जाती है. सामान आसानी से हो जाता है उपलब्ध- हालांकि, जम्मू कश्मीर की बात करें तो वहां पर अगर कोई भी दुकान से सेना से जुड़ा हुआ कपड़ा या सामान खरीदना है तो खरीददार को अपनी आईडी दिखानी होती है. लेकिन देश के कई राज्यों में ऐसा नहीं है और देहरादून भी उन्हीं में से एक है. यहां पर सेना जैसे जूते, शर्ट, टोपी, नेम प्लेट, डंडा, बेल्ट, पिट्ठू बैग को खुलेआम खरीदा जा सकता है. यहां पर हर सामान उपलब्ध है. जिसे उचित मूल्य पर खरीदा जा सकता है. नहीं होता है कोई रिकॉर्ड- क्या कोई भी व्यक्ति यहां से सामान खरीद सकता है इस सवाल पर दुकानदारों का कहना था कि हां, कोई भी किसी तरह का सामान यहां से ले सकता है. हालांकि, दुकानदार ये भी कह रहे हैं कि उनके सभी परिचित ग्राहक हैं, जो हमेशा से उनसे सामान लेते रहे हैं, लेकिन इस तरह का कोई रिकॉर्ड उनके पास नहीं है. बता दें कि देहरादून के पलटन बाजार, डाकरा बाजार, भानियावाला, मोती बाजार जैसे स्थानों पर सेना और पुलिस जैसी ड्रेस आसानी से बेची जा सकती है.

राहुल गांधी से घबराई भाजपा कर रही कांग्रेस नेताओं का उत्पीड़न, नेशनल हेराल्ड मामले में उदित राज

देहरादून, एजेंसी।
नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने गांधी परिवार पर आरोप पत्र दायर किया है. जिसके बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार कर लिया है. इसी कड़ी में पूर्व सांसद और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता उदित राज 22 अप्रैल को देहरादून पहुंचे और केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है.

कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता उदित राज ने नेशनल हेराल्ड कथित धन शोधन मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के ऊपर लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताया. उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में आज ईडी जांच कर रही है. लेकिन उस केस को 2015 में बंद कर दिया गया था. जबकि साल 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने कोर्ट में याचिका दायर की थी जिसे 2020 में कोर्ट ने खारिज कर दिया था. मगर अब फिर से ईडी इस केस की जांच कर रही है.

उदित राज का कहना है कि केंद्र की भाजपा सरकार, कांग्रेस के नेताओं का उत्पीड़न करने में लगी हुई है. उन्होंने आरोप लगाया कि दरअसल भाजपा के लिए राहुल गांधी सबसे बड़ी चुनौती बन गए हैं. यही कारण है कि उन्हें इस मामले में परेशान किया जा रहा है. कभी ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले नेशनल हेराल्ड को अब आरएसएस भाजपा बंद कर रही है.

उन्होंने बताया कि नेशनल हेराल्ड की छह प्रॉपर्टी है. जिसमें से पांच प्रॉपर्टी लीज पर है. लोन भी कर्मचारियों के वेतन और रिटायरमेंट पर्पस के लिए लिया गया था. इस मामले में आनन फानन में चार्जशीट फाइल कर दी गई. दरअसल राहुल गांधी से घबराकर इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं. कांग्रेस पार्टी अब इनके झूठ को आगे नहीं चलने देगी.

दून अस्पताल में अल्ट्रासाउंड का इंतजार खत्म, अब मरीजों को मिलेगी सुविधा

देहरादून, एजेंसी।
दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय में मरीजों को अब अल्ट्रासाउंड के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अस्पताल में जल्द एक और अल्ट्रासाउंड मशीन स्थापित होने जा रही है। जिसका संचालन एक मई से शुरू कर दिया जाएगा। वर्तमान में सामान्य अल्ट्रासाउंड के लिए मरीजों को ओपीडी में दो से तीन दिन का इंतजार करना पड़ रहा है। एक और अल्ट्रासाउंड मशीन स्थापित हो जाने से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

बता दें कि राजकीय मेडिकल कालेजों में रेडियोलाजिस्ट की भारी कमी है। ऐसे में रेडियो डायग्नोस्टिक सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए निदेशालय स्तर से एक निजी कंपनी से करार किया गया है। दून मेडिकल कालेज अस्पताल में अनुबंधित कंपनी ओपीडी में अल्ट्रासाउंड, ईसीजी व ईईजी जांच कर रही है।

हाल ही में कंपनी ने कलर डाप्लर जांच भी शुरू की है। लेकिन मशीन एक ही होने के कारण सामान्य अल्ट्रासाउंड पर इसका असर पड़ रहा है। इस वजह से सामान्य अल्ट्रासाउंड कम हो रहे हैं और वेटिंग बढ़ने लगी है। चिकित्सा अधीक्षक डा. आरएस बिष्ट ने बताया कि कंपनी ने पीसी-पीएनडीटी एक्ट के तहत आवेदन किया था। यह अनुमति प्राप्त हो गई है। एक मई से नई मशीन का भी संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

दून मेडिकल कालेज अस्पताल में बुजुर्गों की ओपीडी दोबारा शुरू की गई है। लेकिन ओपीडी शुरू होने के साथ ही डॉक्टरों ने भी लापरवाही शुरू कर दी है। मंगलवार को हड्डी रोग विभाग के चिकित्सक को यहां बैठना था, लेकिन कोई डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं आया। इससे मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी।

इससे पूर्व भी चिकित्सकों की लापरवाही की वजह से ओपीडी बंद हो गई थी और कमरे पर ताला लगा दिया गया था। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरएस बिष्ट ने बताया कि यदि कोई चिकित्सक बुजुर्गों की ओपीडी में नहीं जा रहा है तो विभागाध्यक्ष से इस संबंध में पूछा जाएगा। दरअसल, अस्पताल में मरीजों की अत्याधिक भीड़ रहती है। जिस वजह से यहां इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को दिक्कत झेलनी पड़ती है। बुजुर्गों की यह दिक्कत दूर करने के लिए अस्पताल में जेरिएट्रिक ओपीडी की शुरुआत की गई है।

बदलने वाली है देहरादून के कुठाल गेट की सूरत, संस्कृति से सराबोर नजर आएगा मार्ग

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में सड़क हादसों का रिकॉर्ड लगातार बढ़ रहा है. आंकड़ों पर गौर करें तो सबसे ज्यादा दर्दनाक हादसे मसूरी से आते हुए कुठाल गेट के पास हो रहे हैं. मसूरी की तरफ से तेज गति से आने वाली गाड़ियां न केवल खुद दुर्घटनाग्रस्त होती है. बल्कि कई लोगों की जान भी ले चुकी हैं. ऐसे में अब कुठाल गेट का स्वरूप बदला जा रहा है. इसमें बदलाव सड़क हादसों को देखकर भी किया जा रहा है. संभावना है कि मॉनसून के बाद मसूरी जाने वाले पर्यटकों को मसूरी का मार्ग बेहद बदला बदला नजर आएगा.

देहरादून से मसूरी के बीच सड़क पर कई बार जाम की स्थिति पैदा हो जाती है. इसके साथ ही सड़क हादसे भी आए दिन देखने के लिए मिलते हैं. इन सभी बातों का अध्ययन करने के बाद जिला प्रशासन ने अब मसूरी रोड का स्वरूप बदलने की कवायद शुरू की है.

आने वाले दिनों में हरिद्वार-देहरादून के बीच में स्थित कुठाल गेट का नजारा बेहद बदला-बदला नजर आएगा. चौक चौराहों से लेकर आसपास की दीवारें कलाकृतियों से सराबोर नजर आएंगी.

जिलाधिकारी सविन बंसल ने अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा है कि आने वाले मॉनसून के तुरंत बाद समय सीमा के अंदर इस जगह की पूरी रूपरेखा बदल जानी चाहिए.

देहरादून जिलाधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार, प्रोजेक्ट कुठाल गेट के तहत कुठाल गेट पर नई स्लीप रोड, पर्वतीय संस्कृति प्रदर्शन पर पूरा फोकस रखा जा रहा है. कुठाल गेट पर नवीन साइड मोटरेबल स्लिप रोड निकाल दी है. साथ ही कुठाल गेट को परंपरागत शैली के साथ विकसित कर भव्य बनाया जा रहा है.

जिलाधिकारी ने बताया कि मसूरी जाने वाले पर्यटकों को भी एक अलग अनुभूति होगी. इसके साथ ही कुठाल गेट सौंदर्यीकरण, साइड रोड का कार्य युद्धस्तर पर काम जारी. इस प्रोजेक्ट के पूरे होने से जाम से भी निजात मिलेगी. साथ ही दुर्घटना में भी कमी आएगी. जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों को पूर्ण करने की डेडलाइन दी है. निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं.

सुगम क्षेत्र के सात डायट को दुर्गम श्रेणी में किया शामिल, उठे रहे हैं अब कई सवाल

देहरादून, एजेंसी।
शिक्षा विभाग में वर्ष 2018 में डायट हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, पौड़ी गढ़वाल, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, चंपावत, अल्मोड़ा सहित सभी डायटों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद व राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान देहरादून को सुगम श्रेणी में शामिल किया गया था, लेकिन इनमें से सात डायट डीडीहाट (पिथौरागढ़), बड़कोट (उत्तरकाशी), गौचर (चमोली), चड़ीगांव (पौड़ी), रतूड़ा (रुद्रप्रयाग) और बागेश्वर को दुर्गम श्रेणी में शामिल कर दिया गया है।

शिक्षा विभाग के कारनामे भी अजीबोगरीब हैं। प्रदेश के सुगम क्षेत्र के सात जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) को इस साल से दुर्गम श्रेणी में शामिल कर दिया गया है। वह भी 2022 में किए गए कोटिकरण के आधार पर। जिससे सवाल यह खड़ा हो रहा है कि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएं घट गईं या फिर कुछ चहेतों को लाभ देने के लिए यह सब किया गया है।

तबादला एक्ट के तहत प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं जैसे सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा, रेल एवं हवाई जहाज की सुविधाओं के आधार पर क्षेत्र को सुगम या दुर्गम के रूप में चिन्हित किया जाता है। शिक्षा विभाग में वर्ष 2018 में डायट हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, पौड़ी गढ़वाल, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, चंपावत, अल्मोड़ा सहित सभी डायटों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद व राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान देहरादून को सुगम श्रेणी में शामिल किया गया था, लेकिन इनमें से सात डायट डीडीहाट (पिथौरागढ़), बड़कोट (उत्तरकाशी), गौचर (चमोली), चड़ीगांव (पौड़ी), रतूड़ा (रुद्रप्रयाग) और बागेश्वर को दुर्गम श्रेणी में शामिल कर दिया गया है।

वे भी 29 अप्रैल 2022 में इन डायटों के किए गए कोटिकरण को शिक्षा महानिदेशालय के 13 जून 2024 के एक आदेश से इस साल से दुर्गम श्रेणी में शामिल किया गया है। इन डायटों का चिन्हिकरण भी विभाग की ओर से किया गया है। जबकि इसका निर्धारण डीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी को करना था।

प्रदेश में जिन सात डायट को इस साल से सुगम से दुर्गम श्रेणी में शामिल किया गया। विभागीय सूत्रों के मुताबिक उनमें कार्यरत कुछ शिक्षकों की पूरी सेवा दुर्गम में जोड़ दी गई है, जिससे यह शिक्षक पहाड़ नहीं चढ़ेंगे।

निजी स्कूल के फेल छात्रों को 12वीं में प्रोन्नति का आदेश, बाल आयोग का सख्त रुख

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने सभी अनुत्तीर्ण छात्रों को तत्काल प्रोन्नत किए जाने के निर्देश दिए। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने मंगलवार को एक निजी विद्यालय में बड़ी संख्या में कक्षा 11 के छात्रों को अनुत्तीर्ण करने की शिकायत पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग अध्यक्ष डॉ.गीता खन्ना ने विद्यालय को निर्देश दिया है कि सभी अनुत्तीर्ण छात्रों को तत्काल प्रभाव से कक्षा 12 में प्रोन्नत किया जाए।

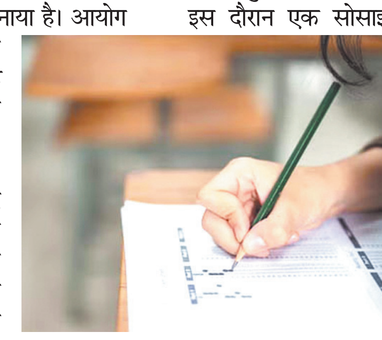

आयोग ने पूरे प्रकरण पर गंभीर चिंता जताई। यह भी निर्देश दिया कि छात्रों की वास्तविक शैक्षणिक योग्यता और मानसिक स्थिति का आकलन करने के लिए आयोग की निगरानी में योग्यता परीक्षण आयोजित किया जाएगा। इसमें यदि कोई छात्र उपयुक्त नहीं पाया जाता है, तो उस पर विचार के बाद निर्णय लिया जाएगा।

आयोग के सामने अभिभावकों ने शिकायत दर्ज करवाई है कि विद्यालय ने छात्रों के गिरते शैक्षणिक स्तर के कारणों पर ध्यान नहीं दिया। न ही उन्हें मानसिक, भावनात्मक या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए पेशेवर परामर्शदाता उपलब्ध कराए गए। यह भी आरोप लगाया कि विद्यालय के शिक्षक निजी ट्यूशन दे रहे हैं, जिसकी जानकारी स्कूल प्रशासन को पहले से है। इस कारण एक शिक्षक को पूर्व में बर्खास्त भी किया जा चुका है।

इस दौरान एक सोसाइटी से संबंधित मामला भी आयोग के संज्ञान में आया है, जिसमें संस्था की ओर से निशुल्क शिक्षा प्रदान किए जाने के बावजूद परिवार के व्यवहार को देखते हुए संस्था ने छात्रवृत्ति बंद करने की बात कही है। आयोग इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोनों पक्षों के तथ्य जानकर उचित निर्णय लेगा। इसके अतिरिक्त विकासनगर क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ कथित मारपीट के मामले में भी आयोग ने पुलिस विभाग से आख्या तलब की है।

आग, करंट, केमिकल सबके आगे ढाल बनेंगे फायर फाइटर के जूते और हेलमेट, मंगाई गई 150 ड्रेस

देहरादून, एजेंसी।
मुंबई फायर सर्विस के बाद उत्तराखंड पुलिस ने विशेष जूते और हेलमेट खरीदे हैं। अग्निशमन कर्मचारियों के लिए प्रथम चरण में 150 ड्रेस मंगाए गई। एक ही तरह के जूते और हेलमेट हर तरह के माहौल में कर्मचारियों का बचाव करेंगे।

आग हो या करंट या फिर केमिकल रिसाव की कोई घटना। अब फायर फाइटर (अग्निशमन कर्मी) सब जगह खुद को सुरक्षित रखकर इन पर काबू पा सकेंगे। फायर फाइटर के लिए विशेष जूते और हेलमेट मंगाए गए हैं। ये हेलमेट और जूते खरीदने वाली मुंबई फायर सर्विस के बाद उत्तराखंड फायर सर्विस दूसरी सेवा है।

इसके साथ ही कुछ 150 फायर सूट भी अग्निशमन दल के लिए खरीदे गए हैं। इन्हें प्रथम चरण में सभी जनपदों में वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही इनकी संख्या बढ़ाने को जल्द ही अगली खेप की खरीद भी की जाएगी। दरअसल, अभी तक फायर सर्विस के पास सामान्य हेलमेट होता है जो सिर्फ आग से कुछ हद तक बचाव कर सकता है। इसके साथ ही फायर फाइटर गम बूट (जूते) पहनकर आग बुझाने के लिए जाते हैं। जबकि, जहां बिजली के करंट की घटनाएं होती हैं वहां के लिए अलग जूते पहनने होते हैं।

इसके साथ ही केमिकल की घटनाओं में जाने के लिए भी फायर फाइटर को अलग तरह के जूते पहनने पड़ते हैं। लेकिन, अब इन तीनों तरह के माहौल के लिए एक विशेष प्रकार के जूते ही काफी होंगे। जहां तक हेलमेट की बात है तो हेलमेट अभी तक पुरुष कर्मचारियों के ही खरीदे जाते थे। ये हेलमेट महिलाओं को फिट नहीं आते थे। लेकिन, ये हेलमेट महिला और पुरुष दोनों ही पहन सकते हैं। ये हेलमेट भी हर तरह की घटनाओं से फायर फाइटर का बचाव करेंगे।

अभी तक फायर ब्रिगेड में पुरुष कर्मचारी ही होते थे। लेकिन, दो साल पहले उत्तराखंड फायर सर्विस में महिलाओं को भी भर्ती किया गया था। ये महिलाएं सभी जगह सेवाएं देती हैं। जान की परवाह किए गए बगैर महिलाकर्मी भी कुशलता के साथ अग्निकांड पर काबू पाने के लिए मौके पर जाती हैं। लेकिन, इनके लिए फायर सूट ऐसे नहीं थे जो कि महिलाओं को फिट आ सकें। मगर अब जो नए फायर सूट शामिल किए गए हैं वह महिलाओं को ध्यान में रखकर मंगाए गए हैं। इन्हें पहनकर आसानी से महिला कर्मी काम कर सकेंगी।

फायर सर्विस के लिए विशेष जूते और हेलमेट मंगाए गए हैं। जो हर तरह की घटनाओं में फायर फाइटर का बचाव करेंगे। जल्द ही और भी ड्रेस और जूते व हेलमेट मंगाए जा रहे हैं। फायर सर्विस को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हाल ही में 20 नए फायर टेंडर भी खरीदे गए हैं जिन्हें जिलों के लिए भेज दिया गया है।

शब्द कलश

सम्पादकीय

पलटवार का मौका

सैयद अहमर हसनैन

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना।

दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोककर भारत लौटे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने भी घाटी पहुंचकर तत्काल जमीनी स्थितियों का आकलन होने तक पूरी सरकारी मशीनरी की ताकत झोंक दी है। तात्कालिक प्रतिक्रिया के तौर पर इस संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र को कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अधिकारियों को घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता को चुना है।

फैसला लेने का वक्त

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

ललित गर्ग

पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है? पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा...

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी।

पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है? पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे। पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन

पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया। पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए।

पहलगाम हमला: शांति पर गहराता संकट

आतंकवादी हमला

डॉ. विवेक मिश्र

पहलगाम, जो अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव और घाटी के पर्यटन का प्रतीक है पर यह हमला केवल भौतिक नहीं था, यह एक मनोवैज्ञानिक और प्रतीकात्मक हमला था। हमलावरों ने जानबूझकर उस स्थल को निशाना बनाया जहाँ बहार लौट रही थी और जो कश्मीर की बदलती तस्वीर का प्रतिनिधि बन रहा था। जैसे-जैसे आतंक के तौर-तरीकों में बदलाव आया है, वैसे-वैसे इसके संचालकों के चेहरे भी नए होते जा रहे हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों द्वारा पहचाना गया सैफुल्लाह खालिद ऐसा ही एक नाम है- जो अब कश्मीर में छद्म युद्ध की नई रणनीति का प्रतीक बन गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बैठा यह आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा की नई रणनीतिक शाखा 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' का संचालन करता है। टीआरएफ को एक स्थानीय आंदोलन की शक्ल देने की कोशिश इसीलिए की गई है ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान खुद को अलग दिखा सके और आतंक को कश्मीर के भीतरी असंतोष का जामा पहनाया जा सके। सैफुल्लाह खालिद की कार्यशैली आधुनिक तकनीक पर आधारित हैएन्क्रिप्टेड मोबाइल ऐप्स, गुप्त मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और स्थानीय युवाओं का कट्टरपंथीकरण कर उन्हें स्लीपर सेल के रूप में तैयार करना, इसकी रणनीति का हिस्सा है...

बीते 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले ने न केवल 27 से अधिक निर्दोष जिंदगियों को लील लिया, बल्कि कश्मीर में लौट रही सामान्य स्थिति और बढ़ते पर्यटन को एक गहरा झटका दिया है। इस भयावह घटना की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है, जिसे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का नया मुखौटा माना जाता है। आतंकी हमले से जुड़े जो तथ्य सामने आए हैं, वे इस त्रासदी की भयावहता को और गहराते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो हमलावरों ने चयनित रूप से हिन्दू नागरिकों को निशाना बनाया। चश्मदीदों का कहना है कि आतंकियों ने कुछ लोगों से कलमा पढ़ने के लिए कहा और जिन्होंने ऐसा नहीं किया या पहचान के आधार पर हिन्दू निकले, उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की गई। इस घटना ने न केवल क्षेत्र की शांति पर हमला किया, बल्कि धार्मिक आधार पर हिंसा फैलाने के नापाक इरादों को भी उजागर कर दिया है। यह नृशंसता न केवल एक आतंकी कृत्य है, बल्कि भारत की धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक सौहार्द पर सीधा प्रहार भी है।

आतंकवाद अब केवल सुरक्षा के लिए खतरा ही नहीं है, बल्कि एक वैचारिक और सांस्कृतिक चुनौती भी बन चुका है, जिसका जवाब केवल सैन्य बल से नहीं, बल्कि सामाजिक एकजुटता से दिया जा सकता है, जिसमें कश्मीरी आवाम को बढ़ चढ़कर इस कृत्य के खिलाफ आवाज़ उठानी होगी, क्योंकि ये शांति और सद्भाव उनके लिए ही तो है, जिससे वो अमन चैन से जीवन यापन कर सकें। सरकारी एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि इस हमले के पीछे टीआरएफ और लश्कर जैसे संगठनों की वही पुरानी रणनीति है स्थानीय असंतोष के नाम पर भारत में साम्प्रदायिक वैमनस्य को हवा देना। पहलगाम, जो अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव और घाटी के पर्यटन का प्रतीक है पर यह हमला केवल भौतिक नहीं था, यह एक मनोवैज्ञानिक और प्रतीकात्मक हमला था। हमलावरों ने जानबूझकर उस स्थल को निशाना बनाया जहाँ बहार लौट रही थी और जो कश्मीर की बदलती तस्वीर का प्रतिनिधि बन रहा था। जैसे-जैसे आतंक के तौर-तरीकों में बदलाव आया है, वैसे-वैसे इसके संचालकों के चेहरे भी नए होते जा रहे हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों द्वारा पहचाना गया सैफुल्लाह खालिद ऐसा ही एक नाम है- जो अब कश्मीर में छद्म युद्ध की नई रणनीति का प्रतीक बन गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बैठा यह आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा की नई रणनीतिक शाखा 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' का संचालन करता है। टीआरएफ को एक स्थानीय आंदोलन की शक्ल देने की कोशिश इसीलिए की गई है ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान खुद को अलग दिखा सके और आतंक को कश्मीर के भीतरी असंतोष का जामा पहनाया जा सके। सैफुल्लाह खालिद की कार्यशैली आधुनिक तकनीक पर आधारित हैएन्क्रिप्टेड मोबाइल ऐप्स, गुप्त मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और स्थानीय युवाओं का कट्टरपंथीकरण कर उन्हें

स्लीपर सेल के रूप में तैयार करना, इसकी रणनीति का हिस्सा है। वह एक ऐसा चेहरा है जो खुद सामने नहीं आता, लेकिन दर्जनों जानें उसकी योजनाओं की भेंट चढ़ चुकी हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि टीआरएफ के माध्यम से आतंकवाद अब पारंपरिक युद्ध नहीं बल्कि भ्रम और भय की राजनीति में बदल गया है और खालिद इस रणनीति का मास्टरमाइंड है जिसे पाकिस्तान में संरक्षण प्राप्त है। यह हमला केवल सुरक्षा बलों और नागरिकों पर नहीं, बल्कि कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर भी आघात है। पर्यटन घाटी का जीवनदायिनी अंग है, यह न केवल हजारों लोगों को रोज़गार देता है बल्कि शांति की सबसे बड़ी उम्मीद भी है। अब जब घाटी में पर्यटन फिर से गति पकड़ रहा था, तब इस हमले ने भय और असुरक्षा का ऐसा माहौल पैदा कर दिया है जिससे अगले कुछ महीनों की आर्थिक गतिविधियाँ बुरी तरह प्रभावित होंगी। भारत सरकार ने हमले की तीव्र निंदा की है और आतंकियों तथा उनके सीमा पार आकाओं को सबक सिखाने की बात कही है। सेना और अर्धसैनिक बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई शुरू की है, लेकिन यह हमला सरकार की मुख्यधारा में लाने की नीति की भी अग्निपरीक्षा है। राष्ट्रीय दलों से लेकर कश्मीर के क्षेत्रीय नेताओं तक, सभी को चाहिए कि वे इस संवेदनशील समय में एकजुट होकर आतंक के खिलाफ साझा मोर्चा बनाएं। उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती जैसे नेताओं द्वारा राजनीतिक संवाद और विश्वास-निर्माण की बात करना स्वागतयोग्य है, परंतु यह सतत और ठोस प्रयासों में तब्दील होना चाहिए। भारत को अब और मुखरता से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुद्दा उठाना चाहिए। लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों को संरक्षण देने वालों को बेनकाब करना अब कूटनीतिक प्राथमिकता होनी चाहिए। केवल बयानबाज़ी से बात नहीं बनेगी, प्रत्यक्ष प्रमाण और निरंतर राजनयिक दबाव ही कारगर सिद्ध हो सकते हैं। पहलगाम का हमला हमें फिर याद दिलाता है कि आतंकवाद अब भी जीवित है, और उसका चेहरा भले बदल गया हो, मंशा वही है- विभाजन, विध्वंस और भय। लेकिन भारत को चाहिए कि वह एकजुट होकर इस चुनौती का सामना करे, न केवल बंदूक से, बल्कि विश्वास, विकास और विवेक से! यह समय केवल शोक का नहीं है,बल्कि संकल्प लेने का समय है कि हम कश्मीर को फिर से एक ऐसा स्थान बनाएँगे जहाँ शांति, पर्यटन और साझी सांस्कृतिक विरासत आतंक की राख से ऊपर उठें।

पहलगाम हमला

फिर खून से लाल हुई घाटी

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

कश्मीर में पहलगाम जिले के बैसरन घसियाले मैदान में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हमला किया है। यह हमला ही नहीं, बल्कि दानवी नरसंहार है, जिसमें 27 निहत्थे, निर्दोष, मासूम पर्यटकों को, मात्र 20 मिनट में ही, लाश बना दिया गया। 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। पाबैसरन घाटी पहलगाम से करीब 7 किमी दूर है। एक बेहद खूबसूरत घास का मैदान, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहते हैं, लेकिन आतंकियों ने उसे भी खून से लथपथ कर बदनाम कर दिया। असल में ये आतंकी नहीं, मुस्लिम आतंकी हमला था, क्योंकि इन्होंने धर्म पूछ कर गैर-मुस्लिमों की चुन-चुनकर हत्या की। जो मुस्लिम नहीं था, उन्हें ये गोली मारते गए। इन इस्लामी आतंकियों ने पैंट खोलकर खतना चेक किए। जिन लोगों का खतना नहीं हुआ था, उन्हें गोली मार दी। आतंकियों ने पर्यटकों से कलमा पढ़ने को कहा। जो कलमा नहीं सुना पाए, उन्हें गोली मार दी। हिंदुओं के इस कत्लेआम को लेकर लोगों में काफी गुस्सा हैं। बताया गया है कि 4-5 आतंकी थे। उन्होंने 50-70 राउंड गोलीबारी की और 27 सैलानियों को मौत की नींद सुला दिया। अधिकतर पुरुष पर्यटकों को ही निशाना बनाया गया।

कर्नाटक की एक महिला ने पति की मौत के बाद जब कहा कि उसे भी मार दें, तो आतंकियों ने जवाब दिया-'नहीं, तुम्हें नहीं मारेंगे। तुम जाओ, जाकर मोदी को बता दो।' इस जवाब से ही आतंकियों की सोच और मंशा समझी जा सकती है। इतना सब होने के बाद भी कुछ लोगों को लगता है कि ये इस्लामी आतंक नहीं है। आतंकी हमले के तुरंत बाद से देश भर में कथित सेकुलर- लिबरल गैंग एक्टिव हो गया है। देश के कुछ पेड पक्षकार भी ये साबित करने में लग गए हैं कि ये इस्लामी अटैक नहीं था। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के यूनिट द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इंटेलिजेंस का दावा है कि टीआरएफ आतंकी सैफुल्लाह खालिद पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड है। वह सैफुल्लाह कसूरी के नाम से भी जाना जाता है। सैफुल्लाह लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ है। उसे लश्कर के संस्थापक आतंकी हाफिज सईद का बेहद करीबी माना जाता है। सैफुल्लाह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके के रावलकोट का रहने वाला है। वहीं से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को ऑपरेट कर रहा था। उसने मार्च में एक भाषण दिया था, जिसका वीडियो सामने आया है। इसमें वह सख्त लहजे में पाकिस्तान सरकार से कश्मीर मुद्दा शांत न पड़ने देने की बात कह रहा है। सैफुल्लाह का ये भाषण मार्च 2025 का बताया जा रहा है। हालांकि, इसकी तारीख और लोकेशन का पता नहीं है। पाकिस्तान को महसूस हो गया था कि पर्यटकों की बढ़ती संख्या, जो इस साल के अंत तक तीन करोड़ को पार कर सकती थी, उसकी दुष्प्रचार नीति और कश्मीर को लेकर रचाई गई झूठी कहानी को नकार रही है। पाकिस्तान के लिए यह दोहरी पराजय थी– एक तो यह कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के निर्णय को कश्मीरी लोग धीरे-धीरे स्वीकार कर रहे थे, जबकि पाकिस्तान ने यह सपना संजो रखा था कि वे इस फैसले के खिलाफ विद्रोह करेंगे। पाकिस्तान को इस बात से भी गहरी चोट पहुंची कि चीन और तुर्की को छोड़कर कोई भी देश उसके पक्ष में नहीं आया, यहां तक कि इस्लामी देशों ने भी भारत के निर्णय का समर्थन किया। दूसरे, पाकिस्तान को कश्मीर घाटी में हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास और देश के साथ बढ़ती एकजुटता से परेशानी थी। बहरहाल कश्मीर में फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के बाद यह नरसंहार सबसे बड़ा और वीभत्स है। पुलवामा में 40 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को आतंकियों ने 'शहीद' कर दिया था। पहलगाम में धर्म के आधार पर चिह्नित कर पर्यटकों पर पहली बार आतंकी हमला किया गया है। इस नरसंहार ने मार्च, 2000 के चित्तीसिंहपुरा आतंकी हमले की याद ताजा करा दी, जिसमें 35 ग्रामीण सिखों को उनके घरों से निकाल कर मार दिया गया था। तब अमरीका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन कश्मीर के प्रवास पर ही थे। इस बार अमरीका के उपराष्ट्रपति वेंस भारत के प्रवास पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी सऊदी अरब गए हुए थे। बहरहाल उन्हें तुरंत लौटना पड़ा। लौटने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह को फोन पर निर्देश दिए कि तुरंत श्रीनगर जाएं और हालात तथा सुरक्षा का जायजा लें। घटना के बाद सरकार और सुरक्षा-तंत्र तुरंत सक्रिय हो गए हैं।

आज का राशिफल

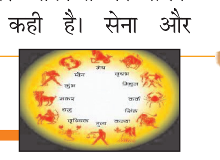

मेष:उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ: चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें।

मिथुन: विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

सिंह: योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी।

कन्या: कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है।

तुला:बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

वृश्चिक : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है, लाभ लें। घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु:स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

मकर: रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कुंभ : किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी।

मीन:मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा।

आज का पंचांग

25 अप्रैल को वैशाख कृष्ण पक्ष की उदया तिथि द्वादशी और शुक्रवार का दिन है। द्वादशी तिथि शुक्रवार दोपहर पहले 11 बजकर 45 मिनट तक रहेगी, उसके बाद त्रयोदशी तिथि लग जाएगी। 25 अप्रैल को दोपहर 12 बाद बजकर 31 मिनट तक इंद्र योग रहेगा। साथ ही शुक्रवार सुबह 8 बजकर 54 मिनट तक पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रहेगा, उसके बाद उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र लग जाएगा। इसके अलावा 25 अप्रैल को शुक्र प्रदोष व्रत किया जाएगा।

25 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

वैशाख कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि- 25 अप्रैल 2025 को दोपहर पहले 11 बजकर 45 मिनट तक रहेगी, उसके बाद त्रयोदशी तिथि लग जाएगी

इंद्र योग- 25 अप्रैल को दोपहर 12 बाद बजकर 31 मिनट तक

पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र- 25 अप्रैल को सुबह 8 बजकर 54 मिनट तक पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रहेगा, उसके बाद उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र लग जाएगा

25 अप्रैल 2025 व्रत-त्यौहार- शुक्र प्रदोष व्रत

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 5:45 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:52 बजे

अनमोल विचार

- सूर्योदय का नजारा उसी को नसीब होता है जो समय से जगता है ।
- अवसर हर किसी की के जीवन में आते है बस आप के ऊपर है आप उसको पाते हो या खो देते हो।
- इरादे मज़बूत होने चाहिए कोई भी कार्य आप पूर्ण कर सकते है ।
- ग़लत तो बहुत से लोगों के साथ होता है पर ये आप के ऊपर है आप उसे सही कैसे करते है
- बिना माँगे तो पानी भी कोई नहीं पिलाता तो आप कैसे मान लेते हो की कोई आपकी सारी परेशानीय दूर कर देगा ।
- रोष में लिए हुए फ़ैसले अक्सर आपके कार्य बिगाड़ देते है ।

जिज्ञासा

आस्था की दिशा

स्वामी रामकृष्ण परमहंस अपने एक शिष्य की आस्था की परीक्षा लेना चाहते थे। एक दिन उन्होंने शिष्य से पूछा, 'अच्छा बताओ, तुम्हारा विश्वास साकार पर है या निराकार पर ' शिष्य ने थोड़ी देर सोचने के बाद उत्तर दिया, 'महाराज, मुझे निराकार अधिक प्रिय है।' यह सुनकर स्वामी रामकृष्ण परमहंस प्रसन्न हो गए। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, 'बहुत अच्छा। किसी एक पर विश्वास दृढ़ हो, तो साधना सफल होती है। यदि तुम्हारा झुकाव निराकार की ओर है, तो उसी पर श्रद्धा रखो। परन्तु यह कभी मत कहना कि केवल निराकार ही सत्य है और साकार असत्य। यह समझो कि साकार भी सत्य है और निराकार भी। दोनों ही ईश्वर के स्वरूप हैं। तुम्हें जिस रूप में सहज अनुभूति हो, उसी का आश्रय लो।' गुरु के इन वचनों से शिष्य का मन शांत हो गया और वह निश्चिंत होकर अपनी साधना में और भी लगन से जुट गया।

शौर्य हमारी विरासत, व्यापार हमारा भविष्य - राजपूत बिजनेस कॉन्फ्रेंस में दिखाई दी नए युग की झलक

भोपाल । मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार 20 अप्रैल को हुए इस आयोजन ने समाज में व्यापारिक चेतना और आत्मनिर्भरता को लेकर एक नई दिशा दी । राजपूत बिजनेस फोरम द्वारा आयोजित राजपूत बिजनेस कॉन्फ्रेंस पं. खुशीलाल आयुर्वेदिक संस्थान के ऑडिटोरियम में आयोजित की गई । यह पहला ऐसा अवसर था जब राजपूत समाज के प्रतिष्ठित उद्यमी, शिक्षाविद और प्रोफेशनल्स एक मंच पर एकत्रित हुए और युवा पीढ़ी को व्यापार की ओर प्रेरित किया ।इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस के संयोजक ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि हमारा उद्देश्य केवल एक आयोजन करना नहीं था, बल्कि समाज में व्यवसायिक जागरूकता पैदा कर, युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है । उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि हम अपने ऐतिहासिक शौर्य के साथ–साथ व्यापारिक भविष्य को भी मजबूती से आकार दें ।मुख्य अतिथि ठाकुर अनूप सिंह ने कहा, अब तलवारों का नहीं, अपने व्यापार को तराशने का समय है । उन्होंने युवाओं को प्रोफेशनलिज़्म, टेक्नोलॉजी और टीमवर्क को अपनाने की सलाह दी ।

विरासत स्थलों का सुरक्षात्मक संरक्षण- प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

भोपाल । कल सहेजी गई विरासत आज हमारी पूंजी के रूप में मौजूद है । यदि इसका संरक्षण नहीं किया गया, तो यह धरोहरें भविष्य में केवल हमारी स्मृतियों में जीवित ना रह जाए, बल्कि भावी पीढ़ी के लिए मूल रूप से संजो के राखी जाए, इसका प्रयास हम करते रहेंगे । इसी उद्देश्य के साथ संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, मध्यप्रदेश द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विरासत स्थलों का सुरक्षात्मक संरक्षण का आयोजन कराया जा रहा है । यह कार्यक्रम 23 एवं 24 अप्रैल को राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया गया है , जो प्रात : 10 :30 बजे से सायं 5 :30 बजे तक चलेगा । इसमें मुख्यालय के अधिकारीयों सहित उपसंचालक कार्यालयों के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों एवं म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम एवं इंटेक से भी प्रतिभागियों सहित विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया । प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग श्री शिव शेखर शुक्ला ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए कहा कि यदि हम अपनी विरासत का संरक्षण नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ इसे भुला सकती हैं ।

नेटफ्लिक्स की ‘द रॉयल्स’ का ट्रेलर जारी

मुंबई, एजेंसी । एक ढहते हुए राजघराने और एक तेज़, आत्मनिर्भर सीईओ के बीच शुरू हुआ एक बिजनेस डील जो जल्द ही एक रोमांस, कॉमेडी और बहुत सारे ड्रामा के रोलरकोस्टर में बदल जाता है ! नेटफ्लिक्स की ‘ द रॉयल्स ’ का ट्रेलर आ चुका है — जिसमें पहली झलक मिलती है भव्य लेकिन ढलते शहर मोरपुर की..जहाँ एक प्यारा सा राजकुमार और एक जिद्दी सीईओ मजबूरन साथ आते हैं.. और शायद एक–दूसरे से प्यार भी कर बैठते हैं । इस सीरीज़ में ईशान खट्टर निभा रहे हैं अविराज सिंह का किरदार — एक ना चाहते हुए भी बनाया गया हुआ, पोलो खेलने वाला नए ज़माने का राजकुमार, और भूमि पेडनेकर बनी हैं आम कुमारी सोफिया कनमनी शेखर — एक तेज़तर्रार सीईओ जिसके सपने किसी महल से भी बड़े हैं । जब ये दोनों मिलकर मोरपुर की मुश्किल में फंसी हवेली और उसके अजीबो–गरीब निवासियों को एक लग्ज़री बी × बी होटल में बदलने की कोशिश करते हैं, तो उनके इगो और एम्बिशन्स की टक्कर होती हैं और बनती हैं एक तूफानी कहानी — जिसमें है फ्लर्ट, फैमिली ड्रामे और हाई स्टेक्स क्रेज़ीपन ।हालाँकि ट्रेलर लॉन्च पर मौजूद नहीं रह पाईं, लेकिन ज़ीनत अमान ने अपने दशकों लंबे शानदार करियर पर बात करते हुए कहा, मैं आज भी नए रोल्स और अवसरों को अपनाने को लेकर उतनी ही पैशनेट हूँ जितनी पहले थी । द रॉयल्स का अनुभव रिफ्रेशिंग और क्रिएटिविटी से भरपूर था ।

ऑप्टिमस ने रक्षा क्षेत्र के लिए अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी पेश की

उत्पाद पोर्टफोलियो में 4 नए ड्रोन लांच किए

ऑप्टिमस अनमैन्ड सिस्टम्स ने मिलिपोल इंडिया एक्जिबिशन 2025 में अधिक ऊंचाई पर और लंबे समय तक सहनशक्ति के साथ परिचालन के लिए जीएनएनएस-डिनायड एवं ईडब्लू वातावरण में परिचालन के लिए डिजाइन उन्नत ड्रोन्स पेश किए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की रक्षा क्षमता बढ़ाने और मेक इन इंडिया विजन में सहयोग करने के प्रयास के तहत भारत के अग्रणी दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण समूह ऑप्टिमस इंफ्राकॉम लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी ऑप्टिमस अनमैन्ड सिस्टम्स (ओयूएस) ने चार उन्नत ड्रोन लांच करने की आज घोषणा की। ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित निगरानी क्षमता के साथ ये ड्रोन- मारक वीटी100, वज्र क्यूसी55, कैनिस्टर लांच्ड लॉइटरिंग म्यूनिशन और फर्स्ट पर्सन व्यू (एफपीवी) रक्षा, निगरानी और टोह लेने के व्यापक क्षेत्र के लिए समाधान प्रस्तुत कर मानवरहित एरियल टेक्नोलॉजी में नवीनतम हैं। इन ड्रोन्स को यशोभूमि द्वारका कनवेंशन सेंटर में मिलिपोल इंडिया एक्जिबिशन 2025 में प्रदर्शित किया जा रहा है। अधिक ऊंचाई पर सक्षम यह वीटीओएल (वर्टिकल टेक-ऑफ व लैंडिंग) ड्रोन एक एडवांस 30एक्स ईओआईआर (इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल एंड इंफ्रारेड इमेजिंग) कैमरा से युक्त है जिससे हाई रिजोल्यूशन के साथ दिन और रात दोनों में ही निगरानी संभव है। इसकी वीटीओएल क्षमता बिना दौड़े भागे सीमित क्षेत्र में परिचालन सुगम बनाती है। यह ड्रोन तीन घंटे की सहनशक्ति के साथ 20 किलोमीटर की रेंज की पेशकश करता है। उपकरण के साथ इसकी रेंज 50 किलोमीटर तक बढ़ाई जा सकती है।

उन्नत हवाई निगरानी के लिए डिजाइन यह मल्टीरोटर ड्रोन,दिन और रात के दौरान हाई रिजोल्यूशन दृश्यों को कैद करने के लिए ईओआईआर कैमरा से युक्त है।

सेंट्रम ने ब्रांड एंबेसडर अनुष्का शर्मा के साथ सेंट्रम रिचार्ज एनर्जी ड्रिंक मिक्स लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। मल्टीविटामिन सपोर्ट के लिए विश्वसनीय ब्रांड, सेंट्रम ने आज एनर्जी ड्रिंक मिक्स श्रेणी में सेंट्रम रिचार्ज लॉन्च करके अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया। यह एक इनोवेटिव प्रोडक्ट है, जो लोगों को अपनी दैनिक गतिविधियों के लिए आवश्यक विटामिन और मिनरल्स प्रदान करता है, ताकि उनके शरीर में एनर्जी, इम्युनिटी और हाइड्रेशन बने रहें।

लोग समझते हैं कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी होती है, पर उसके साथ-साथ हमारे शरीर में रोजमर्रा की गतिविधियों का कारण विटामिन और मिनरल्स भी कम हो जाते हैं, जिससे हमें थकान महसूस होती है। इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने के लिए कई उत्पाद उपलब्ध हैं, पर विटामिन और मिनरल्स की कमी को दूर करना भी उतना ही जरूरी होता है। यह कमी विटामिन बी, विटामिन सी, मैग्नीशियम और जिंक जैसे विटामिन और मिनरल्स से दूर होती है। इसलिए सेंट्रम रिचार्ज में 13 आवश्यक विटामिन और मिनरल्स हैं, जैसे विटामिन बी, विटामिन सी, मैग्नीशियम और जिंक, जो शरीर में एनर्जी, इम्युनिटी और हाइड्रेशन बनाकर रखते हैं। सेंट्रम रिचार्ज में बाजार में मौजूदा मुख्य मल्टीविटामिन एनर्जी ड्रिंक बेवरेज एडिटिव्स एवं मिक्स की तुलना में 2 गुना अधिक विटामिन और मिनरल्स हैं तथा इसमें कोई भी एडेड शुगर नहीं है। इसलिए यह ग्राहकों के लिए पूरी तरह से पौष्टिक है।

एनएसडीसी ने गिग इकोनोमी में अवसरों को बढ़ावा देने के लिए रैपिडो के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली एजेंसी। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और देश के अग्रणी बाईक टैक्सी एग्रीगेटर्स में से एक रैपिडो ने गिग वर्कर्स के कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य गिग इकोनोमी में प्रशिक्षित कार्यबल को शामिल कर कौशल एवं रोज़गार क्षमता के बीच का अंतर दूर करना तथा इन्हें पार्ट-टाईम और फुल-टाईम नौकरियों के अवसर प्रदान करना है। इस साझेदारी के तहत कौशल और प्रशिक्षण में एनएसडीसी की विशेषज्ञता एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा रैपिडो बाईक टैक्सी का फ्लीट एवं नेटवर्क एक साथ मिलकर उम्मीदवारों को रोज़गार के अवसर प्रदान करेंगे। ये उम्मीदवार वाहनों, कौशल विकास

प्रोग्रामों का एक्सेस पाकर कमाई के स्थिर साधनों से लाभान्वित हो सकेंगे। गिग इकोनोमी को सशक्त बनाने के लिए, जहां एक और एनएसडीसी उम्मीदवारों को पहचान कर उनके मोबिलाइज़ेशन में योगदान देगा, वहीं रैपिडो ड्राइवर पार्टनर्स (कैप्टन्स) के लिए दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों को सुलभ बनाकर सपोर्ट सिस्टम स्थापित करेगा। इस साझेदारी पर विचार व्यक्त करते हुए वेद मणि तिवारी, सीईओ-एनएसडीसी तथा मैनेजिंग डायरेक्टर-एनएसडीसी इंटरनेशनल ने कहा, ‘‘एनएसडीसी में हम भारत के कार्यबल को उद्योग जगत के अनुकूल कौशल के साथ सशक्त बनाकर उन्हें कमाई के अवसर उपलब्ध कराना चाहते हैं। यह साझेदारी उम्मीदवारों को तकनीकी, व्यवहारिक एवं सुरक्षा कौशल के साथ सशक्त बनाकर गिग इकोनोमी के सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण योगदान देगी। हमारा उद्देश्य समावेशी विकास एवं रोज़गार क्षमता को बढ़ावा देकर यह सुनिश्चित करना है कि हर व्यक्ति को ज़रूरी कौशल मिले और वह भारत के विकसित होते मोबिलिटी सेक्टर एवं अर्थव्यवस्था में सक्रिय योगदान दे सके।’

पार्क मेडी वर्ल्ड लिमिटेड ने 1260 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी । पार्क मेडी वर्ल्ड लिमिटेड (कंपनी), जो ‘पार्क’ ब्रांड के तहत 13 एनएबीएच मान्यता प्राप्त मल्टी–सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों का नेटवर्क संचालित करती है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है । कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 2) की पेशकश के माध्यम से 12600 मिलियन (1260 करोड़) तक के फंड जुटाने की योजना बनाई है ।इस प्रस्ताव में कुल 9600 मिलियन (960 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम (‘‘ताजा निर्गम’’) और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 3000 मिलियन (300 करोड़) तक का बिक्री प्रस्ताव (‘‘बिक्री प्रस्ताव’’) शामिल है । पार्क मेडी वर्ल्ड उत्तर भारत में दूसरी सबसे बड़ी निजी अस्पताल श्रृंखला है, जिसकी कुल बिस्तर क्षमता 3,000 बिस्तरों की है, और बिस्तर क्षमता के मामले में हरियाणा में सबसे बड़ी निजी अस्पताल श्रृंखला है, जिसमें 30 सितंबर, 2024 तक 1,600 बिस्तर हैं । रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है ।

दादी को हुआ यूट्यूब से प्यार, 74 की उम्र में हर महीने 6 लाख की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। 74 साल की सुमन धामने ने साबित कर दिया कि कुछ नया शुरू करने की कोई उम्र नहीं होती। अपने पोते की मदद से उन्होंने यूट्यूब पर आपली आजी नाम से एक चैनल शुरू किया। आज उनके 17.9 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। वह हर महीने 5 से 6 लाख रुपये कमाती हैं। सुमन अपने चैनल पर पारंपरिक महाराष्ट्रीयन रेसिपी बनाती हैं। यह कहानी दिखाती है कि परिवार का साथ हो तो कुछ भी मुमकिन है। आइए, यहां सुमन धामने की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

2020 में बनाया यूट्यूब चैनल - सुमन धामने महाराष्ट्र के अहमदनगर के पास सरोला कासार गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने मार्च 2020 में अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया। यह आइडिया उनके 17 साल के पोते का था। पोते ने उनसे पाव भाजी बनाने के लिए कहा था। सुमन का यूट्यूब स्टार बनने का सफर आसान नहीं था। उन्हें कैमरे के सामने आने में डर लगता था। तकनीकी दिक्कतें भी आईं। एक बार उनका चैनल हैक भी हो गया था। लेकिन, वह हार नहीं मानीं।

कुकिंग का हुनर दुनिया को दिखाया

आज सुमन धामने हर हफ्ते कई वीडियो बनाती हैं । उन्होंने इंटरनेट और सोशल मीडिया के बारे में भी बहुत कुछ सीख लिया है । सुमन धामने की डिजिटल दुनिया में एंट्री परिवार के सपोर्ट का नतीजा है । उन्हें इंटरनेट का कोई अनुभव नहीं था । उनके पोते यश ने उन्हें यूट्यूब चैनल शुरू करने में मदद की । यश ने उन्हें तकनीकी चीजें सिखाईं ।

सिग्निफाई ने ईकोलिंक फैन्स की नई श्रृंखला पेश की, जो शानदार और प्रीमियम डिज़ाइन के साथ एनर्जी एफिशियंसी प्रदान करेंगे

- बीएलडीसी टेक्नोलॉजी के साथ 4 नए मॉडल - एयरोएलिवेट, एयरोक्राड, एयरोज्योमेट्री और एयरोज्वेल पेश किए।
- सिग्निफाई के आईओटी प्लेटफॉर्म विज़ द्वारा पॉवर्ड 2 नए स्मार्ट मॉडल - एयरोज्योमेट्री स्मार्ट, एयरोज्वेल स्मार्ट भी पेश किए।
- उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निर्मित यह श्रृंखला अत्याधुनिक डिज़ाइन, प्रीमियम एस्थेटिक्स, बेहतर परफॉरमेंस, कम पॉवर कंजंप्शन, और ज्यादा बचत प्रदान करती है।

नईदिल्ली, एजेंसी। लाईटिंग में वर्ल्ड लीडर, सिग्निफाई ने गर्मियों में ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए आज अपने अत्याधुनिक एनर्जी-एफिशियंट इकोलिंक फैन्स की इनोवेटिव रेंज पेश की। ये फैन ज्यादा तेज परफॉर्मेंस, बेहतर एयर डिलीवरी, और एनर्जी एफिशिएंट टेक्नोलॉजी प्रदान करते हैं। ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप निर्मित इस श्रृंखला में 4 नए मॉडल - एयरोएलिवेट, एयरोक्राड, एयरोज्योमेट्री और एयरोज्वेल तथा 2 नए स्मार्ट मॉडल - एयरोज्योमेट्री स्मार्ट और एयरोज्वेल स्मार्ट हैं, जो सिग्निफाई के आईओटी प्लेटफॉर्म विज़ द्वारा पॉवर्ड हैं। ये इनोवेटिव फैन आधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ बेहतर परफॉरमेंस प्रदान करते हैं, ताकि ग्राहकों को किसी भी स्पेस में ताजा हवा मिले। 5850 रुपये से लेकर 8700 रुपये के बीच उपलब्ध ये 4 इनोवेटिव मॉडल - एयरोएलिवेट, एयरोक्राड, एयरोज्योमेट्री और एयरोज्वेल बेहतर एयर डिलीवरी, और एफिशिएंट परफॉरमेंस और बिजली की बचत करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। सुमित जोशी, एमडी एवं सीईओ, सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने कहा, ‘‘सिग्निफाई में हम दैनिक जीवन में सुधार लाने के लिए बेहतर डिज़ाइन और इनोवेशन पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप डिज़ाइन किए गए इकोलिंक फैन्स की नई शक्तिशाली रेंज पेश करके उत्साहित हैं। हमने विस्तृत अनुसंधान की मदद से ऐसी श्रृंखला तैयार की है, जो अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ एनर्जी एफिशिएंसी भी प्रदान करती है।

पैरामेट्रिक्स टेक्नॉलॉजीज का शेयर बायबैक, विकास की नई उड़ान!

मुंबई, एजेंसी। पैरामेट्रिक्स टेक्नॉलॉजीज लिमिटेड जो उन्नत एंटरप्राइज़ सॉफ़्टवेयर समाधान और व्यापक आईटी सेवाओं की प्रमुख प्रदाता है, ने अपनी इक्विटी शेयरों की रणनीतिक बायबैक योजना की घोषणा की है। यह कदम कंपनी के मज़बूत मूलभूत ढांचे और उज्ज्वल विकास पथ पर बोर्ड के विश्वास को दर्शाता है। यह बायबैक पहल पूंजी संरचना को संतुलित करने और शेयरधारकों को अधिकतम मूल्य प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

कंपनी 4,60,800 पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों की पुनर्खरीदी करेगी, जो 31 मार्च 2024 और 31 मार्च 2025 को पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों का क्रमशः 5.27 प्रतिशत और 4 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह पुनर्खरीदी टेंडर ऑफर मार्ग के माध्यम से 130/- प्रति शेयर के मूल्य पर की जाएगी, जिसका कुल खर्च 5.99 करोड़ (लेन-देन और सहायक लागतों को छोड़कर) होगा।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्तीय वर्ष 25/चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी बैठक में, 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। एयू एसएफबी ने वित्तीय वर्ष 25 में एक चुनौतीपूर्ण मैक्रोइकोनॉमिक वातावरण की पृष्ठभूमि में मजबूत प्रदर्शन की घोषणा की - अपेक्षा से कम जीडीपी वृद्धि, चुनौतीपूर्ण ऋण वातावरण, कड़ी तरलता, लगातार मुद्रास्फीति और उच्च ब्याज दरें। बैंक ने 1.5 प्रतिशत के आरओए के साथ एक संतुलित प्रदर्शन दिया है, जबकि सख्त अंडरराइटिंग, धन की लागत का प्रबंधन और परिचालन व्यय को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री संजय अग्रवाल ने कहा, हम एक कठिन आर्थिक माहौल से निकल रहे हैं, जिसमें लगातार मुद्रास्फीति, कड़ी तरलता चुनौतीपूर्ण ऋण वातावरण और अपेक्षा से कम जीडीपी वृद्धि है। वित्त वर्ष 26 में आगे बढ़ते हुए, आर्थिक दृष्टिकोण अनिश्चित बना हुआ है, जो टैरिफ युद्ध और भू-राजनीतिक विकास जैसे वैश्विक कारकों से अधिक प्रेरित है।

इंडिया के क्विक कॉमर्स बूम को सपोर्ट करेगा गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस भारत के तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स सेक्टर की मांग को पूरा करने के साथ ही इस सेक्टर को सपोर्ट करने के लिए अपनी क्षमताओं को और भी मजबूत कर रहा है। साथ ही यह ई-कॉमर्स, रिटेल और थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स में भी अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है। जैसे-जैसे भारत का वेयरहाउसिंग क्षेत्र बदल रहा है, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप व्यवसायों को स्मार्ट, तकनीक-संचालित समाधानों के साथ सशक्त कर रहा है, जो तेज, लचीले और भविष्य के लिए तैयार हैं।

विकास चौधा, बिजनेस हेड, स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप, ने कहा, अगले 2-3 वर्षों में नए जमाने के स्टार्टअप्स और मौजूदा ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा 10 मिलियन वर्ग फीट से अधिक के मदर हब्स जोड़ने की संभावना है और यह अगले वर्ष तक 3,000 से अधिक डार्क स्टोर्स क्विक कॉमर्स की वृद्धि को गति देंगे। ऐसे में लचीले और हाई एफिशिएंसी स्टोरेज सॉल्यूशंस की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। भारत जैसे-जैसे तेज़ डिलीवरी समय- सीमा की ओर अग्रसर हो रहा है, स्टोरेज और वितरण के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को बदलना जरूरी हो जाता है। गोदरेज में, हम न केवल बड़े-फॉर्मेट के वेयरहाउस के ज़रिए ई-कॉमर्स उद्योग को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि टियर 1 और टियर 2 शहरों में डार्क स्टोर्स के लिए तेज़ समाधान भी प्रदान कर रहे हैं, जिससे डिलीवरी तेज़ हो और क्विक कॉमर्स बाज़ार की मांग पूरी की जा सके। हमारा लक्ष्य सिर्फ इस बदलाव को समर्थन देना नहीं, बल्कि भारत के स्टोरेज, मूवमेंट और डिलीवरी के भविष्य को आकार देना है।

टॉमी हिलफिगर पहुंचे मुंबई

मुंबई, एजेंसी। पीवीएच कॉर्प. के हिस्से टॉमी हिलफिगर यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस करता है कि इसके फाउंडर श्री टॉमी हिलफिगर ने 15 अप्रैल 2025 को भारत के फैशन हब मुंबई का दौरा किया। यह दिन फैशन, सांस्कृतिक संवाद और नए जुड़ाव से भरपूर रहा, जिसने भारत में इस प्रतिष्ठित ब्रांड की उपस्थिति को और मजबूत किया। दिन की शुरुआत जियो वर्ल्ड ड्राइव, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित टॉमी हिलफिगर स्टोर के दौरे से हुई।

यहाँ श्री हिलफिगर ने एक पैनल चर्चा में हिस्सा लिया, जिसे भारतीय क्रिएटिव पर्सनैलिटी सारा-जेन डायस और अभिनेत्री, मॉडल और समाजसेवी मानुषी छिल्लर ने होस्ट किया। इस चर्चा में स्टाइल, फैशन और वैश्विक प्रभाव जैसे विषयों पर गहराई से बात हुई, जो अमेरिकी और भारतीय फैशन संस्कृतियों के बीच एक शानदार संगम साबित हुआ।

अप्लास्टिक एनीमिया के मरीजों को मिल रही प्रधानमंत्री राहत कोष की सौगात

इंदौर, एजेंसी। अप्लास्टिक एनीमिया कोई आम बीमारी नहीं है - यह कैंसर से भी ज्यादा खतरनाक, घातक और खर्चीली बोन मैरो की समस्या है, जिसमें मरीज़ को बार-बार रक्त और प्लेटलेट्स चढ़ाने पड़ते हैं। यह कहना है शहर के सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. ए. के. द्विवेदी का, जो पिछले 27 सालों से इस बीमारी को लेकर न सिर्फ मरीजों का इलाज कर रहे हैं, बल्कि सरकार और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने की लगातार कोशिश में लगे हुए हैं।

डॉ. द्विवेदी ने बताया कि जब लोग एनीमिया सुनते हैं, तो अक्सर यही मान लेते हैं कि यह सिर्फ आयरन अथवा विटामिन की कमी से जुड़ी समस्या है। लेकिन अप्लास्टिक एनीमिया बिल्कुल अलग और अत्यधिक गंभीर बीमारी है, जिसमें शरीर का बोन मैरो खून बनाना बंद कर देता है, साथ ही वह रक्त कणिकाओं को नष्ट भी करने लगता है - जिसके कारण यह स्थिति इतनी गंभीर होती है कि समय पर इलाज न हो तो मरीज़ की जान तक जा सकती है। इसकी दवाइयाँ महंगी होती हैं, इलाज लंबा चलता है और कई बार तो बोन मैरो ट्रांसप्लांट की ज़रूरत पड़ती है। डॉ. द्विवेदी ने जब मरीज़ों की यह पीड़ा सुनी, तो उन्होंने मुख्यमंत्री, राज्यपाल और प्रधानमंत्री जी को भी पत्र लिखे - ताकि सरकार इस बीमारी को गंभीरता से ले और मरीज़ों की मदद के लिए आगे आए। उनकी इस पहल का असर दिखा। उन्होंने एक पत्र पढ़ा, जो प्रधानमंत्री ने एक अप्लास्टिक एनीमिया के मरीज़ को भेजा है, और जिसमें उन्हें प्रधानमंत्री राहत कोष योजना के तहत 3,00,000 की सहायता राशि प्राप्त हुई है।

बीमारी की जड़ और अनजानी बातें

यह जानकर हैरानी होती है कि ज़्यादातर अप्लास्टिक एनीमिया के मामलों में यह पता ही नहीं चलता कि उन्हें यह बीमारी क्यों हुई । कुछ लोगों में यह डेंगू या अन्य वायरस जैसे हेपेटाइटिस या एपस्टीन–बार वायरस, कुछ दवाइयों या ज़हरीले केमिकल्स के कारण हो सकता है । लेकिन ज़्यादातर मरीज़ों में यह बीमारी अचानक और बिना किसी चेतावनी के सामने आती है । बहुत कम लोग जानते हैं कि यह बीमारी कैंसर से भी अधिक गंभीर होती है, पर इसका नाम ज्यादातर लोगों को पता नहीं होता । इसके इलाज में भी लगभग वही दवाइयाँ दी जाती हैं जो कैंसर के मरीजों को मिलती हैं, जैसे एटीजी और सायक्लोस्पोरीन । कई लोग इसे सामान्य खून की कमी समझकर आयरन की गोलियां या घरेलू तरीके अपनाते हैं, लेकिन ये इस बीमारी में बिल्कुल काम नहीं करते और कभी–कभी नुकसान भी कर सकते हैं ।

आईपीएल 2025

चेन्नई और हैदराबाद के बीच होगी प्लेऑफ की उम्मीदें जीवंत रखने की जंग

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच शुक्रवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी उम्मीद जीवंत रखने की रोचक जंग देखने को मिलेगी। इन दोनों टीमों का वर्तमान सत्र में अभी तक प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। इन दोनों टीमों के आठ मैच में चार अंक हैं और अगर उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद को बनाए रखना है तो उन्हें अपने सभी मैच जीतने होंगे।

चेन्नई की टीम को घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए जाना जाता है लेकिन इस बार उसे यहां मुंह की खानी पड़ रही है। उसकी टीम अभी तक यहां के विकेट का सही अनुमान लगाने में नाकाम रही है। चेन्नई ने स्पिनर नूर अहमद की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस को हराकर अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसकी लय गड़बड़ा गई और उसे अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा। यही नहीं उसकी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ नौ विकेट पर 103 रन ही बना पाई जो उसका अपने घरेलू मैदान पर न्यूनतम स्कोर भी है। चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग यहां की पिच को लेकर खुलेआम अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुके हैं। यहां का विकेट स्पिनरों के लिए मददगार माना जाता है लेकिन इस बार यहां तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। चेन्नई का अपने मैदान से इतर और अन्य स्थानों पर भी अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है तथा उसने दूसरे मैदानों पर खेले गए चार मैच में से केवल एक मैच जीता है।

इस बार उसके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं तथा नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से उसकी समस्याएं बढ़ी हैं।

महेंद्र सिंह धोनी की पूर्णकालिक कप्तान के रूप में वापसी हुई है और घुटने की परेशानी के बावजूद कप्तान के रूप में उनके फैसले काफी मायने रखते हैं। डेथ ओवरों की उनकी बल्लेबाजी तथा मैच के महत्वपूर्ण मोड़ पर लिए जाने वाले फैसले टीम को वापसी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। चेन्नई के लिए 17 वर्षीय आयुष म्हात्रे का टीम से जुड़ना अच्छा संकेत है। इस युवा बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया था। चेन्नई ने अपने बल्लेबाजी विभाग को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को भी अपनी टीम से जोड़ा है।

सनराइजर्स की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। उसकी टीम ने भी शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसे अपनी अति आक्रामकता भारी पड़ने लगी। पिछले सत्र में उसकी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की विस्फोटक सलामी जोड़ी इस बार नहीं चल पा रही है जिससे टीम के मध्य क्रम की कलई भी खुल गई है।

उसे पिछले मैच में मुंबई इंडियंस से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने भी स्वीकार किया है कि उनके बल्लेबाज साझेदारी निभाने में नाकाम रहे हैं। विटोरी ने कहा, 'जब हेड और अभिषेक सफल नहीं होते हैं, तो यह अन्य बल्लेबाजों की जिम्मेदारी है। इस सत्र में हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। हमें अच्छी साझेदारियां निभाने की जरूरत है।

टीमें:

- **सनराइजर्स हैदराबाद :** पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।
- **चेन्नई सुपर किंग्स :** एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ, आयुष म्हात्रे, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस। श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना।

समय : शाम 7 :30 बजे।

जसप्रीत बुमराह ने लगाया 'तिहरा शतक'

नई दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह ने भी नया रिकॉर्ड बनाते हुए टी20 में तिहरा शतक पूरा कर लिया। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच में जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट झटके, जिसके बदौलत वह टी20 में 300 विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। वहीं, अगर बात करें मुंबई की ओर से आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वालों की, तो 170 विकेट लेकर जसप्रीत बुमराह नंबर वन पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने लसिथ मलिंगा की बराबरी की है। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर और मुंबई इंडियंस के पूर्व गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने भी 170 विकेट लिए हैं।

जसप्रीत बुमराह से आगे सिर्फ चार खिलाड़ी: टी20 में रिकॉर्ड की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह से आगे सिर्फ चार भारतीय खिलाड़ी हैं। इससे सबसे पहले पायदान पर युजवेंद्र चहल हैं, जो अब तक कुल 373 विकेट लिए हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर 319 विकेट के साथ पीयूष चावला हैं। तीसरे और चौथे पायदान पर भुवनेश्वर कुमार और रविचंद्रन अश्विन हैं।

वैभव सूर्यवंशी इंडिया के लिए कब खेलेंगे आईपीएल 2025 के बीच कोच ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी रणजी के रण में उतर चुके हैं. अंडर 19 क्रिकेट के मैदान में भी वो लोहा मनवा चुके हैं और अब आईपीएल में भी उनका डेब्यू हो चुका है. मतलब अब कुछ अगर बचा है तो वो हैं टीम इंडिया की जर्सी पहनना. सीनियर खिलाड़ियों के कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ रन बनाना और भारत को जिताना. सवाल है कब होगा ऐसा कब आएगा वो दिन आईपीएल 2025 के बीच इस बड़े सवाल का जवाब खुद वैभव सूर्यवंशी के कोच नेबातचीत में दिया है. वैभव सूर्यवंशी के कोच मनीष ओझा ने बात करते हुए बताया कि वैभव सूर्यवंशी का आगमन टीम इंडिया में कब तक हो सकता है उनके मुताबिक वो लम्हा अगले एक साल में आ सकता है. कोच का ये बयान पल भर के लिए चौंकाता जरूर है, लेकिन उसमें वो विश्वास दिखा जो एक गुरु को अपने चेले पर होता है. वैभव सूर्यवंशी पर कोच मनीष ओझा का विश्वास वैसा ही है. कोच मनीष ओझा ने कहा कि वैभव जिस मिजाज के साथ खेल रहा है. जिस तरह से उसने आईपीएल में अपना धमाकेदार आगाज किया है. अगर ऐसे ही खेलता रहा तो अगले एक साल के अंदर वो टीम इंडिया की टी20 टीम का हिस्सा हो सकता है.

आईपीएल में खेलने की बात हुई सच, अब टीम इंडिया की बारी!

वैभव सूर्यवंशी को लेकर कोच मनीष ओझा की बातें किस हद तक सच होती हैं, उस बारे में तो फिलहाल नहीं कहा जा सकता है. लेकिन, इसी आईपीएल से पहले जब हमने उनसे पूछा था कि क्या उन्हें राजस्थान में मौजूद बड़े-बड़े नामों के बीच मौका मिलेगा क्या वो एक भी मैच खेल सकेंगे इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि बिल्कुल. उनके हिसाब से वैभव को 2-3 मैच राजस्थान रॉयल्स वाले खिलाएंगे. और देखिए कि ऐसा ही हुआ भी है. वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में मैचों का अपना खाता खोल लिया है. और, जिस तरह की 20 गेंदों में 34 रनों की उन्होंने उसमें पारी खेली है, उसे देखने के बाद हैरानी नहीं होगी अगर वो आगे भी कुछ मुकाबले खेलते दिखें.

अंपायर पैसे ले रहा है...

आईपीएल में ईशान किशन के आउट होने पर बवाल, वीरेंद्र सहवाग ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने जमाने के वस्फिोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2025 मैच के दौरान ईशान किशन के आउट होने पर उनकी आलोचना की. वीरू ने इस दौरान अंपायर के कॉल का इंतजार किए बिना मैदान से बाहर जाने के ईशान किशन के फैसले पर सवाल उठाया और इसे ब्रेनफेड बताया.

वीरेंद्र सहवाग ने इस दौरान कहा- 23 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2025 मैच के दौरान ईशान किशन की ईमानदारी समझ नहीं आई. ध्यान रहे ईशान किशन जो एसआरएस के साथ हैं, उन्होंने अपने आईपीएल करयिर की शुरुआत 2018 में एमआई के साथ की थी. वह मुंबई के लिए 2018 से 2024 के बीच सात सीजन खेले थे.

सहवाग ने ईशान किशन के मामले में कहा-कई बार ऐसे मौकों पर आपका दिमाग काम नहीं करता है. कम से कम उसको (ईशान) को रुक तो जाना चाहिए था. अंपायर को आउट तो देना चाहिए था. वो (अंपायर) भी उतरे पैसे ले रहा है, फ्री में खड़ा होता तो समझ आता... उसको (अंपायर) भी अच्छी खासी मैच फीस मिल रही है. उसका काम करने दे तू अपना काम कर...

सहवाग ने कहा उनको कुल मिलाकर ईशान किशन की यह ईमानदारी समझ नहीं आई. अगर लगा (बैट से बॉल) हो तो आप जाओ और यह दिखाओ कि आप खेल भावना का परचिय दे रहे हो. लेकिन यह बात समझ से परे रही. इस दौरान वीरेंद्र सहवाग ने यह भी कहा कि इस मामले में उनको रिकी पोंटिंग अच्छे लगते थे. क्योंकि जब तक उनको अंपायर आउट नहीं देते थे, तब तक वो मैदान नहीं छोड़ते थे.

ईशान किशन के आउट होने पर क्यों उठे सवाल

ईशान किशन को आउट होना स्कोरकार्ड पर कैच आउट करार दिया गया. जबकि उनके बैट और गेंद का कोई संपर्क नहीं हुआ. ईशान जब आउट हुए तो यह सनराइजर्स हैदराबाद की पारी का तीसरा ओवर था औ पहली गेंद थी, जिसे दीपक चाहर कर रहे थे. ईशान किशन ने मुकाबले में 4 गेंदों का सामना किया और महज 1 रन बनाया. दीपक चाहर की यह गेंद लेग साइड की तरफ जा रही थी, जो लेंथ बॉल थी और अंदर की ओर स्विंग हो रही थी. अंपायर ने पहले तो इसे वाइड देने का इशारा किया.

इस पर ना तो चाहर ने अपील की, ना ही विकेटकीपर रयान रिकेल्टन ने कुछ कहा. लेकिन तभी ईशान खुद ही पवेलियन की ओर चल पड़े, जैसे उन्हें लगा कि वो आउट हैं, ये देखकर अंपायर विनोद सेशन ने भी अपनी उंगली उठा दी और आउट दे दिया. इस पर हार्दिक पंड्या ने उनके सिर पर हाथ रखकर ईशान की ईमानदारी की तारीफ भी कर दी.

गौतम गंभीर को मिली जान से मारने की धमकी, भारतीय टीम के हेड कोच ने की सुरक्षा की मांग

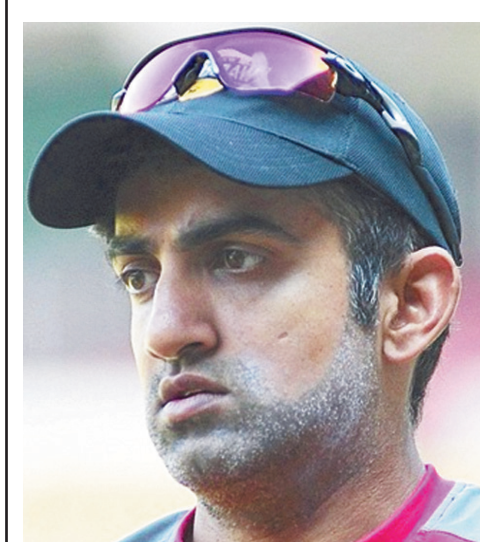

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच और पूर्व बीजेपी सांसद गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी मिली है। ढ्ढस्ढ्ढस् कश्मीर की तरफ से गंभीर को ये धमकी दी गई है। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच ने इस तरह की धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। गंभीर को ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई।

गौतम गंभीर को आतंकी संगठन आईएसआईएस कश्मीर से जान से मारने की मिली धमकी के बाद उन्होंने बुधवार को दिल्ली पुलिस से संपर्क करते हुए एफआईआर दर्ज कराई और अपने साथ ही अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की। आपको बता दें कि पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर इस वक्त टीम इंडिया के हेड कोच हैं। वो टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद भारतीय टीम के हेड कोच नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वो आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर के साथ जुड़े हुए थे। गंभीर के कोच बनने के बाद भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में टेस्ट सीरीज गंवाना पड़ा था तो वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में हार मिली थी, लेकिन इसके बाद भारत ने अच्छी वापसी करते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया था। गंभीर अपनी बेबाक राय के लिए जाने जाते हैं और बतौर भारतीय ओपनर उन्होंने देश के लिए कई यादगार पारियां भी अपने क्रिकेट करियर के दौरान खेली थी।

गौतम गंभीर ईस्ट दिल्ली से 5 साल तक बीजेपी सांसद भी रहे, लेकिन साल 2024 के चुनाव में उनका टिकट काट दिया गया था। गंभीर इस वक्त भारतीय टीम के हेड कोच हैं, लेकिन इससे पहले वो बतौर कमेंटेटर भी क्रिकेट से जुड़े हुए थे। गंभीर ने अपनी कप्तानी में केकेआर को दो बार चैंपियन बनाया था तो वहीं बतौर मेंटर उन्होंने साल 2024 में फिर से इस टीम को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

भारत नहीं आएंगे अरशद नदीम, नीरज चोपड़ा का न्योता ठुकराया... पहलगाम हमले के बाद बताई ये बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के ओलंपिक चैम्पियन अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा का न्योता ठुकरा दिया है. नीरज ने बेंगलुरू में 24 मई को एनसी क्लासिक भालाफेंक टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए उन्हें न्योता भेजा था. अरशद नदीम ने कहा कि वह इस दौरान एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की तैयारियों में व्यस्त होंगे. अरशद का यह बयान पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद आया है. अरशद नदीम ने कहा, 'एनसी क्लासिक इवेंट 24 मई को है, जबकि मैं 22 मई को एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए कोरिया रवाना हो जाऊंगा.' उन्होंने कहा कि वह 27 से 31 मई तक कोरिया में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं. नीरज चोपड़ा ने सोमवार को मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा था, 'मैंने अरशद को न्योता भेजा है और उसने कहा कि अपने कोच से बात करके वह जवाब देगा. अभी तक उसने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है.' नदीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 92.97 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता.

पहली नीरज चोपड़ा भाला फेंक प्रतियोगिता में ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के थॉमस रोलेर जैसे सितारे भाग ले रहे हैं. नीरज चोपड़ा क्लासिक जैवेलिन थ्रो इवेंट का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को पंचकुला की बजाय बेंगलुरू में कराया जाएगा. इस कार्यक्रम का आयोजन चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा.

रोहित की तारीफ करने के पीछे एक वजह है कि वे लीजेंड हैं: कृष्णमाचारी श्रीकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत का मानना है कि भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने हैदराबाद में सनराइजर्स के खिलाफ बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया जिससे सभी को याद आ गया कि उन्हें लीजेंड क्यों माना जाता है।

पहली पारी में ट्रेंट बोल्ट की धमाकेदार गेंदबाजी के सामने संकट में फंसी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम लड़खड़ा गई। दूसरी पारी में रोहित ने कहर बरपाया और हैदराबाद की जीत की उम्मीदों को खत्म करते हुए ताबूत में आखिरी कील ठोक दी। रोहित की यह छोटी और प्रभावी शुरुआत नहीं थी, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने क्रीज पर समय बिताया और प्रदर्शन किया, जबकि 70 (46) रन की पारी के दौरान उन्होंने आसानी से बाउंड्री लगाई। रोहित की 70 रनों की तूफानी पारी पर भरोसा करते हुए मुंबई ने 144 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया और कुछ ओवर शेष रहते 7 विकेट से जीत हासिल की।

श्रीकांत रोहित की क्लास से प्रभावित थे और उन्होंने सनराइजर्स को अगले साल के लिए शुभकामनाएं देते हुए संकेत दिया कि प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाएं खत्म हो गई हैं।

श्रीकांत ने एक्स पर लिखा, क्या शानदार पारी और फॉर्म में आने का क्या समय! अगर यह खिलाड़ी 6 ओवर से अधिक समय तक विकेट पर रहता है तो भगवान विपक्ष की मदद करें! उसके लीजेंड होने का एक कारण है और उसने हम सभी को यह दिखाया है कि क्यों अगले साल SRH को शुभकामनाएं!

रोहित ने सनराइजर्स के डिफेंस की रीढ़ तोड़ते हुए टी20 क्रिकेट में 12,000 रन पूरे किए और इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दूसरे भारतीय और कुल मिलाकर आठवें खिलाड़ी बन गए। रोहित ने 456 मैचों और 443 पारियों में 30.91 की औसत से 12,058 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 80 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121* है। वह टी20 में आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

टी20 में भारतीयों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली हैं, जिन्होंने 407 मैचों और 390 पारियों में 41.79 की औसत और 134.33 की स्ट्राइक रेट से 13,208 रन बनाए हैं, जिसमें 9 शतक और 101 अर्द्धशतक और 122* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह इस प्रारूप में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद से पकड़ा गया खालिस्तानी आतंकी, 30 साल से फरार था मंगा

गाजियाबाद , एजेंसी। एटीएस की नोएडा टीम और गाजियाबाद पुलिस ने बुधवार देर रात प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के आतंकी मंगत सिंह उर्फ मंगा को गिरफ्तार कर लिया। उस पर 25 हजार रुपये इनाम था और वह 30 साल से फरार चल रहा था। वह इससे पहले 11 मार्च, 1993 को गिरफ्तार हुआ था। दो साल बाद जमानत पर छूटने के बाद वह फिर फरार हो गया था। एटीएस के मुताबिक मंगत सिंह मूल रूप से पंजाब के खतदिया का रहने वाला है। पिछले काफी समय से वह गाजियाबाद के कविनगर में रह रहा था। उसके खिलाफ गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना में टाडा के तहत मुकदमा दर्ज था। इसमें ही उसे जेल भेजा गया था जहां से उसे 16 अगस्त 1995 को जमानत मिल गई थी। मंगा सिंह के सगे भाई संगत सिंह को पंजाब पुलिस ने व्यास जिले में वर्ष 1990 में मुठभेड़ में मार गिराया था। संगत सिंह खालिस्तान कमाण्डो फोर्स का चीफ था। फरार होने के बाद से मंगत सिंह पेशी पर भी नहीं जा रहा था। पिछले साल 12 दिसम्बर को कोर्ट ने उसका गिरफ्तारी वारन्ट जारी किया था। वह काफी समय अमृतसर के खिलचियां इलाके में छिपा रहा था। उसके खिलाफ गाजियाबाद में चार मुकदमे दर्ज हैं।

अदालत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में महिला पर भड़के हाईकोर्ट के जज

मुंबई, एजेंसी। बम्बई उच्च न्यायालय ने नवी मुंबई में एक आवासीय सोसाइटी के कुत्तों को खाना खिलाने वालों के पक्ष में दिए गए आदेश पर अदालत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक महिला को बुधवार को आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने कहा कि अदालत को 'कुत्ता माफिया' बताने जैसी टिप्पणी शिक्षित लोगों से अपेक्षित नहीं है। अदालत ने विनीता श्रीनंदन को एक सप्ताह की साधारण कारावास की सजा सुनाई, साथ ही उस पर 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। उच्च न्यायालय ने आवासीय सोसाइटी की प्रबंध समिति की सदस्य विनीता की माफी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा, हम मगरमच्छ के आंसू और ऐसे मामलों में अवमानना करने वालों द्वारा आमतौर पर किए जाने वाले नियमित माफीनामे को स्वीकार नहीं करेंगे। पीठ ने हालांकि, विनीता के वकील के अनुरोध पर अपने आदेश पर रोक लगा दी और सजा को आठ दिनों के लिए निलंबित कर दिया, ताकि वह इसके खिलाफ अपील कर सके।

पाकिस्तानी आकाओं से मिला था निर्देश, 30 मिनट चला नरसंहार

अनंतनाग, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसारन घाटी में हुए आतंकी हमले को लेकर दर्ज की गई एफआईआर में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एफआईआर के अनुसार यह हमला पूरी तरह से पूर्व नियोजित था और इसे आतंकियों ने सीमा पार मौजूद अपने हैंडलर्स के निर्देश पर अंजाम दिया। आतंकियों ने अवैध रूप से प्राप्त ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए करीब 30 मिनट तक अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई। यह हमला मंगलवार (22 अप्रैल) को दोपहर 1.50 बजे से 2.20 बजे के बीच हुआ। हमलावर फौजी वर्दी में थे और वे अचानक बैसारन घाटी से लगे घने चीड़ के जंगलों से बाहर निकले। उस समय पर्यटक घुड़सवारी, पिकनिक और हरियाली का आनंद ले रहे थे। अचानक गोलियों की आवाज और चीख-पुकार मच गई। कुछ ही मिनटों में कई लोग जमीन पर गिर चुके थे और कई घायल हो गए। न्यूज18 की रिपोर्ट के मुताबिक, एफआईआर में कहा गया है कि पुलिस स्टेशन को हमले की जानकारी दोपहर 2.30 बजे मिली, और जब तक सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक हमलावर भाग चुके थे।

चूंकि बैसारन तक कोई मोटरेबल रोड नहीं है, इसलिए सुरक्षाबलों को पहुंचने में काफी वक्त लग गया। एफआईआर में कहा गया है, पुलिस स्टेशन को विश्वसनीय स्रोतों से सूचना प्राप्त हुई कि बैसारन, पहलगाम में अज्ञात आतंकवादियों ने सीमा पार स्थित अपने आकाओं के निर्देश पर अवैध ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल कर एक पूर्व नियोजित हमला किया है। एफआईआर में यह भी जिक्र किया गया है कि इस हमले का उद्देश्य केवल हत्या करना नहीं था, बल्कि जनता में भय और दहशत फैलाना भी था। इस मामले में भारतीय न्याय संहिताकी कई सख्त धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। यह एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 11, 103 और 109, कठोर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम या यूएपीए, और शस्त्र अधिनियम सहित गंभीर प्रावधानों के तहत दर्ज की गई थी। इसके अतिरिक्त, आर्म्स एक्ट की धाराएं 7 और 27, और,क्क (गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम) की धाराएं 16, 18, और 20 भी लगाई गई हैं। इस हमले ने स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था और पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बैसारन घाटी को मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है और यह पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय स्थान है। अब यह सवाल उठ रहे हैं कि इतनी संवेदनशील जगह पर सुरक्षा इंतजाम क्यों नाकाफी रहे।

डेढ़ घंटे तक कोई नहीं आया, मदद नहीं मिली; विनय नरवाल की बहन बोलीं- बच सकता था मेरा भाई

करनाल, एजेंसी।
पहलगाम में क्रूर आतंकी हमले में मारे गए नेवी के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का बुधवार को करनाल में अंतिम संस्कार हो गया। विनय नरवाल की बहन ने ही उनका अंतिम संस्कार किया। पूरा परिवार और इलाका इससे सदमे में था और हजारों लोगों की भीड़ इस मौके पर पहुंची थी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी जब करनाल में उनके घर पहुंचे तो विनय नरवाल की छोटी बहन ने आपा खो दिया। भाई को खोने से बदहवास बहन ने रोते-रोते आरोप लगाया कि आतंकी हमले में गोलियां लगने के बाद भी विनय नरवाल काफी देर तक जिंदा थे, लेकिन कोई मदद के लिए नहीं पहुंचा। नायब सिंह सैनी से बातचीत करते हुए विनय की बहन ने आपा खो दिया। उन्होंने रोते हुए कहा, 'कोई नहीं आया डेढ़ घंटा तक। वहां कोई भी नहीं आया, वह जिंदा था और कोई आता तो वह बच सकता था। वहां आर्मी होती तो वह बच सकता था। इसके आगे वह रोते-चिल्लाते हुए कहती हैं कि मुझे वह मरा हुआ चाहिए, जिसने मेरे भाई को मारा। इस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वह मरेगा, जिसने विनय नरवाल को मारा।' विनय नरवाल की बहन का बयान यह बयान सोशल मीडिया पर चल रहे उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया कि वहां स्थानीय लोगों ने तुरंत ही पीड़ितों की मदद की थी।

इसके अलावा स्थानीय प्रशासन के भी कुछ मिनटों में वहां पहुंचने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन विनय नरवाल की बहन ने उन्हें गलत बताया। उन्होंने साफ कहा कि मेरा भाई डेढ़ घंटे तक जिंदा था और कोई मदद के लिए होता तो उसकी जान बच सकती थी। वहीं उनकी पत्नी हिमांशी को भी एक वीडियो में सुना जा सकता है कि कैसे आतंकियों ने उनके लेफ्टिनेंट पति को धर्म पूछकर मार डाला। हिमांशी ने कहा, मैं भेलपुरी खा रही थी और मेरे पति भी वहीं थे। एक व्यक्ति आया और पूछा कि क्या वह मुस्लिम है और जब उसने इनकार किया तो उस व्यक्ति ने उन्हें गोली मार दी। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को उनके सहकर्मियों ने एक हंसमुख और समर्पित अधिकारी बताया। नौसेना के एक अधिकारी ने बताया, लेफ्टिनेंट नरवाल हमेशा हंसमुख और अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहते थे।

पहलगाम हमले पर बोले- मौलाना रशीद महली- सरकार के फैसले सही, देश एकजुट

लखनऊ , एजेंसी।
पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या के बाद पूरे देश में गुस्से और शोक का माहौल है। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए कड़े कूटनीतिक फैसलों का ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य और लखनऊ स्थित ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने समर्थन किया है। उन्होंने इसे वक्त की जरूरत बताया है। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि पर रोक हो या पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करना, या दूतावास से संबंधित निर्णय, ये सभी निर्णय बिल्कुल सही दिशा में उठाए गए हैं और इनकी देश को इस समय सख्त आवश्यकता थी। मौलाना ने कहा कि पाकिस्तान को अब समझना चाहिए कि उसकी सेना और सरकार की इन आतंकवादी गतिविधियों को दुनिया के किसी भी मंच पर समर्थन नहीं मिलने वाला। उन्होंने पाकिस्तान की आवाम से भी अपील की कि वे अपने हुक्मरानों और सेना के खिलाफ आवाज उठाएं, जो बार-बार ऐसे कायराना और शर्मनाक कदम उठाकर अपने ही मुल्क को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पहले ही वैश्विक मंचों पर अपनी छवि बिगाड़ चुका है और अब समय आ गया है कि वहां की जनता अपनी सरकार से जवाबदेही मांगे। उन्होंने यह भी अपील की कि भारत की सभी राजनीतिक पार्टियां इस दुख की घड़ी में एक मंच पर आएं और एकजुट होकर सरकार के साथ खड़ी हों। उन्होंने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय संकट के समय जब सरकार देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए निर्णय ले रही है, तब सभी दलों को मिलकर उन निर्णयों का

समर्थन करना चाहिए ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश जाए कि भारत एकजुट है और आतंकवाद के खिलाफ एक साथ खड़ा है। मौलाना खालिद रशीद ने यह भी कहा कि सभी धर्मगुरु, राजनीतिक दल और नागरिक समाज के लोग इस आतंकी हमले की निंदा कर रहे हैं और उन्होंने यह साफ किया कि किसी भी धर्म में आतंकवाद या हिंसा का समर्थन नहीं किया जाता। उन्होंने खासतौर पर सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भड़काऊ संदेशों पर चिंता जताई और कहा कि इस तरह की पोस्ट देश की एकता को कमजोर कर सकती हैं। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे इस हमले को किसी धार्मिक चश्मे से न देखें और किसी धर्म विशेष को दोष न दें, क्योंकि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। मौलाना ने कहा कि इस संकट की घड़ी में हर भारतीय को अपने राजनीतिक और धार्मिक मतभेदों से ऊपर उठकर सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए ताकि देश के अंदर और बाहर यह संदेश जाए कि भारत आतंकवाद के खिलाफ एकजुट और अडिग है।

ग्रेटर नोएडा के गांवों में अब बिजनेस करना पड़ेगा महंगा, सर्किल रेट बढ़े

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
सर्किल रेट लागू होने के बाद नोएडा के गांवों में व्यवसाय करना ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों से ज्यादा महंगा हो जाएगा। नोएडा के अट्टा, आगाहपुर, चौड़ा रघुनाथ पुर गांव में एकल वाणिज्यिक संपत्ति दर 1.36 लाख से 1.90 लाख तक करने की तैयारी है। वहीं, ग्रेनो के अल्फा 1 और 2 समेत अन्य सेक्टरों में एकल दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान की दर 1.28 लाख प्रति वर्गमीटर तक प्रस्तावित है। जिले के तीनों प्राधिकरण ने अपने-अपने क्षेत्र में संपत्तियों की आवंटन दरों में वृद्धि कर दी है। जिला प्रशासन भी गौतमबुद्ध नगर में इसी महीने ही नए सर्किल रेट लागू करने की तैयारी है। जिले में विभिन्न संपत्तियों की प्रस्तावित नई रेट लिस्ट को भी सार्वजनिक किया जा चुका है। नई रेट लिस्ट के मुताबिक नोएडा के अट्टा गांव में एकल दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान की संपत्ति दर 1.70 लाख से बढ़ाकर 1.90 लाख हो जाएगी, जबकि एकल से भिन्न (तल वार) वाणिज्यिक संपत्ति दर को 1.48 से बढ़ाकर 1.70 लाख करने की तैयारी है। इसी तरह से आगाहपुर में एकल दुकान का रेट 1.36 लाख और चौड़ा रघुनाथ व चौड़ा सादतपुर में 1.20 लाख तक प्रस्तावित है। वहीं बात करें ग्रेनो के अल्फा-1 व 2, गामा-1 व 2, ओमेगा 1, 2 व 3 की तो यहां एकल वाणिज्यिक संपत्ति दर 1.28 लाख व निर्मित संपत्ति की दर 1.80 प्रस्तावित की गई है, जबकि अन्य सेक्टर जैसे इकोटेक-1, 2, 3, 6, 7, 8, 9, 10 व ईटा-1, 2 व एनआरआई सिटी में एकल वाणिज्यिक संपत्ति दर एक लाख से 1.50 लाख तक ही प्रस्तावित है। एकल दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का मतलब, ऐसी दुकान या व्यापार की जगह से है, जो भूमि और उसपर बनी पूरी इमारत जिसे एक साथ एक ही बार में बेजा जा सकता हो, चाहे वो इमारत एक मंज़िल की हो या कई मंज़िल की, लेकिन सारी की सारी एक ही कागज (बिक्री पत्र) से बेची जा रही हो, जबकि एकल से भिन्न वाणिज्यिक भवनों में स्थित दुकानों का मतलब है कि ऐसी दुकानें जो किसी बड़े कॉम्प्लेक्स या मॉल जैसी बिल्डिंग में हों, जहां जमीन और इमारत पूरी की पूरी नहीं बेची जा रही, बल्कि सिर्फ उसका एक हिस्सा (जैसे एक दुकान) बेचा जा रहा हो।

फरीदाबाद के कई इलाकों में पानी की किल्लत

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के बाईपास रोड स्थित डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को रेनीवेल लाइनों को आपस में जोड़ने का काम किया जाएगा। इस दौरान आसपास के कई इलाकों में सुबह 11 से रात 11 बजे तक पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान कई जगह रेनीवेल की पेयजल लाइन नीचे दब गई है, जिससे पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) की ओर से लाइनों को बाहर निकाल कर नए सिरे से जोड़ा जा रहा है। बूस्टर तक नई लाइनें बिछाई जा रही है।

गुरुवार को रेनीवेल नंबर-3 को सेक्टर-9 एसबीएस (स्ट्रेटेजिक बूस्टर स्टेशन) से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। यह कार्य बाईपास रोड स्थित साइट पर किया जाएगा। इसके चलते सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक 12 घंटे की शटडाउन निर्धारित किया गया है। एफएमडीए अधिकारियों और फील्ड स्टाफ की बैठक के बाद शटडाउन को मंजूरी दी गई है, जिससे कार्य को सुरक्षित और कुशलता से पूरा किया जा सके। लोगों से अपील की गई है कि वह पहले से ही पेयजल का इंतजाम कर लें तो बेहतर रहेगा।

मरम्मत कार्य के दौरान सेक्टर-9, सेक्टर-10, सेक्टर-11 और डबुआ कॉलोनी, जनता कॉलोनी, सारन तालाब, अग्रवाल बूस्टर, एयरफोर्स स्टेशन, परशुराम बूस्टर, पर्वतीय कॉलोनी आदि क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इन क्षेत्रों के लोग आवश्यक पानी पहले से एकत्रित कर लें जिससे दैनिक कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्य की प्रगति और अन्य जानकारी के लिए एफएमडीए के जेई मोहम्मद अनीश से मोबाइल नंबर 8813078866 संपर्क किया जा सकता है।

गुरुग्राम में ढाई हजार एकड़ में बनेगी जंगल सफारी

गुरुग्राम , एजेंसी।
मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में बनने जा रही दुनिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी पहले चरण में ढाई हजार एकड़ में ही विकसित होगी। पर्यावरणविदों और लोगों के लगातार विरोध के बाद वन विभाग ने अब इसका क्षेत्रफल घटाकर ढाई से तीन हजार एकड़ करने की योजना बनाई है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम और नूंह में मौजूद अरावली के जंगल में दस हजार एकड़ में जंगल सफारी बनाने की घोषणा की थी।

दो साल से इस जंगल सफारी को लेकर लगातार योजनाएं बनाई जा रही है, लेकिन अभी तक धरात्तल पर कोई भी काम शुरू नहीं हुआ है। हालांकि बीते माह 18 मार्च को बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी दस हजार एकड़ में जंगल सफारी विकसित करने के लिए बजट में प्रावधान करने की बात कही थी, लेकिन अब वन विभाग ने योजना में बदलाव कर दिया है। नई योजना के अनुसार

ढाई से तीन हजार एकड़ में ही जंगल सफारी विकसित की जाएगी। इसे लेकर अब वन्य जीव विभाग योजना तैयार कर रहा है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार दस हजार एकड़ का क्षेत्र काफी बड़ा हो रहा था। इतने बड़े क्षेत्र की आवश्कता नहीं होती है। इसके अलावा पर्यावरणविदों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है कि जंगल सफारी से अरावली में पर्यावरण के साथ वन्य जीवों को इससे नुकसान होगा। अब अरावली में ढाई से तीन हजार एकड़ चिन्हित की जाएगी, जहां 40 फीसदी से कम पेड़ हैं। विभाग द्वारा अरावली में खाली जगहों पर इसे बनाया जाएगा।

अरावली पर्वत में बाड़ वाले क्षेत्र बनाए जाएंगे, जिसमें बड़ी बिल्लियों के लिए बड़े बाड़े, शाकाहारी जानवरों के लिए अन्य क्षेत्र, एक पक्षी पार्क और पैदल यात्रियों के लिए प्रकृति पथ शामिल होंगे।

साल 2000 से चली आ रही प्रक्रिया को किया नजरअंदाज, जम्मू-कश्मीर पुलिस से कहां हुई चूक?

श्रीनगर, एजेंसी।
अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद संभावित इलाकों का जोखिम मूल्यांकन न करना जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक बड़ी चूक के रूप में देखा जा रहा है। यह मैपिंग हर बार किसी बड़े विदेशी नेता की यात्रा से पहले एक मानक संचालन प्रक्रिया (स्ह्क्क) के तहत की जाती रही है। इस प्रक्रिया को खासतौर से साल 2000 के चित्तिसिंहपुरा नरसंहार के बाद से अपनाया जा रहा है।

20 मार्च 2000 को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के चित्तिसिंहपुरा गांव में हुए नरसंहार में 35 सिख पुरुषों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। यह घटना रात करीब 7-45 बजे हुई। कथित तौर पर सेना की वर्दी में आए हथियारबंद आतंकवादियों ने गांव के सिख पुरुषों को गुरुद्वारे के बाहर इकट्ठा होने का आदेश दिया। इसके बाद, उन्हें लाइन में खड़ा कर गोली मार दी गई। यह हमला भारत में सिख समुदाय के खिलाफ सबसे भीषण आतंकी घटनाओं में से एक माना जाता है।

इस नरसंहार का समय भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि यह तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भारत दौरे (19-25 मार्च 2000) के दौरान हुआ था। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों से जोड़ी गई, हालांकि जांच में कई विवाद और अनसुलझे सवाल सामने आए। इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा प्रोटोकॉल को और सख्त करने की आवश्यकता पर बल दिया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस एस ओ पी के तहत, हर बार जब कोई शीर्ष विदेशी गणमान्य व्यक्ति जम्मू-कश्मीर का दौरा करता है, तो उन क्षेत्रों की पहचान की जाती है जो आतंकवादी हमलों की दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं। इनमें प्रमुख पर्यटक स्थल, धार्मिक स्थल और भीड़भाड़ वाले इलाके शामिल होते

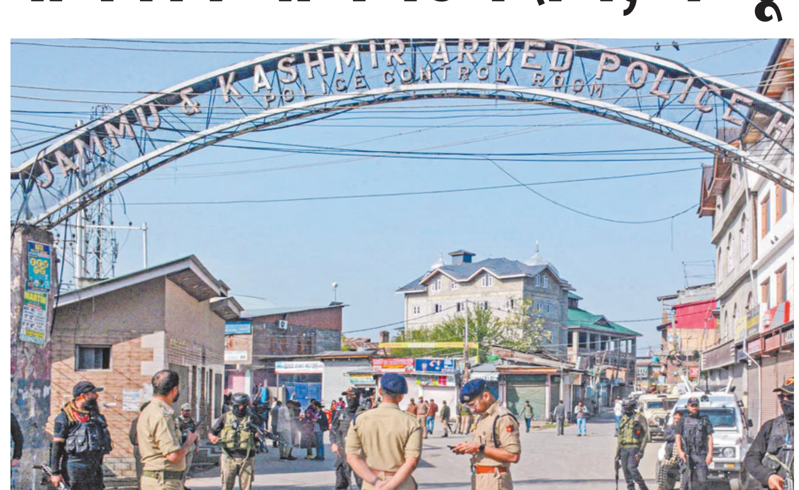

हैं। इन जगहों को या तो आम जनता के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाता है या वहां अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की जाती है।

हालांकि, इस बार वेंस की यात्रा से पहले ऐसा कोई सुरक्षा मानचित्रण नहीं किया गया। सुरक्षा तंत्र से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, अगर यह मैपिंग की गई होती, तो पिकनिक स्पॉट्स जैसे पहलगाम और खासकर बैसारन में अस्थायी पुलिस पिकेट्स लगाए जाते। वहां हाल के दिनों में पर्यटकों की बड़ी संख्या देखी जा रही है। पुलिस की मौजूदगी एक रोकथाम का काम करती और अगर हमला होता भी, तो जवाबी कार्रवाई तेज होती।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के सूत्रों ने भी माना कि एस ओ पी के तहत हर बार ऐसी तैयारी होती है, लेकिन इस बार भ्रम इस बात को लेकर था कि क्या एस ओ पी उपराष्ट्रपतियों जैसे वरिष्ठ लेकिन शीर्ष नहीं माने जाने वाले प्रतिनिधियों की यात्रा पर भी लागू होता है, या केवल राष्ट्राध्यक्षों की यात्राओं के लिए ही। यह अस्पष्टता अब सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है, विशेषकर तब जब केंद्र सरकार आतंकवाद रोधी रणनीतियों को सख्ती से लागू करने के दावे कर रही है।

जेडी वेंस का भारत दौरा: अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने 21 से 24 अप्रैल 2025 तक भारत की चार दिवसीय यात्रा की, जिसका उद्देश्य भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना था। नई दिल्ली में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापार, रक्षा सहयोग और उन्नत तकनीकों पर चर्चा की। इसके बाद, वेंस ने जयपुर का दौरा किया, जहां उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखा, और आगरा में ताजमहल का भ्रमण किया। यह यात्रा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने और क्षेत्रीय स्थिरता पर विचार-विमर्श के लिए महत्वपूर्ण मानी गई, हालांकि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा चूक और पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने इस दौरे पर सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर सवाल खड़े किए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग में फंसे संजीव हंस और गुलाब पर स्पेशल कोर्ट ने लिया संज्ञान

30 अप्रैल को सुनवाई

पटना, एजेंसी। पीएमएलए की विशेष अदालत ने बुधवार को करोड़ो रुपए के धनशोधन मामले में आरोपी निलंबित आईएएस संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत 33 आरोपियों और कंपनियों पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत संज्ञान लिया है। इसमें दस कंपनियां भी शामिल हैं। अदालत द्वारा ईडी की चार्जशीट पर लिए गए संज्ञान के बाद अब जल्द ही इस मामले की सुनवाई शुरू होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को विशेष अदालत में होगी। करोड़ों रुपए के धनशोधन मामले में ईडी ने आईएएस संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत 23 आरोपी और दस कंपनियों के खिलाफ विशेष अदालत में चार्जशीट दायर किया था। दोनों मामले में ईडी ने संजीव हंस, पूर्व विधायक गुलाब यादव, विपुल बंसल, प्रवीण कुमार, उत्तम कुमार डागा, शदाब खान, प्रदीप कुमार, कमलाकांत गुप्ता समेत समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत संज्ञान लिया है। इसके अलावे विशेष अदालत ने इस मामले में शामिल दस कंपनियों पर संज्ञान लिया है।

ईडी ने दो मामले दर्ज किए हैं

करोड़ों रुपए के धनशोधन मामले में ईडी ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए है। ईडी ने अपने जांच में पाया था कि आरोपी आईएएस संजीव हंस जब उर्जा विभाग के प्रधान सचिव और मेसर्स बीएसपीएचसीएल के सीएमडी थे, तभी अपने पद का जमकर दुरुपयोग किया। आरोप है कि इस दौरान ठेकेदार और कंपनी के माध्यम से करोड़ो रुपए आय से अधिक अर्जित की गई। वर्ष 2022 -2023 में 997 करोड़ और 2850 करोड़ का राज्य में उपभोक्ताओं के लिए 33 लाख स्मार्ट मीटर धूत इंफ्रास्टक्चर कंपनी को ठेका दिया था। इसके अलावा उर्जा विभाग से कई कंपनियों को करोड़ो रुपए का काम दिया गया था। जिसके एवज में कंपनियों से निजी लाभ लिया गया।

हंस की पत्नी की कंपनी के नाम सीएनजी स्टेशन

ईडी की जांच में यह भी बात आयी कि आईएएस संजीव हंस की पत्नी मोना हंस एक कंपनी की मालिक हैं। इसी कंपनी के नाम पर सीएनजी स्टेशन चलता है। इस कंपनी के खाता में पूर्व विधायक गुलाब यादव ने लाखों रुपए जमा किए थे। संजीव हंस की पत्नी और गुलाब यादव संयुक्त संयुक्त रूप से इस कंपनी का संचालन करते हैं। ईडी ने दिल्ली, पुणा, कोलकाता, पटना समेत कई ठिकानो पर छापामारी की थी। जिसमें करोड़ रुपए की चल-अलच संपत्ति के दस्तावेज मिले थे। ईडी धनशोधन एक्ट के तहत मुकदमा संख्या इसीआइ 04 / 2024 दर्ज कर जांच कर रही है। वहीं, अदालत में यह मामला पीएमएलए वाद संख्या 10/2024 और विशेष वाद संख्या 5 /2025 के रूप में दर्ज है।

नीतीश के मंत्री पर फूटा वक्फ कानून का गुस्सा, जमा खान के काफिले पर हमला

10 पर नामजद एफआईआर

भभुआ, एजेंसी। बिहार के भभुआ शहर के एकता चौके पास बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खां के काफिला पर हमला कर गाड़ी का झंडा खींचने वाले दस नामजद सहित कई अज्ञात लोगों के खिलाफ नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उक्त मामले में नगर थाना के परिक्ष्यमान पुलिस अवर निरीक्षक प्रदीप कुमार के बयान पर मुकदमा दर्ज किया गया है। दर्ज कराए गए मुकदमा में कहा गया है कि वक्फ संशोधन बिल के विरुद्ध शहर में निकाले गए जुलूस का वह स्कॉट कर रहे थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे एकता चौक से जुलूस गुजर रहा था। इसी दौरान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खां का काफिला गुजर रहा था। जुलूस में शामिल लोगों द्वारा मंत्री मुर्दाबाद का नारा लगाया गया। उनके काफिला को रोकने का प्रयास किया जाने लगा। भीड़ में से एक व्यक्ति द्वारा गाड़ी में लगे झंडा को खींच लिया गया। उक्त बातों की जानकारी वीडियो के माध्यम से मिली।

जुलूस के लाइसेंसधारी दुर्गावती थाना क्षेत्र के छाता गांव निवासी मो. हनीफ खान, मोकरी के परवेज अंसारी, भभुआ वार्ड 10 के जाकिर हुसैन, भभुआ वार्ड नौ के मो. इमामुद्दीन, चैनपुर वार्ड 13 के बिउर निवासी एसएफ सिद्दीकी, भभुआ वार्ड 24 के मो. साहिल खान, मोहनियां के अधिवक्ता सुरेश प्रसाद, भभुआ वार्ड 22 के मो. एजाज अंसारी, पलका के सैफ अली व मोकरी के इम्तेयाज अंसारी एवं कुछ अज्ञात लोगों द्वारा लाइसेंस शर्तो का उल्लंघन किया गया। आवेदन में लिखा गया है कि सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न किया गया। मंत्री के काफिला पर हमला किया गया, जो संज्ञेय अपराध हैं।

पुलिस अफसर के आवदेन पर नगर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने दस नामजद सहित अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से कहा गया है कि मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के पीछे साजिश करने वालों को भी नहीं छोड़ा जाएगा

मिट्टी लेने गईं 5 बच्चियां डूबीं, 3 की मौत

सीतामढ़ी में पोखर के पास गई थी सभी, गोताखोर ने लाशों को निकाला

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में बुधवार को तीन लड़कियों की मौत हो गई। दो की जान बचाई गई है। घटना जिले के बाजपट्टी थाना क्षेत्र के पचड़ा निमाही पंचायत के कंचन पुर वार्ड नंबर-11की है। लड़कियां बुधवार को करीब 3.30 बजे गांव के पोखर से मिट्टी लाने के लिए घर से निकली। मिट्टी लाने के लिए दो अन्य लड़कियां भी उसके साथ गई। इसी दौरान गांव निवासी रविंद्र राय की 8 साल की बेटी मृतका नंदिनी कुमारी का पैर फिसल गया। वह गहरे पानी में चली गई। इसी दौरान एक-एक कर एक दूसरे को बचाने के चक्कर में पांच बच्चियां पोखर में डूब गई। दो लड़कियां किसी तरह जान बचाकर बाहर निकल गई। तीन बच्चियों का डूबकर जान चली गई।

गोताखोर के सहयोग से लाश को निकाला

घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को लगी, ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोर के सहयोग से तीनों लाश को बाहर निकाला। ग्रामीण ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर बाजपट्टी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया है।

घटना के बाद से इलाके में कोहराम मचा हुआ है। एक साथ एक गांव से तीन बच्ची की मौत ने सब को झकझोर कर रख दिया है। मृतकों की पहचान आरती कुमारी (13), पिता उमा राय, नंदिनी कुमारी (8), पिता रविन्द्र राय, सुधा कुमारी (9), पिता मिथुन राय, के रूप में की गई है। दो अन्य जख्मियों में ऋतु और प्रियांशी कुमारी शामिल है। घटना के संबंध थाना की पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों के सूचना पर घटनास्थल पहुंच मामले की जांच की गई है।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दारोगा पंकज कुमार ने कहा कि 5 बच्ची मिट्टी लेने के लिए गई थी। जिसमें 3 की मौत हो गई है। एक को बचाने के लिए सभी डूब गई। आगे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बहूभोज में विवाद के बाद 5 लाख के जेवर लूटे : सीवान में बदमाशों ने की हवाई फायरिंग

सीवान, एजेंसी। सीवान के जीबी नगर थाना क्षेत्र के कर्णपुरा गांव में बुधवार को बदमाशों ने लूटपाट की। करीब दो दर्जन बदमाशों ने राहुल कुमार साह के घर में घुसकर 5 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए। बदमाशों ने आठ राउंड फायरिंग कर पूरे गांव में दहशत फैला दी। घटना के दौरान बदमाशों ने घर के बाहर रखी दो बाइक, टेंट का सामान और कुर्सियां भी तोड़ दीं। बदमाश हथियार लहराते हुए फिल्मी अंदाज में फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जीबी नगर थाना, गोरियाकोठी थाना, महाराजगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीपीओ महाराजगंज और एसडीपीओ सदर सीवान भी जांच में जुट गए।

8 महीने में दूसरी बार बैंक मैनेजर के घर चोरी :

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के पंडितपुर गांव में PNB कुशीनगर के ब्रांच मैनेजर नारायण प्रसाद के घर चोरी हुई है। यह आठ महीने में दूसरी बार है जब उनके घर को चोरों ने निशाना बनाया है। नारायण प्रसाद की मां लक्ष्मी देवी गोपालगंज में अपने बड़े बेटे के पास गई थीं। इसी दौरान ग्रामीणों ने फोन कर चोरी की सूचना दी। घर पहुंचने पर सारा सामान बिखरा मिला। डायल 112 पर सूचना देने के बाद पुलिस आई और जांच कर चली गई। लक्ष्मी देवी ने बताया कि इस बार चोर करीब 5 लाख रुपए के गहने और 70 हजार रुपए कैश लेकर गए। पिछली बार चोरी 26 सितंबर 2024 को हुई थी। तब ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन पहली चोरी के अपराधियों को पुलिस अभी तक पकड़ नहीं पाई है।

ग्रामीणों में पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ नाराजगी : पकड़ीदयाल थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच चल रही है और जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस चोरी की घटनाओं पर काबू पाने में नाकाम है।

पहलगाम हमले के बाद ऐक्शन

महावीर मंदिर, बुद्धा स्मृति और इको पार्क, पटना में हर जगह कड़ी सुरक्षा

पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पटना की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों के अलावा पर्यटकों की भीड़ वाले स्थानों पर पुलिस को अलर्ट रहने को कहा गया है। एसएसपी अवकाश कुमार ने सभी जगहों की सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के निर्देश दिये हैं। एएसपी व डीएसपी रैंक के अधिकारी इन जगहों पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था की जांच कर उसकी रिपोर्ट पुलिस कप्तान को देंगे। जहां जरूरत होगी वहां अधिक जवानों की तैनाती होगी। पटना जंक्शन स्थित हनुमान मंदिर, बुद्धा स्मृति पार्क, तख्त श्री हरमंदिर साहिब जी, ईको पार्क समेत अन्य स्थानों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता बरती जा रही है।

पुलिस के कमांडो भी तैनात होंगे

पटना पुलिस के कमांडो ट्रेनिंग वाले जवानों को भी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा। वहीं, सभी थानेदारों को रात में भी पुलिस को गश्त करते समय संदिग्धों पर नजर रखने के निर्देश दिये गए हैं। लॉज और होटलों में भी जांच की जा रही है। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि मिलने पर वरीय अधिकारियों को सूचना देने के लिए कहा गया है।

देर शाम वाहनों की सघन जांच

बुधवार की शाम पटना के सभी थाना इलाकों में वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान सभी सिटी एसपी, डीएसपी और थानेदार भी राजधानी की सड़कों पर मौजूद थे। आयकर गोलंबर, डाकबंगला चौराहा, जेपी गंगा पथ, नेहरू पथ, एनआईटी मोड़, कंकड़बाग, करबिगहिया जैसे इलाकों में वाहनों की सघन जांच की जा रही थी।

बांका का टॉप 10 अपराधी मो. तसलीम गिरफ्तार: 25 हजार रुपए का था इनाम

दिल्ली से लौटने के दौरान भागलपुर-बांका मेन रोड से पुलिस ने दबोचा

बांका, एजेंसी। बांका पुलिस ने जिले के टॉप 10 अपराधियों में शामिल मो. तसलीम को गिरफ्तार किया है। वह अमरपुर शहर के वार्ड नंबर 5 का निवासी है। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम, घोषित था। तसलीम लंबे समय से फरार था। वह मिथुन यादव गिरोह का सदस्य है। उसके खिलाफ अमरपुर थाना में तीन केस दर्ज हैं। इनमें रंगदारी, डकैती और अवैध हथियार रखने के मामले शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधी पुलिस मुख्यालय के श्रेणी 4 के कुख्यात अपराधी में शामिल था। इसके अलावा एक वांछित अभियुक्त अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया गया। बांका पुलिस और STF टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। DSP विपिन बिहारी ने इसकी जानकारी दी है।

DSP विपिन बिहारी ने बताया कि तसलीम वर्ष 2020 और 2021 में इस क्षेत्र का कुख्यात अपराधी था। वह पुलिस मुख्यालय की श्रेणी चार की सूची में शामिल है। उसके खिलाफ वर्ष 2020 में एक और 2021 में दो मामले दर्ज हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह दिल्ली से अमरपुर आ रहा है। एसपी अनंतनाथ वर्मा के निर्देश-एसटीएफ और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाई गई। अमरपुर थानांतर्गत भागलपुर से बांका जाने वाली मुख्य सड़क पर उसे गिरफ्तार किया गया।

आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज हुआ था केस

इसके अलावा पुलिस ने सजौर थाना क्षेत्र के रविचक रतनगंज निवासी अभिषेक कुमार को भी पकड़ा है। उसके खिलाफ वर्ष 2024 में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था। एसडीपीओ ने तसलीम की गिरफ्तारी को पुलिस की बड़ी सफलता बताया। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बांका विपिन बिहारी, अमरपुर थाना अध्यक्ष पंकज कुमार झा, पुलिस अवर निरीक्षक राहुल कुमार, विक्की कुमार और स्ज्ञस्न की विशेष टीम शामिल थी।

एक की मौत का बदला 100 आतंकियों से लेना चाहिए: सांसद देवेश चंद ठाकुर

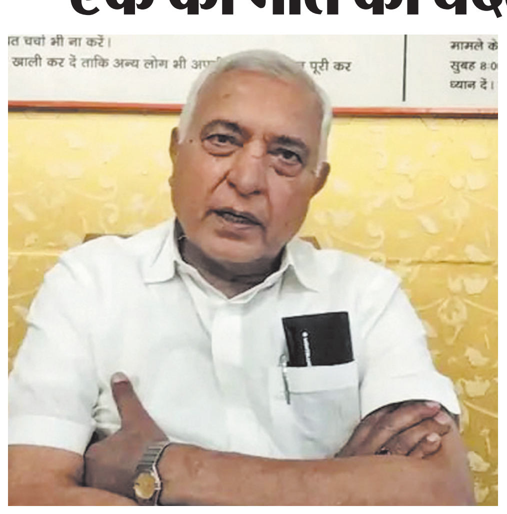

बोले- निहत्थे सैलानियों की हत्या, सुरक्षा एजेंसी की चूक

सीतामढ़ी, एजेंसी। कश्मीर में हुए आतंकी हमले पर सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद ठाकुर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सरकार से निहत्थे लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सांसद ने कहा कि एक भारतीय की मौत का बदला 100 आतंकियों से लिया जाना चाहिए। उन्होंने इस घटना को अमानवीय बताते हुए कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर निहत्थे सैलानियों की हत्या की। यह घटना किसी भी तरह से बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। खुफिया विभाग पर सवाल उठाते हुए ठाकुर ने कहा कि यह उनकी बड़ी चूक है। आतंकी सरहद पार से आए और इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दे गए। उन्होंने इस मामले की पूरी जांच की मांग की है। सांसद ने कहा कि भारतीय शांतिप्रिय लोग हैं। लेकिन आतंकवादियों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस हमले में शामिल सभी आतंकियों को मार गिराया जाए। तभी मृतकों के परिवारों को न्याय मिलेगा।

आतंकवादी को चुन-चुन कर मारे

सांसद ने कहा कि आतंकवादियों ने ऐसी घटना को अंजाम दिया गया है। वैसे आतंकवादियों को चुन-चुन कर मारना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश का खून खौल रहा है। उन्होंने खुफिया विभाग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कहीं ना कहीं खुफिया विभाग की भी बड़ी चूक है। वह लोग सरहद पार करके आए हैं और ऐसी घटना को अंजाम दिए। इसलिए इस घटना की पूरी जांच होनी चाहिए। यह लोग भरोसे के नहीं है। इन लोग से अपेक्षा नहीं किया जा सकता कि इस तरीके के घिनौने काम को वह लोग बंद करेंगे। इस लिए सरकार से जल्द से जल्द बदला ले। जो भी आतंकी इसमें संलिप्त हैं उन्हें मार गिराया जाए। तभी समझेंगे कि हमारे देश के लोगों और मृतकों के परिवार का बदला लिया गया है। ऐसी घटना क्यों हुई क्यों निहत्थे लोगों को मारा गया। इसकी पूरी तरीके से सत्यता के साथ जांच होनी चाहिए। आम नागरिकों के साथ सैलानियों के साथ इस तरीके की घटना को अंजाम दिया गया है।

बिहार के 4 जिलों में लू का येलो अलर्ट, गर्मी से राहत 27 से मिलेगी

पटना, एजेंसी। बिहार के चार जिला गुरुवार को लू की चपेट में रहेंगे। वहीं दक्षिण बिहार के साथ ही उत्तर-मध्य भाग के जिलों में भीषण गर्मी जारी रहेगी। 26 अप्रैल को पांच जिलों में मेघगर्जन, वज्रपात और आंधी की चेतावनी है। इसकी गतिविधि में बढ़ोतरी होने से 27 अप्रैल से एक बार फिर गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। वहीं बुधवार को पछुआ में नमी नहीं रहने के कारण राज्य के सर्वाधिक अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई।

वहीं लोगों को वास्तविक तापमान का एहसास हुआ। 42.3 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म शहर लगातार दूसरे दिन गया रहा। मौसम विभाग ने गुरुवार को पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर और गोपालगंज जिले में लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं अगले दो दिनों के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने के आसार हैं। न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। 26 अप्रैल को किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, सुपौल और कटिहार जिलों के कुछ स्थानों पर मेघगर्जन और वज्रपात के साथ तेज हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे रहने का पूर्वानुमान है।पटना सहित राज्य के 14 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार रहा। इस दौरान मंगलवार के मुकाबले बुधवार को राज्य के सर्वाधिक अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। वहीं प्रदेश का सबसे गर्म शहर 42.3 डिग्री के साथ गया रहा। तो सबसे ठंडा शहर 21.3 डिग्री के साथ सीवान का जीरादेई रहा। इस दौरान राज्य का अधिकतम तापमान 35 से 42.3 और न्यूनतम तापमान 21.3 से 28.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया।

न्यायिक अधिकारी के खाना में मिला कीड़ा: औरंगाबाद में केटरिंग एजेंसी पर होगी कार्रवाई

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के दानी बिगहा स्थित सर्किट हाउस में एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां ठहरे एक न्यायिक पदाधिकारी के भोजन में कीड़ा मिला। इस घटना से सर्किट हाउस में हड़कंप मच गया। न्यायिक पदाधिकारी ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने भोजन को जब्त कर थाने ले गए। वर्तमान में सर्किट हाउस में लगभग सात न्यायिक पदाधिकारी ठहरे हुए हैं। यह सभी हाल ही में हुए स्थानांतरण के बाद यहां आए हैं। इस घटना के बाद सर्किट हाउस में खाना प्रदान करने वाली केटरिंग एजेंसी पर कार्रवाई तय है।

न्यायिक पदाधिकारी ने की लिखित शिकायत

न्यायिक पदाधिकारी ने इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत दी है। हालांकि, अभी तक उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यह घटना पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

प्रियंका चोपड़ा और शाहरुख खान ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, कहा– शब्दों में बयां करना मुश्किल

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का पूरा देश इस हमले की निंदा कर रहा है। सोशल मीडिया पर आम लोग हों या फिर बॉलीवुड हस्तियां सब इस कायराना हरकत की मजम्मत कर रहा है। तमाम सेलेब्स के बीच ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा और किंग खान का भी हमले पर रिएक्शन सामने आया है। प्रियंका और शाहरुख ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर हमले की निंदा की है और इसमें जान गंवाने वाले परिवारों के प्रति संवेदनाएं जताई हैं। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा- पहलगाम में जो हुआ, वह निंदनीय है। लोग वहां छुट्टियां मनाने, हनीमून मनाने, अपने परिवार के साथ सेलिब्रेट करने आए थे। वे बस कश्मीर की खूबसूरती का लुत्फ उठा रहे थे। कई मासूम लोगों की जान उस तूफान में फंस गई, जिसकी उन्होंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। अपनों के सामने ही उन्हें निशाना बनाया गया। यह ऐसी घटना नहीं है जिसे हम भूलकर आगे बढ़ सकें। यह हमें लंबे समय तक परेशान करेगी। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस हमले से प्रभावित हुए हैं।

शाहरुख खान ने लिखा- पहलगाम में हुई हिंसा पर दुख और गुस्से को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। ऐसे समय में, हम केवल भगवान से पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर सकते हैं। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें। प्रियंका के अलावा, आलिया भट्ट ने भी पहलगाम हमले पर अपना दुख व्यक्त किया है। आलिया ने अपने इंस्टा पोस्ट में लिखा- पहलगाम से आई खबर दिल दहला देने वाली है। निर्दोष लोगों की जान चली गई। टूरिस्ट, परिवार और वहां गए लोग बस उस खूबसूरती को जी रहे थे, सुकून की तलाश में थे, जिंदगी जी रहे थे, लेकिन अब उनकी जिंदगी में सिर्फ दुख है। हर बार जब ऐसा कुछ होता है, तो यह हमारी इंसानियत को जैसे खत्म कर देता है। इस हमले में मारे गए लोगों की आत्मा को भगवान शांति दे। वहीं अनुष्का शर्मा ने भी इंस्टा पोस्ट किया और लिखा, कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए भयावह आतंकी हमले के बारे में सुनकर दिल टूट गया। उनके परिवारों के प्रति संवेदनाएं। यह बेहद दर्दनाक हमला है जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।

एक के लिए मिला अवॉर्ड

ग्राउंड जीरो की साई ताम्हणकर ने इन फिल्मों में निभाया दमदार किरदार

अभिनेत्री साई ताम्हणकर जल्द ही फिल्म ग्राउंड जीरो में नजर आने वाली हैं, ऐसे में यहां हम आपको उनकी पिछली पांच फिल्मों के बारे में बता रहे हैं।

अभिनेत्री साई ताम्हणकर की फिल्म ग्राउंड जीरो 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। मराठी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री साई ताम्हणकर ने बॉलीवुड में कई बेहतरीन फिल्मों से खूब नाम कमाया है। इस खबर में हम साई ताम्हणकर की पिछली पांच फिल्मों के बारे जानेंगे।

अग्नि

अग्नि फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। राहुल ढोलकिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रतीक गांधी और साई ताम्हणकर थीं। फिल्म की कहानी आपसी मतभेदों पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि रहस्यमयी आग की लपटों से घिरे शहर में विठ्ठल, एक साहसी फायरमैन और उसका साला समित एक तेजतर्रार पुलिसकर्मी, बढ़ते संकट को सुलझाने के लिए अनिच्छा से सेना में शामिल हो जाते हैं। फिल्म का बजट 20 करोड़ था और फिल्म अच्छी कमाई की थी।

भक्षक

भक्षक फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। फिल्म में भूमि पेडनेकर और संजय मिश्रा के अलावा साई ताम्हणकर थीं। फिल्म के निर्माता गौरी खान और गौरव वर्मा थे। फिल्म में दिखाया गया है कि एक स्थानीय पत्रकार युवा लड़कियों के आश्रय गृह में दुर्व्यवहार के मामलों का खुलासा करती है। फिल्म का बजट 20 करोड़ रुपये था। फिल्म ने टोटल 20 करोड़ का कारोबार किया था।

इंडिया लॉकडाउन

2022 में रिलीज हुई फिल्म इंडिया लॉकडाउन को बहुत अच्छा रिस्पांस नहीं मिला था। फिल्म में दिखाया गया है कि कोरोना महामारी की वजह से सरकार की तरफ से लगाए गए लॉकडाउन के दौरान कई लोगों की जिंदगी प्रभावित हुई। इसमें एक महिला पायलट, एक सेवानिवृत्त पिता, एक वेश्या और एक प्रवासी श्रमिक की कहानी दिखाई गई है। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म में साई ताम्हणकर का किरदार अच्छा था।

पहलगाम हमले के बाद यूजर्स के निशाने पर आई प्रभास की हीरोइन

मैं पाकिस्तानी नहीं हूं...इमान इस्माइल

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हमले में कई मासूमों की जान चली गई, जिसके बाद देशभर में शोक और गुस्से की लहर देखने को मिली, लेकिन इस दुखद घटना के बीच सोशल मीडिया पर एक नया विवाद खड़ा हो गया, जिसमें कुछ लोगों ने बिना सबूत के मुस्लिम फिल्मी हस्तियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इनमें से एक अभिनेत्री इमान इस्माइल उर्फ इमानवी भी थीं, जिन्हें ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। इमानवी ने अब एक लंबी पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी और उन अफवाहों का खंडन किया, जिनमें उन्हें पाकिस्तान से जोड़ा गया था।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर लोग भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया दे रहे थे, लेकिन कुछ यूजर्स ने इस मौके का गलत फायदा उठाते हुए नफरत फैलाने का काम शुरू कर दिया। खासकर मुस्लिम समुदाय से जुड़े सेलिब्रिटीज को निशाना बनाया गया और उन पर कई आरोप लगाए गए। इमानवी इस्माइल, जो प्रभास की आगामी फिल्म फौजी से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं, वह भी इस ट्रोलिंग का शिकार हुईं। कुछ यूजर्स ने उन पर पाकिस्तानी सेना से संबंध होने का आरोप लगाया और फिल्म से हटाने की मांग तक कर डाली।

इन अफवाहों और नफरत भरे कमेंट्स से आहत इमानवी ने एक लंबी पोस्ट साझा कर अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, सबसे पहले मैं पहलगाम में हुई दुखद घटना के लिए अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहती हूं। मेरा दिल उन सभी लोगों के लिए दुखी है जिन्होंने अपनी जान और अपनों को खोया। किसी भी निर्दोष की मौत भारी दुख देती है। मैं इस हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा करती हूं। उन्होंने आगे अफवाहों पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, मेरी पहचान और मेरे परिवार को लेकर जो झूठी खबरें और नफरत फैलाई जा रही हैं, उसके बारे में बात करना चाहती हूं। पहले तो यह कहा गया कि मैं पाकिस्तानी सेना से जुड़ी हूं, जो पूरी तरह से झूठ है। यह और कई अन्य झूठ ऑनलाइन ट्रोल्स ने फैलाए हैं, जिनका मकसद सिर्फ नफरत फैलाना है। यह बेहद निराशाजनक है कि वैध न्यूज आउटलेट्स, पत्रकार और सोशल मीडिया ने इन स्रोतों की जांच किए बिना इन्हें दोहराया।

मैं एक गर्वित भारतीय-अमेरिकी हूं...

अपनी पोस्ट में इमानवी ने अपनी पृष्ठभूमि के बारे में भी बताया। उन्होंने लिखा, मैं एक गर्वित भारतीय-अमेरिकी हूं, जो हिंदी, तेलुगु, गुजराती और अंग्रेजी बोलती हूं। मेरा जन्म लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में हुआ, जहां मेरे माता-पिता युवावस्था में कानूनी रूप से अमेरिका आए थे।

धनुष की फिल्म को लेकर आया बड़ा अपडेट

साउथ सुपरस्टार अभिनेता धनुष इस समय अपनी कई धमाकेदार फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी फिल्मों के अपडेट से दर्शकों में एक अलग रोमांच देखने को मिल रहा है। अब एक फिल्म को लेकर अपडेट आया है कि यह दिग्गज कलाकार उनकी फिल्म में शामिल हो रहा है। हाल ही में तमिल कॉमेडी फिल्म सूमो के प्री रिलीज इवेंट के दौरान फिल्म निर्माता इशारी के गणेश ने धनुष की आगामी फिल्म डी 56 को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। फिल्म निर्माता ने बताया कि धनुष की आगामी फिल्म डी 56 में म्यूजिक मशहूर संगीतकार एआर रहमान देंगे, जो एक शानदार अनुभव होगा। इसके अलावा इशारी गणेश ने धनुष के साथ एक और प्रोजेक्ट की घोषणा की है, जो विग्नेश राजा द्वारा निर्देशित किया जाएगा। सबसे खास बात यह सामने आई कि यह फिल्म डी 56 से पहले दर्शकों के बीच रिलीज की जाएगी। 'डी 56' धनुष के बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है। यह फिल्म एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे डायरेक्टर मारी सेल्वराज बना रहे हैं। इसी महीने अप्रैल में धनुष ने अपनी आगामी फिल्म डी 56 का थीम पोस्टर जारी किया था। इस पोस्ट में कई साल पुरानी एक तलवार दिखाई देती है, जिसके ऊपर कंकाल की खोपड़ी लगी हुई है। इस तस्वीर पर लिखा हुआ था एक महान युद्ध की शुरुआत। धनुष के फैंस में इस पोस्टर को लेकर काफी रोमांच है। इस समय उनके पास कई फिल्में हैं, जिनमें कुछ रिलीज होने वाली है। धनुष की फिल्म कुबेर, जो 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। इस फिल्म में धनुष के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, अभिनेता की दूसरी फिल्म की बात करें तो वह है इडली कड़ाई, जो एक अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। इसके अलावा अन्य फिल्मों की बात करें तो धनुष तेरे इश्क में, डी 55 आदि फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

पहलगाम आतंकी हमले पर फूटा सलमान खान का गुस्सा, बोले-

एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर

जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की हर कोई निंदा कर रहा है। बॉलीवुड हस्तियों के भी इस घटना पर रिएक्शन सामने आ रहे हैं। इस कड़ी में सलमान खान ने भी हमले पर गुस्सा जाहिर किया और कहा कि एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर है। सलमान खान ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है, लेकिन अब यह नर्क में बदलता जा रहा है। निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार वालों के साथ हैं। एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर है। सलमान से पहले शाहरुख खान ने भी हमले की निंदा की थी और पोस्ट में लिखा था- पहलगाम में हुई हिंसा पर दुख और गुस्से को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। ऐसे समय में, हम केवल भगवान से पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर सकते हैं। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें। वहीं प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा- पहलगाम में जो हुआ वह निंदनीय है। लोग वहां छुट्टियां मनाने, हनीमून मनाने, अपने परिवार के साथ सेलिब्रेट करने आए थे। वे बस कश्मीर की खूबसूरती का लुत्फ उठा रहे थे। कई मासूम लोगों की जान उस तूफान में फंस गई, जिसकी उन्होंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। अपनों के सामने ही उन्हें निशाना बनाया गया। यह ऐसी घटना नहीं है, जिसे हम भूलकर आगे बढ़ सकें। यह हमें लंबे समय तक परेशान करेगी। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जो इस हादसे से प्रभावित हुए हैं। एक्टर आशीष विद्यार्थी ने कहा कि वह इस घटना से शॉक्ड हैं। उन्होंने लिखा, शॉक्ड हूं... पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति संवेदना, हिम्मत और मानवता में विश्वास बनाए रखें। रणदीप हुड्डा ने लिखा, पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवार के साथ हैं। हमें इस तरह के आतंकवादी हमलों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। प्रभावित सभी लोगों को ईश्वर ताकत दें, उनके लिए प्रार्थनाएं। न्याय शीघ्र होना चाहिए, हमारे लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

राइटर ने भेजा लीगल नोटिस

एक बार फिर विवादों में घिर गई कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी'

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी इसी साल रिलीज हुई है. ये रिलीज होने के साथ ही विवाद में आ गई थी. बॉक्स ऑफिस के बाद अब इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया. लेकिन इस पर भी लीगल नोटिस भेज दिया गया है. साल 2025 में कई फिल्में रिलीज हुई हैं. इन्हीं में से एक कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी भी थी. रिलीज होने के साथ ही इस फिल्म पर कई विवाद खड़े हुए. लेकिन जैसे तैसे इसे बॉक्स ऑफिस पर रिलीज किया गया. अब फिल्मों का क्रेज बॉक्स ऑफिस से ज्यादा ओटीटी पर है तो इस फिल्म को भी ओटीटी पर रिलीज किया गया. इस फिल्म के रिलीज के साथ ही कई और विवाद खड़े जी गए. राइटर ने ही फिल्म के खिलाफ लीगल नोटिस भेजा है.

कंगना की फिल्म इमरजेंसी ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी. फिल्म के रिलीज होने के बाद राइटर कूमी कपूर ने इसे एक लीगल नोटिस भेजा है. दअरसल, कूमी कपूर ने प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म प्राइवेट लिमिटेड पर नेटफ्लिक्स पर फिल्म को तोड़ मरोड़ कर तथ्यों को पेश करने का गंभीर आरोप लगाया है. उन्होंने कहा है कि कंगना रनौत के प्रोडक्शन हाउस ने उनके कॉन्ट्रेक्ट का पालन नहीं किया है. उन्होंने कहा कि फिल्म की टीम उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर रही है. उन्होंने बताया कि फिल्म की टीम ने यह दावा किया कि यह कूमी के किताब द इमरजेंसी- ए पर्सनल हिस्ट्री पर बेस्ड है.

कार्तिक आर्यन बनेंगे इच्छाधारी नाग

नाग-नागिन की कहानी वाली कई फिल्में बॉलीवुड में बन चुकी हैं। इच्छाधारी नाग, नागिन का रोल कई नामी सितारों ने निभाया है। जानिए, ऐसे ही कुछ कलाकारों के बारे में, जो फिल्मों में नाग-नागिन के रोल में नजर आए।

हाल ही में करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा तले एक फिल्म 'नागजिला' की घोषणा की गई। इसमें कार्तिक आर्यन एक इच्छाधारी नाग का रोल करने वाले हैं। इस फिल्म से जुड़ा कार्तिक का एक लुक भी सामने आया। यह पहली बार नहीं है कि कोई बॉलीवुड एक्टर नाग का रोल कर रहा हो। पहले भी कई फिल्मों में कुछ नामी कलाकारों ने इच्छाधारी नाग-नागिन के रोल किए हैं।

डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ जम सकती है कृति सेनन की जोड़ी

फरहान अख्तर की डॉन 3 बहु प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इससे जुड़ी हर अपडेट पर फैंस की नजर रहती है। बीते वर्ष यह एलान किया गया कि इस फिल्म में लीड रोल रोल रणवीर सिंह अदा करेंगे। वहीं, लीड अभिनेत्री के रूप में कियारा आडवाणी का नाम फाइनल किया गया। मगर, प्रेग्नेंसी के चलते वे इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गई हैं। अब नई एक्ट्रेस के नाम की चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि डॉन 3 में कृति सेनन की एंट्री हो गई है। वे रणवीर सिंह के अपोजिट फिल्म में नजर आ सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कृति ने डॉन 3 में रणवीर के साथ काम करने के लिए सहमति जताई है। कुछ ही हफ्तों में बात फाइनल हो सकती है।

साभार एजेंसी

पहलगाम हमला : भारत के कदमों पर जवाब तय करने के लिए पाकिस्तान के शीर्ष अधिकारियों की बैठक

» इस्लामाबाद, भाषा।

सिंधु जल संधि को निलंबित करने और राजनयिक संबंधों को कम करने के भारत के कदम पर उचित प्रतिक्रिया तैयार करने के लिए पाकिस्तान बृहस्पतिवार को एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक कर रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पहलगाम की घटना के बाद भारत के कदमों को गैरजिम्मेदाराना कार्वाई कहा और इस पर विस्तार से चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक बुलाई है। रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख और महत्वपूर्ण मंत्री शामिल होंगे। भारत ने मंगलवार को पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद सीमापार संबंधों के मद्देनजर बुधवार को 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया और पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को कम करने की घोषणा की जिसमें उसके सैन्य अताशे को निष्कासित करना भी शामिल है।

रेडियो पाकिस्तान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा समिति आंतरिक और बाहरी स्थितियों पर विचार-विमर्श करेगी और भारत द्वारा जल्दबाजी में उठाए गए, आवेगपूर्ण और अव्यावहारिक जल संबंधी कदमों की समीक्षा करेगी। डॉन अखबार के अनुसार उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने बुधवार देर रात एक निजी टेलीविजन चैनल से बात करते हुए भारत के दृष्टिकोण की आलोचना की और इसे अपरिपक्व और जल्दबाजी कहा। डार ने कहा, भारत ने कोई सबूत नहीं दिया है। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कोई परिपक्वता नहीं दिखाई है। यह एक गैर-गंभीर दृष्टिकोण है। उन्होंने घटना के तुरंत बाद ही इसे तूल देना शुरू कर दिया। इससे पहले बुधवार को एक अलग बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आतंकी हमले में जानमाल के नुकसान पर खेद व्यक्त किया। राजनयिक पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी है कि भारत की प्रतिक्रिया और पाकिस्तान के जवाबी संदेश द्विपक्षीय संबंधों को नए निचले स्तर पर ले जा सकते हैं, जिससे 2019 के पुलवामा-बालाकोट घटनाक्रम के बाद से चली आ रही दरार और बढ़ सकती है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, संधि निलंबन से विशेष रूप से, दीर्घकालिक जल विवाद भड़कने का जोखिम हो सकता है, जबकि राजनयिक संबंधों को कम करने से भविष्य में किसी भी तरह के तनाव को कम करने के प्रयासों में बाधा आ सकती है। पहलगाम हमले के एक दिन बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार शाम को नई दिल्ली में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई और आतंकी हमले पर जवाब स्वरूप अंतिम निर्णय लिया गया। सीसीएस ने अटारी में एकीकृत जांच चौकी को तत्काल प्रभाव से बंद करने का भी फैसला किया। यह घोषणा की गई कि सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए ऐसे किसी भी वीजा को रद्द माना जाएगा।

दुख के इस समय में भारत के साथ हैं: पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ब्रिटेन की मंत्री ने कहा

लंदन। ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया एवं खेल मंत्री लीसा नंदी ने पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए कुछ क्षण का मौन रखा और ब्रिटिश सरकार की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। उनके मंत्रालय एवं लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग द्वारा बुधवार शाम आयोजित एक संयुक्त कार्यक्रम में नंदी ने कहा कि यह एक बहुत कठिन समय है, क्योंकि दुनिया भयावह आतंकवादी हमलों के प्रभाव को झेल रही है। नंदी ने कहा, इस तरह क्रूरता से निर्दोष लोगों की जान लेना एक ऐसी त्रासदी है जो सीमाओं से परे है। मैं ब्रिटेन सरकार की ओर से पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहती हूं और न्याय एवं शांति के लिए उठाए जाने वाले कदमों के प्रति पूरा समर्थन देती हूं। उन्होंने कहा, भारत और ब्रिटेन के बीच संबंध हमेशा से मजबूत और गहरे रहे हैं।

अमेरिका ने पहलगाम हमले के बाद अद्यतन यात्रा परामर्श जारी किया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक अद्यतन परामर्श जारी करते हुए अमेरिकी नागरिकों से कहा है कि वे जम्मू कश्मीर और भारत-पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के दायरे वाले क्षेत्र की यात्रा नहीं करें। अमेरिकी नागरिकों के लिए यह अद्यतन परामर्श बुधवार को जारी किया गया। इससे एक दिन पहले ही आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में गोलीबारी की थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। मृतकों में ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था। अमेरिका के विदेश विभाग की ओर से अमेरिकी नागरिकों के लिए जारी ताजा परामर्श में कहा गया है, जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादी हमले और हिंसक नागरिक अशांति संभव है। इस राज्य की यात्रा न करें (पूर्वी लद्दाख क्षेत्र और इसकी राजधानी लेह की यात्राओं को छोड़कर)। इसमें कहा गया, इस क्षेत्र में छिटपुट रूप से हिंसा होती है और भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर यह आम बात है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमले की निंदा की

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और इसे हिंसा का मूर्खतापूर्ण और खौफनाक कृत्य करार दिया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर बुधवार को एक पोस्ट में कार्नी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया जिसमें कई निर्दोष नागरिकों और पर्यटकों की जान चली गई। उन्होंने लिखा में जम्मू कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले से स्तब्ध हूं। यह हिंसा का एक मूर्खतापूर्ण और खौफनाक कृत्य है, जिसमें निर्दोष नागरिक और पर्यटक मारे गए व घायल हुए हैं। कनाडा इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है। हम पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। आतंकवादियों ने मंगलवार को दोपहर को कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर गोलीबारी की, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली। को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए।

ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों और अमेरिकी सीनेटर ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की

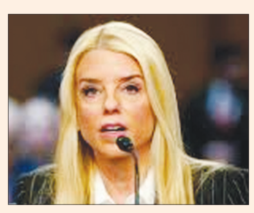

न्यूयॉर्क। अमेरिका के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों और सांसदों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस हमले को अक्षम्य बताते हुए दोषियों को सजा देने की मांग की। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बॉन्डी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, भारत के लोगों के लिए प्रार्थना कर रही हूं। अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ अपने मित्र भारत के साथ खड़ा है। सीनेटर चक शूमर ने कहा, कश्मीर में आतंकवादी हमले में निर्दोष पर्यटकों और स्थानीय लोगों की मौत की खबर से दुखी हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रिपब्लिकन कांग्रेस सदस्य ब्रायन फिट्जपैट्रिक ने इस भयावह आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की तथा पीड़ितों, उनके परिवारों और इस हमले से प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना की। न्यूयॉर्क से सदन की विदेश मामलों की समिति के सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि वह निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए जघन्य आतंकवादी हमले की खबर से स्तब्ध हैं और आतंकवाद के इस मूर्खतापूर्ण कृत्य की निंदा करते हैं। प्रतिनिधि ग्रेस मेंग ने कहा, कश्मीर में हुए क्रूर हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों के लिए मेरा दिल स्तब्ध है। मैं इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करती हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं जो इस हिंसा से प्रभावित हुए हैं। टॉम सुओज़ी ने भी हमले की निंदा की और कहा, दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। इसे रोका जाना चाहिए। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे। यह वर्ष 2019 के पुलवामा हमले के बाद कश्मीर घाटी का सबसे बड़ा आतंकी हमला है। संयुक्त राष्ट्र, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य विश्व नेताओं ने भी हमले की निंदा की है।

इस्लामाबाद ने दक्षेस वीजा छूट योजना के तहत भारतीयों के लिए वीजा निलंबित किया

सिंधु जल संधि के तहत पानी रोकना युद्ध कार्रवाई के समान : पाकिस्तान

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को भारतीय एयरलाइन के लिए अपना हवाई क्षेत्र और वाघा सीमा चौकी को बंद कर दिया, भारत के साथ सभी प्रकार के व्यापार पर रोक लगा दी तथा कहा कि सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को मिलने वाले पानी को रोकने या परिवर्तित करने का कोई भी प्रयास युद्ध की कार्वाई माना जाएगा। ये घोषणाएं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद की गईं। शरीफ ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने और राजनयिक संबंधों को कमतर करने के भारत के कदमों पर उचित प्रतिक्रिया के संबंध में विचार करने के लिए सरकार के प्रमुख मंत्रियों और तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक की। राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान की संप्रभुता और सुरक्षा को किसी भी तरह का खतरा होने पर हर तरह से मजबूती से जवाब दिया जाएगा।

इसमें कहा गया है कि भारत को पहलगाम जैसी घटनाओं को लेकर प्रतिक्रिया स्वरूप आक्षेप लगाने के हथकंडों तथा अपने संकीर्ण राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार की घटनाओं का गलत फायदा उठाने से बचना चाहिए। इसमें कहा गया है, इस तरह की रणनीतियां केवल तनाव को बढ़ाने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता के मार्ग में बाधा डालने का काम करती हैं। बैठक में भारतीय एयरलाइन के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र और वाघा सीमा चौकी को बंद करने का निर्णय लिया गया।

बयान के अनुसार इस्लामाबाद ने दक्षेस वीजा छूट योजना के तहत भारतीयों के लिए वीजा निलंबित किया, सिख तीर्थयात्रियों को इससे अलग रखा गया है। पाकिस्तान ने भारत के साथ सभी तरह के व्यापार पर रोक लगा दी, जिसमें तीसरे देशों के माध्यम से होने वाले व्यापार भी शामिल हैं। पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले को खारिज किया और कहा कि यह 24 करोड़ पाकिस्तानियों के लिए जीवन रेखा है। बयान में कहा गया, सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को मिलने वाले पानी को रोकने या परिवर्तित करने का कोई भी प्रयास युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान ने भारतीय उच्चायोग में अपने सैन्य सलाहकारों को भी 30 अप्रैल तक वहां से चले जाने को कहा है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश हो सकता है भारत : वित्त मंत्री बेसेंट

» न्यूयार्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने उम्मीद जताई है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क से बचने के लिए भारत पहला देश हो सकता है जो हमारे साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करेगा। अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाया लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया है। यह अवधि आठ जुलाई को समाप्त होने वाली है। हालांकि, अन्य देशों की तरह, भारत पर वर्तमान नीति के तहत 10 प्रतिशत शुल्क लागू है। अखबार न्यूयार्क पोस्ट के अनुसार, बेसेंट ने बुधवार को कुछ संवाददाताओं के साथ एक गोलमेज बैठक में कहा कि भारत के साथ व्यापार वार्ता सफल रूप से निष्कर्ष पर पहुंचने के बहुत करीब है। इसका कारण दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश ने कोई बहुत ज्यादा शुल्क नहीं लगाया हुआ है।

बेसेंट ने विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठकों के दौरान एक कार्यक्रम में कहा, भारत में गैर- शुल्क व्यापार बाधाएं कम हैं। साथ ही यह भी साफ है कि मुद्रा के स्तर पर कोई गड़बड़ी नहीं है, सरकारी सब्सिडी है, लेकिन वह बहुत कम है। इसलिए भारत के साथ समझौता करना बहुत आसान है। न्यूयार्क पोस्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने मांग की है कि अन्य देश अमेरिकी वस्तुओं पर अपने शुल्क और गैर-शुल्क

बाधाओं को हटाएं और अमेरिकी व्यापार घाटे को समाप्त करें। इससे पहले, मंगलवार को जयपुर में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने समृद्ध और शांतिपूर्ण 21वीं सदी के लिए दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का एक व्यापक खाका पेश करते हुए भारत से गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने, अपने बाजारों तक अधिक पहुंच देने और अधिक अमेरिकी ऊर्जा तथा सैन्य हार्डवेयर खरीदने का आग्रह किया। अखबार ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि फरवरी तक अमेरिका में आयातित वस्तुओं में भारत की हिस्सेदारी करीब तीन प्रतिशत थी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, 2024 में भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 45.7 अरब डॉलर था।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका सामान नहीं खरीदे, तो कनाडा का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा: ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

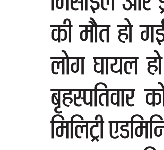

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि यदि उनका देश कनाडा से सामान खरीदना बंद कर दे तो उसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। ट्रंप ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब कुछ ही दिन बाद कनाडा में चुनाव होने वाले हैं। कनाडा की अर्थव्यवस्था एवं संप्रभुता पर ट्रंप की पहले की गई टिप्पणियां कनाडाई चुनाव में मुख्य मुद्दा हैं। ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय ओवल ऑफिस में एक समारोह के दौरान कनाडा पर फिर से टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि अमेरिका कनाडा से सामान नहीं खरीदे, तो एक देश के रूप में उसका अस्तित्व ही नहीं रहेगा।

उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो एक राज्य के तौर पर वह बहुत बढ़िया काम करता है। ट्रंप ने कनाडा को आर्थिक दबाव के जरिए अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की पहले भी धमकी दी थी। उन्होंने अपना दावा दोहराया कि अमेरिका को कनाडा से ऑटो एवं तेल समेत किसी भी चीज की आवश्यकता नहीं है।ट्रंप ने कहा, हम वास्तव में नहीं चाहते कि कनाडा हमारे लिए कार बनाए। हम अपनी खुद की कार बनाना चाहते हैं। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह कनाडा से आयातित कारों पर कर बढ़ा सकते हैं।

ट्रंप की शुल्क नीति के खिलाफ 12 अमेरिकी राज्यों ने अदालत का रुख किया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के 12 राज्यों ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन की शुल्क नीति को अवैध बताते हुए इसके खिलाफ यहां यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में बुधवार को मुकदमा दायर किया। मुकदमे में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप की इस नीति ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अराजकता पैदा कर दी है। मुकदमे में ट्रंप की इस दलील को चुनौती दी गई है कि वह अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत मनमाने ढंग से शुल्क लगा सकते हैं।

यूक्रेन पर रूस के भीषण हमलों में नौ लोगों की मौत, 70 अन्य घायल

» कीव, भाषा।

रूस ने यूक्रेन पर बुधवार रात बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए जिनमें नौ लोगों की मौत हो गई और छह बच्चों सहित 70 अन्य लोग घायल हो गए। यूक्रेन के प्राधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर बताया कि रूस ने कीव पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। प्रशासन ने बताया कि कम से कम 45 ड्रोन का पता लगाया गया है। उसने कहा कि यूक्रेन की वायु सेना बाद में इन आंकड़ों को अद्यतन करेगी। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब शांति वार्ता ठप होती दिख रही है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह संभावित शांति योजना के तहत क्रीमिया को रूस को सौंपने के प्रस्ताव को ठुकराकर युद्ध को खींच रहे हैं। जेलेंस्की ने लंदन में बुधवार को अमेरिका, यूरोपीय और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच होने वाली उच्च स्तरीय वार्ता से पहले किसी भी समझौते के तहत यूक्रेन द्वारा रूस को क्षेत्र सौंपे जाने के विचार को खारिज कर दिया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा था, इस बारे में कोई बात नहीं होगी। यह हमारी भूमि है, यूक्रेनी लोगों की भूमि है। यूक्रेन के प्राधिकारियों ने बताया कि नौ लोगों की मौत हो गई है और छह बच्चों सहित 70 अन्य लोग घायल हुए हैं यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने बताया कि कम से कम 42 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलबे के नीचे दबे शवों को खोजने के लिए बृहस्पतिवार सुबह से ही बचाव अभियान जारी है। शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि इन हमलों के कारण कई आवासीय इमारतों में आग लगने की सूचना मिली है। यह हमला रात करीब एक बजे शुरू हुआ और इस दौरान कीव के कम से कम पांच इलाकों को निशाना बनाया गया। स्वियातोशिन्स्की जिले में हमले से क्षतिग्रस्त हुई एक आवासीय इमारत में आग लग गई।

कीव पर रूस के हमले में नौ लोगों की मौत, दक्षिण अफ्रीका का दौरा छोड़कर जेलेंस्की वापस लौटे

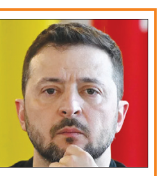

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक लोग घायल हो गए हैं, जिसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह दक्षिण अफ्रीका की अपनी आधिकारिक यात्रा को बीच में ही रोककर स्वदेश लौट रहे हैं। ज़ेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि वह दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात के बाद कीव वापस लौट आएंगे। यूक्रेनी नेता को आशा थी कि रूस के साथ अपने देश के युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में उन्हें दक्षिण अफ्रीका से और अधिक समर्थन प्राप्त होगा। कीव पर हमला ऐसे समय में हुआ जब युद्ध विराम ठप्प होता दिख रहा था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ज़ेलेंस्की पर निशाना साधते हुए कहा कि वह संभावित युद्ध विराम के तहत क्रीमिया को रूस को सौंपने से पीछे हटकर युद्ध को लंबा खींच रहे हैं।

चीन ने तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को अपने स्पेस स्टेशन में भेजा

बीजिंग। चीन ने तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को बृहस्पतिवार को अपने स्पेस स्टेशन भेजा है, जो वहां बीते छह महीने से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों की जगह लेंगे। सरकारी टेलीविजन सीजीटीएन पर अंतरिक्ष यात्रियों को स्टेशन पर भेजे जाने का सीधा प्रसारण किया गया। चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से शाम 5:17 बजे (बीजिंग समयानुसार) शेनझोउ-20 यान यात्रियों को लेकर रवाना हुआ। अंतरिक्ष यान में तीन अंतरिक्ष यात्री चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जी सवार हैं। चालक दल को इस वर्ष अक्टूबर के अंत में उत्तरी चीन के डोंगफेंग लैंडिंग स्थल पर वापस लौटना है। नए चालक दल के सदस्यों के स्टेशन में प्रवेश करने के बाद, अन्य तीन सदस्यों के 29 अप्रैल को पृथ्वी पर लौटने की उम्मीद है। चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएमएसए) के प्रवक्ता लिन जिकियांग ने बुधवार को मीडिया को बताया कि चालक दल जेब्राफिश , प्लैनेरियन और स्ट्रेप्टोमाइस से जुड़े नए जीव विज्ञान प्रयोग करेगा। लिन ने कहा कि चीन प्लैनेरियन के पुनर्जनन के संबंध में पहली बार अंतरिक्ष में अनुसंधान करेगा। प्लैनेरियन एक नया जीव है जिसे चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर लाया गया है। यह अंगों को पुनः विकसित करने की असाधारण क्षमता के लिए जाना जाता है।लिन ने कहा कि यह अनुसंधान व्यक्तिगत स्तर पर पुनर्जनन के मूलभूत तंत्रों के बारे में हमारी समझ को बढ़ाएगा।

नेपाल में 19वां लोकतंत्र दिवस मनाया गया

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल बृहस्पतिवार को 19वां लोकतंत्र दिवस मना रहा है, जिसमें राजशाही को समाप्त कर लोकतंत्र की स्थापना के संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। लोकतंत्र दिवस उस ऐतिहासिक घटना की याद में मनाया जाता है जब 24 अप्रैल 2006 को भंग संसद की बहाली के बाद तत्कालीन राजा का प्रत्यक्ष शासन समाप्त हो गया था। प्रधानमंत्री के.पी शर्मा ओली यहां भृकुटिमंडप में अपनी पार्टी द्वारा आयोजित युवा समारोह को संबोधित कर सकते हैं। इस समारोह में लगभग एक लाख युवाओं के शामिल होने की उम्मीद है। इसमें विभिन्न संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने देश की समृद्धि के लिए सभी ताकतों के एकजुट होने की जरूरत पर बल दिया है। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र शाह ने 24 अप्रैल 2006 में जन आंदोलन के मद्देनजर भंग प्रतिनिधि सभा को बहाल कर दिया और इस तथ्य को ध्यान में रखा गया था कि राज्य शक्ति का स्रोत नेपाली लोगों पर निर्भर है और नेपाल की संप्रभुता और राज्य शक्ति नेपाली लोगों के पास है। दो साल बाद 28 मई 2008 को संसद ने एक घोषणा के माध्यम से 240 साल पुरानी राजशाही को समाप्त कर दिया।

भूकंप के झटकों से घबराए कई लोगों ने घरों की खिड़कियों से कूदने पर 236 लोग घायल

इस्तांबुल में भूकंप के तेज झटके, लोगों ने घरों के बाहर बिताई रात

» इस्तांबुल, भाषा।

तुर्किए के इस्तांबुल शहर में बुधवार को आए शक्तिशाली भूकंप और उसके बाद महसूस किए गए 180 से अधिक झटकों से डरे लोगों ने पूरी रात घरों के बाहर बिताई। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, 6.2 तीव्रता के भूकंप से जान-माल का कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस्तांबुल में हाल के वर्षों में महसूस किए गए सबसे तीव्र झटकों से शहर के लगभग 1.6 करोड़ निवासियों के बीच दहशत फैल गई और वे अधिक विनाशकारी भूकंप आने की आशंका से घिरे रहे।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र इस्तांबुल से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में मरमारा सागर में 10 किलोमीटर की गहराई में था। इसके झटके इस्तांबुल के कई पड़ोसी प्रांतों में भी महसूस किए गए। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, भूकंप के झटकों से घबराए कई लोगों ने घरों की खिड़कियों से कूदने की कोशिश की और इस दौरान घायल हुए कम से कम 236 लोगों का अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। अधिक शक्तिशाली भूकंप आने और इमारतों के ढहने की आशंका के चलते लोगों ने अपनी कारों में या पार्क सहित अन्य खुली जगहों पर लगाए गए टेंटों में रात बिताई। तुर्किए की आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी एएफएडी ने कहा कि बुधवार को आए भूकंप के बाद कम से कम 184 झटके महसूस किए, जिनमें से सात की तीव्रता 4 या उससे ज्यादा थी। पर्यावरण, शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री मूरत कुरुम ने कहा कि अधिकारियों को विभिन्न इमारतों को नुकसान की 378 रिपोर्ट मिली हैं और कम से कम 12 इमारतों को एहतियातन खाली करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि भूकंप से शहर के ऐतिहासिक फतिह जिले में स्थित एक इमारत ढह गई, जो लंबे समय से खाली पड़ी हुई थी। तुर्किए भूकंप के प्रति अधिक संवेदनशील देशों में शामिल है। छह फरवरी 2023 को देश में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप में 53,000 से अधिक लोग मारे गए थे और हजारों इमारतें या तो ढह गई थीं या उन्हें काफी नुकसान पहुंचा था। जर्मनी के जीएफजेड भूकंपीय अनुसंधान संस्थान ने कहा कि यह भूकंप पिछले 25 वर्षों में इस क्षेत्र में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप था और इसने फॉल्ट क्षेत्र को इस्तांबुल की ओर बढ़ा दिया। संस्थान ने कहा, इस्तांबुल के दक्षिण में मरमारा सागर के नीचे के क्षेत्र में पिछले 250 वर्षों से अधिक समय से कोई शक्तिशाली भूकंप नहीं आया है और विशेषज्ञों ने भविष्य में यहां 7.4 तीव्रता तक का जबरदस्त भूकंप आने की आशंका जताई है।

अमेरिका के साथ किसी भी समझौते के लिए ईरान को परमाणु संवर्धन रोकना होगा : अमेरिकी मंत्री

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि यदि ईरान अमेरिकी प्रशासन के साथ वार्ता के दौरान कोई समझौता करना चाहता है और सशस्त्र संघर्ष के खतरे को टालना चाहता है तो उसे परमाणु संवर्धन रोकना होगा। ईरान इस बात पर जोर देता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम असैन्य ऊर्जा के क्षेत्र में उपयोग के लिए है। ईरान का कहना है कि उसका इरादा परमाणु बम बनाने के उद्देश्य से यूरेनियम बनाना नहीं है। रुबियो ने पत्रकार बारी वीस के साथ बुधवार को एक साक्षात्कार में कहा, यदि ईरान असैन्य परमाणु कार्यक्रम चाहता है, तो वह भी अन्य देशों की तरह ऐसा कर सकता है कि वह संवर्धित सामग्री का आयात करे। ईरान यूरेनियम संवर्धन की अपनी क्षमता को समाप्त करने के लिए कदम उठाने से इनकार करता रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका को उस परमाणु समझौते से बाहर निकाल लिया था जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि ईरान हथियार बनाने में मददगार यूरेनियम संवर्धन की ओर न बढ़े।

यह समझौता अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा

के कार्यकाल में किया गया था। ट्रंप ने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के शुरुआती महीनों में ईरान के साथ समझौते को लेकर वार्ता शुरू की थी। ट्रंप का कहना है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक सख्त समझौता करेंगे। इस संबंध में शनिवार को दूसरे दौर की वार्ता हुई और इस सप्ताहांत तकनीकी स्तर की वार्ता होने की संभावना है। ईरान उस पर लगाए गए उन प्रतिबंधों में ढील चाहता है जिनके कारण उसकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। रुबियो ने कहा, मैं हर किसी से कहूंगा कि हम ईरान के साथ किसी भी तरह के समझौते से बहुत दूर हैं। हम इस मामले में शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं।